हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सत्यसाईं संजीवनी हास्पिटल के लाभार्थी बच्चों से मिले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बच्चों ने खुलकर दिल की बात की। मोदी के सवाल पर जवाब देते हुए डाक्टर, टीचर तो किसी ने आर्मी में सैनिक बनकर देश सेवा करने की इच्छा जाहिर की। किसी ने मोदी को कविता सुनाकर, तो किसी ने उनसे हाथ मिलाकर अपनी भावना का प्रदर्शन किया। इस दौरान मोदी ने पानी बचाने और पेड़ लगाकर प्रकृति संरक्षण पर जोर दिया।

- इलाज कराने वाले 6 बच्चों को दिया प्रमाणपत्र 10 बच्चों से की खुलकर बात

बच्चों से पीएम ने की दिल की बात...बड़े होकर टीचर, डाक्टर तो किसी ने सैनिक बनकर देश सेवा की जाहिर की इच्छा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कार्यक्रम का स्थान था नवा रायपुर का सत्यसाईं संजीवनी हास्पिटल। यहां देशभर के करीब दो हजार बच्चे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने पहुंचे थे। यह वे बच्चे थे, जिन्हें संस्थान में हृदय से संबंधित बीमारी का निशुल्क उपचार का लाभ मिला था। निर्धारित समय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने बिना झिझक प्रधानमंत्री से अपने दिल की बात कही और उनके सवालों का जबाव दिया। मोदी के सवाल पर बच्चों ने बीमारी, उपचार के साथ अस्पताल में बिताए ▶▶|शेष पेज 7 पर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सवालों पर बच्चों ने दिए ऐसे जवाब

- लाभार्थी- मैं हॉकी की चैंपियन हूं, मैंने हॉकी में 5 मेडल जीते हैं, स्कूल में हुई जांच में पता चला कि दिल में छेद हैं, तो मैं यहां पर आई, तो मेरा ऑपरेशन हुआ। बड़ी होकर डॉक्टर बनकर सभी का इलाज करूंगी।
- लाभार्थी- मैंने सोचा ही नहीं था कि मैं कभी आपसे मिल पाऊंगी, आज पहली बार मिली, मुझे बहुत अच्छा लगा। बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती हूं।
- लाभार्थी- आपको एक स्पीच सुनाना चाहती हूं। प्रधानमंत्री ने कविता सुनने के बाद तारीफ कर बच्ची को प्रोत्साहित किया।
- लाभार्थी- सर मुझे इंजेक्शन से डर भी नहीं लगता था इसलिए मेरा अच्छे से ऑपरेशन हुआ। ▶▶|शेष पेज 7 पर

इन बच्चों से हुई चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लखनऊ के शुभ सिंह, उज्जैन के पीयूष, वाराणसी के विशकांत उपाध्याय, फतेहपुर की मारिया फातिमा, सागर की योगिता यादव, विदिशा की यशिका शर्मा, सुंदरगढ़ की अशिका, वाराणसी के कृष्णा विश्वकर्मा, जौनपुर के ओम, प्रयागराज के इशात जहां से मन की बात की। कार्यक्रम के दौरान संस्थान में सर्जरी के बाद स्वस्थ हुए बस्तर के छवि सोलंकी, गंगटोक सिक्किम के पहल गुप्ता, मिर्जापुर के आर्यन सिंह, असम के रौनक, मेदिनीपुर के मंदिरा छेत्री, जम्मू के परदीप बंदराल को प्रमाणपत्र प्रदान किया।

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹88428/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹108000/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹117892/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels Pandri, Raipur

नवा रायपुर में नया विधानसभा भवन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधानसभा के मौजूदा विधायकों के साथ फोटो खिंचवाई ।

भव्य विस भवन के खुले कपाट

मोदी बोले-यह लोकतंत्र का तीर्थस्थल, यहां लिए फैसले छग के भाग्य को देंगे दिशा

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, छत्तीसगढ़ निर्माण के समय विधानसभा का जो भवन तैयार हुआ, वो भी पहले किसी दूसरे विभाग का परिसर था। वहीं से छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र की यात्रा नई ऊर्जा के साथ प्रारंभ हुई और आज 25 वर्षों के बाद वही लोकतंत्र, वही जनता, एक आधुनिक, डिजिटल और आत्मनिर्भर विधानसभा के भवन का उद्घाटन कर रही है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पीएम मोदी ने कहा, यह भवन लोकतंत्र का तीर्थ स्थल है। इसका हर स्तंभ पारदर्शिता का प्रतीक है। इसका हर गलियारा जवाबदेही की याद दिलाता है। इसका हर कक्ष जनता की आवाज़ का प्रतिबिंब है। यहां लिए गए निर्णय दशकों तक छत्तीसगढ़ के भाग्य को दिशा देंगे। यहां कहा गया हर एक शब्द, छत्तीसगढ़ के अतीत, इसके वर्तमान का और इसके भविष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। मुझे विश्वास है, ये भवन आने वाले दशकों के लिए छत्तीसगढ़ की नीति, नियति और नीतिकारों का केंद्र बनेगा।

छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा भवन का उद्घाटन करते हुए श्री मोदी ने कहा, छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा के लिए आज का दिन एक स्वर्णिम शुरुआत का दिन है और मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर ये बहुत ही सुखद दिन है, अहम दिन है। मेरा बीते कई दशकों से इस भूमि से बहुत आत्मीय नाता रहा है। एक कार्यकर्ता के ▶▶|शेष पेज 7 पर

नए विधानसभा भवन का पीएम मोदी ने किया लोकार्पण

डॉ. रमन की मोदी ने की सराहना

पीएम ने कहा, एक ओर इस सदन के हर कोने में हमारे महापुरुषों के आदर्श हैं, तो वहीं इसकी अध्यक्ष पीठ पर रमन सिंह जैसा अनुभवी नेतृत्व भी है। रमन इस बात का बहुत बड़ा उदाहरण हैं कि एक कार्यकर्ता अपने परिश्रम से, अपने समर्पण भाव से लोकतांत्रिक व्यवस्था को कितना सशक्त बना सकता है। क्रिकेट में तो देखते हैं कि जो कभी कैप्टन रहता है वो कभी टीम में खिलाड़ी बनकर के भी खेलता है, लेकिन राजनीति में ▶▶|शेष पेज 7 पर

ये दिन ऐतिहासिक- साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा, छत्तीसगढ़ के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। 1 नवंबर का दिन छत्तीसगढ़ के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा, क्योंकि आज पीएम मोदी छत्तीसगढ़ के रजत जयंती समारोह में शामिल हुए हैं। आज प्रधानमंत्री के करकमलों से हमारे भव्य विधानसभा भवन का लोकार्पण हुआ है, जिसके लिए मैं अपने मंत्री, अधिकारी और समस्त छत्तीसगढ़ वासियों को बहुत बधाई देता हूं।

ये थे मौजूद

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष, रमन सिंह, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्र सरकार में सहयोगी मंत्री ▶▶|शेष पेज 7 पर

राज्योत्सव का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ी में बोले- जय जोहार, जम्मो भाई-बहिनी, लइका, सियान मन ल गाड़ा-गाड़ा बधाई

मोदी बोले- छग में नया सूर्योदय, नक्सलवाद जल्द होगा खत्म और बढ़ेगी विकास की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के रजत जयंती महोत्सव में राज्योत्सव का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, छत्तीसगढ़ ने अपनी 25 सालों की यात्रा को पूरा कर लिया है। आज आने वाले 25 सालों के नए युग का सूर्योदय हो रहा है। आप सब अपना-अपना मोबाइल उठाएं और सभी उसकी लाइट को ऑन करें। देखें चारों तरफ नए सपनों का सूरज उगा है। छत्तीसगढ़ में अब नक्सलवाद भी जल्द समाप्त होगा, इसके बाद छत्तीसगढ़ में विकास की रफ्तार में और तेजी आएगी। जब नक्सलवाद के रहते छत्तीसगढ़ में इतना विकास हुआ है, तो आप सोचें नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद और कितना विकास होगा। मैंने छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनने से पहले से करीब से देखा है। छत्तीसगढ़ में पहले सड़कों से लेकर हर सुविधा की कमी थी, लेकिन छत्तीसगढ़ के अलग होने के बाद यहां पर विकास की गाथा लिखी गई है। पीएम ने राज्योत्सव के मंच से 14 हजार करोड़ की योजनाओं का भी प्रारंभ किया।

- डा. रमन की तारीफ, कहा- चुनौतियों का सामना कर छग को संवारा, अब सीएम साय का जिम्मा

पीएम मोदी ने अपने उद्बोधन के प्रारंभ में भारत माता की जय के साथ मां दंतेश्वरी, महामाया, बम्लेशवरी और छत्तीसगढ़ महतारी की भी जय-जय कार करवाई। उन्होंने छत्तीसगढ़ी में कहा, जय जोहार, छत्तीसगढ़ के जम्मो भाई, बहिनी, लइका अउ सियान मन ला छत्तीसगढ़ राज्य के 25 साल ▶▶|शेष पेज 7 पर

विकास का श्रेय रमन सिंह को

श्री मोदी ने कहा, एक समय वह था, जब छत्तीसगढ़ राज्य नहीं बना था तो यहां पर सड़कों की इतनी ज्यादा कमी थी कि गांवों तक पहुंचना मुश्किल था। आज गांवों तक सड़कों का जाल बिछा है। आज राज्य में 40 हजार किलोमीटर तक सड़कें बनी हैं। नेशनल हाईवे का विस्तार हुआ है। छत्तीसगढ़ के लिए वैसे तो सभी ▶▶|शेष पेज 7 पर

अब विकास करने का जिम्मा साय का

पीएम मोदी ने कहा, डा. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ को विकास के रास्ते पर ले जाने का काम किया। अब इस विकास को आगे बढ़ाने का जिम्मा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का है। साय सरकार अब छत्तीसगढ़ को तेजी से आगे ले जाने का काम कर रही है। काफी कम समय में बहुत से काम हुए हैं। मोदी की गारंटी को भी पूरा करने का काम साय सरकार ने किया है। श्री मोदी ने कहा, जब छत्तीसगढ़ राज्य बना था, तब राज्य में सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज था, लेकिन आज छत्तीसगढ़ में 14 मेडिकल कॉलेज हैं।

सीएम साय बोले- अटल जी ने छत्तीसगढ़ बनाया इसको संवारने का काम मोदी जी कर रहे

इसके पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, आज हमारा छत्तीसगढ़ 25 सालों का हो गया है। छत्तीसगढ़ को बनाने का काम हमारे स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लिए जो सपना देखा था, उस सपने को पूरा करने में हम सब जुटे हैं। अटल जी के छत्तीसगढ़ को संवारने का काम ▶▶|शेष पेज 7 पर

मोदी ने जाना तीजनबाई और विनोद शुक्ल का हाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रायपुर प्रवास के दौरान अपनी सहजा और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अस्वस्थ्य चल रहीं पंडवानी लोक गायिका तीजन बाई और कवि विनोद कुमार शुक्ल से फोन पर बातचीत की। पीएम मोदी को इस बात की जानकारी थी तीजन बाई और विनोद कुमार शुक्ल अस्वस्थ ▶▶|शेष पेज 7 पर

मोदी ने देखी जनजातीय नायकों की तपस्या अंग्रेजों के खिलाफ उनके विद्रोह को समझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस संग्रहालय में इतिहास के पन्नों में गुम हो चुके छत्तीसगढ़ के जनजातीय वर्ग के नायकों के सर्वोच्च बलिदान एवं न्योछावर की गाथाएं प्रदर्शनी के रूप में लगाई गई हैं। प्रदर्शनी को देखकर अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह करने वाले इन नायकों की वर्षों की तपस्या एवं संघर्ष को प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों के लोग भी जान पाएंगे। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर संग्रहालय के ▶▶|शेष पेज 7 पर

प्रदर्शनी में शहीद वीरनारायण सिंह के विद्रोह-बलिदान की कहानी का वर्णन

संग्रहालय में लगाई गई प्रदर्शनियों में शहीद वीर नारायण सिंह के बलिदान एवं संघर्ष की कहानी भी प्रदर्शनी में दिखाई गई है। शहीद वीर नारायण सिंह प्रदेश के पहले नायक है जिन्होंने सन 1856-1857 में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया था। 1856 में भीषण अकाल के दौरान उन्होंने जमाखोरों के गोदाम से अनाज लूटकर गरीब जनता में बांट दिया था, वहीं 1857 में सोनाखान में उन्होंने एक सेना बनाकर अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया। इसके बाद अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर 10 दिसंबर 1857 को रायपुर के जयस्तंभ चौक पर फांसी दी गई।

50 करोड़ से अधिक की लागत से बना है संग्रहालय

नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह समारक एवं सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय बना है। 10 एकड़ में 50 करोड़ रुपए से अधिक लागत से बना संग्रहालय भव्य एवं आकर्षक है। संग्रहालय 16 थीम गैलेरी पर आधारित है। इसमें छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में वर्ष 1774 से 1779 के बीच हुआ हल्बा विद्रोह, वर्ष 1795 में भोपालपट्नम विद्रोह, वर्ष 1792 में सरगुजा विद्रोह सहित अन्य कई विद्रोह है, जो जनजातीय वर्ग के नायकों ने अंग्रेजों के शासन एवं व्यापार के विरुद्ध किया था।

नवा रायपुर के शांति शिखर- एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड का लोकार्पण

पीएम बोले-विश्व शांति के प्रयासों का ब्रम्हकुमारी संस्था होगी प्रमुख केंद्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवा रायपुर में ब्रह्माकुमारीज-एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड का शनिवार को लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान में अपनापन है, इसमें शब्द कम सेवा ज्यादा है। ब्रह्माकुमारीज का पहला संबोधन ओम शांति है, इसलिए संस्थान के विचारों का हर किसी के अंतर्मन पर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ता है। आध्यात्म हमें सिर्फ शांति का पाठ ही नहीं सिखाता, अपितु वह हमें हर कदम पर शांति की राह भी दिखाता है। विश्व शांति की अवधारणा भारत के मौलिक विचारों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संस्था विश्व शांति के प्रयासों का प्रमुख केंद्र होगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मैं शांति शिखर की संकल्पना में दादी जानकी जी के विचारों को साकार होते हुए देख रहा हूं। राज्य के विकास से देश का विकास के मंत्र पर चलते हुए हम भारत को विकसित बनाने के अभियान में जुटे हैं। विकसित भारत की इस अहम यात्रा में ब्रह्माकुमारीज़ जैसी संस्था की अहम भूमिका है। मोदी ने कहा कि शांति शिखर एकेडमी में साधक वैश्विक शांति का माध्यम बनेंगे। ग्लोबल पीस के मिशन में जितनी अहमियत विचारों की होती है, उतनी ही बड़ी भूमिका व्यावहारिक नीतियों और प्रयासों की भी होती है। भारत उस दिशा में आज अपनी भूमिका पूरी ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास कर रहा है। पूरी दुनिया में कहीं भी संकट आता ▶▶|शेष पेज 7 पर

प्रकृति के साथ जीना सीखना होगा

मोदी ने कहा कि आज पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों के बीच भारत पूरे विश्व में प्रकृति संरक्षण की प्रमुख आवाज बना हुआ है। बहुत आवश्यक है कि प्रकृति ने हमें जो दिया है हम उसका संरक्षण और संवर्धन करें। यह तभी होगा जब हम प्रकृति के साथ मिलकर जीना सीखेंगे। हम नदियों को मां, जल में देवता और पौधों में परमात्मा को देखते हैं। इसी भाव से प्रकृति और उसके संसाधनों का उपयोग, प्रकृति में केवल लेने का भाव नहीं, बल्कि उसे लौटाने की सोच, आज यही वे ऑफ लाइफ दुनिया को सेफ फ्यूचर का भरोसा देता है।

कार्यक्रम के प्रमुख अंश

- संस्थान के अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय ने प्रधानमंत्री का स्वागत खुमरी और माला पहनाकर किया।
- संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी ने शॉल भेंट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्मान किया।
- परिसर में पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी और प्रधानमंत्री मोदी की आकर्षक रंगोली भी सजाई गई।
- लोकार्पण समारोह के लिए नवा रायपुर में बनाए गए शांति शिखर भवन में आकर्षक रोशनी की गई थी।

पीएम मोदी के स्वागत के लिए जन-उमंग....

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के छत्तीसगढ़ आगमन पर नवा रायपुर,अटल नगर जन उमंग से सराबोर हो उठा। लोगों में जबरदस्त उत्साह था। प्रधानमंत्री मोदी की एक झलक पाने को सड़क किनारे हजारों लोग घंटों पहले से ही खड़े हो गए थे। एयरपोर्ट से लेकर नवा रायपुर अटल नगर तक का पूरा मार्ग 'मोदी-मोदी' के नारों से गूंजता रहा। जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर और तिरंगे लहराकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उनकी झलक देखने का जुनून साफ झलक रहा था। राजधानी का यह दृश्य एक उत्सव में तब्दील हो गया, जब प्रधानमंत्री का काफिला धीरे-धीरे आगे बढ़ता गया और भीड़ जयघोष करती रही।

मोदी का जैकेट पाटा कोटी, ढोकरा मोमेंटों ने बनाया यात्रा को यादगार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा छत्तीसगढ़ की परंपरा, संस्कृति और कला में नजर आया। उन्होंने पाटा कोटी जैकेट पहना जो छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला और जनजातीय संस्कृति के प्रति उनके लगाव को दिखाता है। वहीं एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया। उसका कवर पेज छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों ने तैयार किया। साथ ही प्रधानमंत्री को जो मोमेंटों प्रदान किया गया वह छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध ढोकरा शिल्पकला की नायाब कलाकारी थी।

मोदी ने पहना था पाटा कोटी जैकेट

प्रधानमंत्री श्री मोदी रायपुर के कार्यक्रमों में पाटा कोटी जैकेट पहुंचे थे। यह छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला और जनजातीय संस्कृति के प्रति उनके गहरे सम्मान का प्रतीक है। पाटा कोटी छत्तीसगढ़ की पारंपरिक पाटा बुनाई, ढोकरा कला और बैगा जनजाति के टैटू जैसे विशिष्ट सांस्कृतिक तत्वों का अद्भुत संगम है। बस्तर की यह दुर्लभ और विलुप्तप्राय परंपरा 2-3 रंगों के हाथों से रंगे धागों से पारंपरिक करघों पर बुनी जाती है। इन कपड़ों में बाघ, मोर और हिरण जैसे जीव-जंतुओं की आकृतियां उकेरी जाती हैं।

ढोकरा कॉफी टेबल बुक

पीएम मोदी ने विशेष कॉफी टेबल बुक मोदी की गारंटी का विमोचन किया। पुस्तक का कवर स्थानीय काष्ठ शिल्पकारों द्वारा तैयार किया गया है। इस पर बस्तर की सुप्रसिद्ध ढोकरा कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ के नक्शे को उकेरा गया है साथ ही आदिवासी सांस्कृतिक प्रतीकों की आकर्षक सज्जा की गई है। पुस्तक में 'मोदी की गारंटी' के अंतर्गत राज्य में चल रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विशेषकर बस्तर संभाग में हुए विकास और जन सशक्तिकरण के प्रेरणादायक उदाहरणों को चित्रों और आलेखों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

ढोकरा मोमेंटो

पीएम को ढोकरा मोमेंटो दिया गया। यह मोमेंटो यहा के जनजातीय कलाकारों द्वारा बनाया गया है। यह ढोकरा कला से निर्मित है, जिसे बस्तर के जनजातीय समाज के शिल्पकारों ने अपने हाथों से गढ़ा है। इस मोमेंटो में छत्तीसगढ़ राज्य की 25 वर्ष की गौरवमयी यात्रा को उनकी कला के माध्यम से उकेरा गया है, जिसमें राज्य की प्रगति, संस्कृति और आत्मगौरव की गाथा झलकती है।

पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 1200 करोड़ रुपये की किस्त जारी

छत्तीसगढ़ स्थापना की रजत जयंती पर पीएम मोदी ने दी 14 हजार 230 करोड़ की सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख सेक्टरों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और रूपांतरकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं में प्रधानमंत्री ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए छत्तीसगढ़ के नौ जिलों में 12 नए स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम (एसवीईपी) ब्लॉकों का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री 3.51 लाख पूर्ण हो चुके घरों के गृह प्रवेश समारोह में शामिल हुए और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 3 लाख लाभार्थियों को 1200 करोड़ रुपये की किस्तें जारी की। राज्यभर के ग्रामीण परिवारों के लिए इससे सम्मानजनक आवास और सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा तक बनेगा फोर लेन हाईवे

प्रधानमंत्री ने कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए पत्थलगांव-कुनकुरी से छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा तक चार लेन वाले ग्रीनफील्ड हाईवे की आधारशिला रखी। इसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा भारतमाला परियोजना के तहत लगभग 3,150 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। यह रणनीतिक गलियारा कोरबा, रायगढ़, जशपुर, रांची और जमशेदपुर में प्रमुख कोयला खदानों, औद्योगिक क्षेत्रों और इस्पात संयंत्रों को जोड़ेगा।

आरडीएसएस 1860 करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री ने पुनरोद्धार वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत लगभग 1,860 करोड़ रुपये के कार्यों को समर्पित किया। इनमें नई बिजली लाइनों का निर्माण, फीडर का विभाजन, ट्रांसफार्मरों की स्थापना, कंडक्टरों का रूपांतरण और ग्रामीण एवं कृषि बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए निम्न-दाब नेटवर्क को सुदृढ़ करना शामिल है। राज्य में बिजली की पहुंच और गुणवत्ता को और बढ़ाने के लिए कई जिलों में नए आरडीएसएस कार्यों के साथ-साथ कांकेर और बलौदाबाजार-भाटापारा में प्रमुख सुविधाओं सहित 1,415 करोड़ रुपये से अधिक के नए सबस्टेशनों और ट्रांसमिशन परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

नारायणपुर-महाराष्ट्र सीमा और ओडिशा सीमा तक सड़क

प्रधानमंत्री ने इसके अतिरिक्त, बस्तर और नारायणपुर जिलों में कई खंडों में फैले राष्ट्रीय राजमार्ग-130डी (नारायणपुर-कस्तूरमेटा-कुतुल-नीलांगुर-महाराष्ट्र सीमा) के निर्माण और उन्नयन की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-130सी (मदंगमुडा-देवभोग-ओडिशा सीमा) को पक्के शोल्डर वाले दो-लेन राजमार्ग में उन्नत करने का भी उद्घाटन किया। इससे जनजातीय और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सड़क संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजारों तक पहुंच में सुधार होगा और दूरदराज के क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

बिजली की अधोसंरचना सुदृढ़ करने करोड़ों का शिलान्यास

प्रधानमंत्री विद्युत क्षेत्र में अंतर-क्षेत्रीय ईआर-डब्ल्यूआर इंटरकनेक्शन परियोजना का उद्घाटन किया, जिससे पूर्वी और पश्चिमी ग्रिडों के बीच अंतर-क्षेत्रीय विद्युत अंतरण क्षमता में 1,600 मेगावाट की वृद्धि होगी, ग्रिड विश्वसनीयता में सुधार होगा और पूरे क्षेत्र में स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। प्रधानमंत्री इसके साथ ही 3,750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई ऊर्जा क्षेत्र परियोजनाओं का लोकार्पण, उद्घाटन और शिलान्यास किया।

6 जिलों में 480 करोड़ की लागत से 8 बिजली सबस्टेशन बनेंगे

प्रधानमंत्री ने रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बेमेतरा, गरियाबंद और बस्तर जैसे जिलों में लगभग 480 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नौ नए बिजली सबस्टेशनों का भी उद्घाटन किया। इनसे स्थिर वोल्टेज सुनिश्चित होने, कटौती कम होने और सुदूरवर्ती तथा जनजातीय क्षेत्रों में भी विश्वसनीय बिजली उपलब्ध होने से 15 लाख से अधिक लोगों को लाभ होगा।

पांच नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आयुर्वेद कॉलेज व अस्पताल

प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पांच नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और गौदम (दंतेवाड़ा) और बिलासपुर में सरकारी आयुर्वेद कॉलेज तथा अस्पताल की आधारशिला रखा।

दो स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र और फार्मास्युटिकल पार्क की आधारशिला

प्रधानमंत्री ने औद्योगिक विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए दो स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्रों, एक जांजगीर-चांपा जिले के सिलादेही-गतवा-बिर्रा में और दूसरा राजनांदगांव जिले के बिजलेटला की आधारशिला रखा।

नागपुर-झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइप लाइन का लोकार्पण

प्रधानमंत्री ने लगभग 1,950 करोड़ की लागत से निर्मित 489 किलोमीटर लंबी नागपुर-झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का भी लोकार्पण किया। यह परियोजना भारत के ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने और "एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड" का लक्ष्य अर्जित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

झलकियां

ननकीराम को मिली तवज्जो मंत्री-विधायक प्रोटोकाल में फंसे

- विधानसभा परिसर में प्रवेश के लिए मंत्री, विधायक को ही वाहन समेत भीतर जाने की अनुमति दी गई, लेकिन उन्हें अपने पीएसओ, ओएसडी और पीए को बाहर छोड़ने कहा गया। इससे कई मंत्री विधायक असहज नजर आए।
- पूर्व मंत्री और पूर्व विधायकों को गेट नंबर 3 से प्रवेश करने की व्यवस्था दी गई थी, लेकिन कई वरिष्ठ नेता लगभग एक किलोमीटर चलकर जाने में पस्त हो गए। बाद में सुरक्षाकर्मियों ने बैटरी चलित वाहन से बुजुर्ग नेताओं को भीतर पहुंचाया।
- कई वरिष्ठ नेताओं को भी पीएम की सभा में सुरक्षा के लिए कड़ी जांच से होकर गुजरना पड़ा। इस दौरान कुछ नेता जहां खामोशी से जांच में सहयोग करते नजर आए। वहीं कई नेता सुरक्षा में लगे अधिकारियों पर नाराज होते भी नजर आए।
- पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर जैसे ही गेट नंबर तीन पर पहुंचे, सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत एक्टिव होकर उन्हें भीतर पहुंचाया। इस दौरान मीडिया के लिए भी वे आकर्षण का केंद्र बने रहे।
- मंत्री रामविचार नेताम भाजपा के संगठन महामंत्री पवन साय को साथ लेकर पहुंचे। वहीं डिप्टी सीएम विजय शर्मा और संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप पैदल ही भीतर जाने की कोशिश करते नजर आए। बाद में दोनों नेताओं को सुरक्षाबलों ने वाहन समेत भीतर जाने का आग्रह किया।
- विधानसभा परिसर में सभी विधायकों का एक रंग का जैकेट भी चर्चा में रहा। एकरुपता प्रदर्शित करने के लिए सभी विधायकों को ब्राउन रंग का जैकेट पहनने कहा गया था। हालांकि कुछ विधायक अलग परिधान में भी नजर आए।
- विधानसभा परिसर में पीएम का स्वागत करने के लिए राज्यपाल से लेकर मुख्यमंत्री और स्पीकर से लेकर नेता प्रतिपक्ष भी कतार में लगे नजर आए। पीएम मोदी भी सभी के एक रंग के जैकेट को देखकर मुस्कुराए बगैर नहीं रह सके।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्रुप फोटो के दौरान कई वरिष्ठ विधायकों से भी मिलते और कुशलक्षेम पूछते नजर आए। विधानसभा परिसर में ही डॉ. रमन सिंह के परिवार के सदस्य भी पीएम मोदी से मिले।
- विधानसभा के सदन में प्रवेश करने के बाद पीएम काफी देर तक धान की थीम पर बने फॉल्स सीलिंग और सदन की छत को निहारते रहे। डॉ. रमन सिंह ने उन्हें विधानसभा की बारीकियों की जानकारी दी।
- पीएम मोदी के मंच पर पहुंचने के पहले ही राज्यपाल, मुख्यमंत्री, स्पीकर समेत सभी अतिथि मंच पर पहुंच गए थे। मंच पर पीएम मोदी की एंट्री भी गरिमापूर्ण और प्रभावी रही।
- पीएम मोदी के भाषण में डॉ. रमन सिंह का उल्लेख परिसर के भीतर से लेकर बाहर तक चर्चा का केंद्र बना रहा।

खबर संक्षेप

एनीकट में नहाते समय रेलवे अधिकारी बहे, मचा हड़कंप

बिलासपुर। पिकनिक मनाने गए बिल्हा के चूराघाट एनीकट में नहाते समय रेलवे अधिकारी तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए, साथ में नहा रहा उनका साला भी लापता हो गया है। दोनों का पता नहीं चल पाया है। बिल्हा टीआई उमेश साहू ने बताया, बिल्हा रेलवे कालोनी निवासी संतोष राम 40 साल रेलवे विभाग में एसएससी के पद पर पदस्थ हैं। शनिवार को वे अपनी पत्नी बच्चे व साले अनुज कुमार, उनकी पत्नी बच्चों के साथ पिकनिक मनाने उड़नताल चूराघाट एनीकट गए थे। दोपहर 3.30 बजे जीजा व साला एनीकट में उतरकर नहा रहे थे। इसी दौरान तेज बहाव की चपेट में आने से संतोष राम डूबने लगे। आवाज लगाने पर साला अनुज कुमार बचाने के लिए गए तो वे भी तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए।

जहर सेवन से वृद्ध की मौत

धमतरी। शारीरिक बीमारी से परेशान होकर एक वृद्ध ने कीटनाशक दवाई का सेवनकर आत्महत्या कर ली है। अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार भुवनलाल साहू पिता गुहाराम उम्र 74 वर्ष ग्राम बोरेंदा थाना रानीतराई निवासी शुक्रवार की रात्रि घर पर उल्टी कर रहा था। इसकी जानकारी होने पर परिजनों ने वृद्ध से जहर सेवन करने का कारण पूछा, तो वृद्ध ने बीपी, शुगर की बीमारी से परेशान होकर कीटनाशक दवाई का सेवन कर लेना बताया। परिजनों ने उसे निजी वाहन से रात्रि में ही उपचार के लिए धमतरी मसीही अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान वृद्ध की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूछा कैसे हो बृजमोहन...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एयरपोर्ट पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृजमोहन अग्रवाल से चिरपरिचित अंदाज में पूछा और बृजमोहन कैसे हो। पीएम और बृजमोहन अग्रवाल के बीच संवाद कार्यक्रम के दौरान दिनभर चर्चाओं के केंद्र में रहा।

अभिवादन...

रायपुर। जनता का अभिवादन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इस दौरान उपमुख्यमंत्री अरुण साव भी मौजूद रहे।

प्रतिबंध वाले होर्डिंग्स पर ईसाई संगठनों ने की थी आपत्ति

गांव में पादरी और पास्टर के प्रवेश पर रोक, हाईकोर्ट ने कहा-पहले ग्राम सभा या एसडीएम के पास जाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

कांकेर जिले के कुछ गांवों में पादरी और पास्टर के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध वाले होर्डिंग्स पर ईसाई संगठनों की आपत्ति के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने मामला यह कहते हुए प्रकरण को निराकृत किया है कि याचिकाकर्ता पहले ग्राम सभा या एसडीएम के पास अपनी शिकायत दर्ज करें।

दरअसल कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर ब्लॉक के ग्राम घोटिया समेत आसपास के कई गांवों में हाल ही में कुछ स्थानीय निवासियों ने गांव के प्रवेश द्वारों पर होर्डिंग लगाकर पादरी और पास्टर के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। इन बोर्डों पर लिखा था कि "गांव में ईसाई धर्म के पादरी, पास्टर या धर्मांतरण के उद्देश्य से आने वाले लोगों का प्रवेश वर्जित है।" इस आदेशनुमा संदेश के

खिलाफ ईसाई संगठनों ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की थी। कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि यह प्रतिबंध असंवैधानिक है और संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि गांवों में लगाए गए ऐसे बोर्ड सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देते हैं और एक विशेष समुदाय के खिलाफ भेदभाव की भावना फैलाते हैं।

ग्राम सभा एक संवैधानिक मान्यता प्राप्त निकाय

कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद पाया कि होर्डिंग्स संबंधित ग्राम सभाओं द्वारा पेसा ढांचे के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए लगाए गए थे। याचिकाकर्ताओं द्वारा ऐसा कोई भी प्रमाण अभिलेख में प्रस्तुत नहीं किया गया है, जिससे यह संकेत मिले कि परिपत्र किसी भी धार्मिक समूह के विरुद्ध भेदभाव को अधिकृत करता है। कोर्ट ने कहा कि ग्राम सभा पेसा अधिनियम के तहत एक संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त निकाय है और उसे सामुदायिक संसाधनों के प्रबंधन और जनजातीय परंपराओं की रक्षा के लिए विशिष्ट शक्तियां प्रदान की गई है। कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रलोभन या कपटपूर्ण तरीकों से जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए होर्डिंग्स लगाना असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता।

रायपुर
रविवार 2 नवंबर 2025
कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वादशी
वर्ष : 24, अंक : 104
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 30.7
न्यून. 22.9

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

महिला वन डे विश्व कप

वर्ल्ड चैंपियन बनने से एक कदम दूर भारत

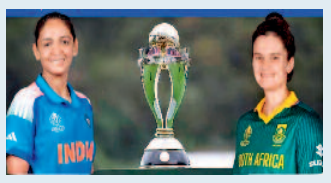

मुंबई। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जा रहा महिला विश्व कप 2025 अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम इतिहास रच सकती है। भारतीय महिला टीम का दक्षिण अफ्रीका से फाइनल में सामना होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महिला विश्व कप 2025 का फाइनल मुकाबला दोपहर 3:00 बजे से खेला जाएगा। इससे आधे घंटे पहले यानी 2:30 बजे टॉस होगा। दोनों टीमें पहली बार ट्रॉफी के लिए जोर लगाएंगी। नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्टेडियम भी इतिहास रचने के लिए तैयार है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महिला विश्व कप 2025 के फाइनल मुकाबले का लाइव प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के टीवी चैनलों पर होगा जबकि इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार एप पर होगी।

महिला क्रिकेट टीम आज रचेगी इतिहास

एसबीआई क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करना महंगा, तीन दिनों में जीएसटी का रजिस्ट्रेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

1 नवंबर से आम लोगों की जेब और बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ी कई अहम चीजें बदल गई। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय के नए नियम 1 नवंबर 2025 से लागू हो गए हैं। इनमें बैंक खातों में चार नॉमिनी जोड़ने की सुविधा, एसबीआई क्रेडिट कार्ड पर नया 1% शुल्क, यूनिफाइड पेंशन स्कीम की नई डेडलाइन और पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करने का प्रोसेस शामिल है। छोटे और कम जोखिम वाले व्यवसायों को तीन कार्यदिवसों के भीतर जीएसटी पंजीकरण मिल जाएगा। ▶▶शेष पेज 7 पर

एक नवंबर से बदल गए बैंक से जुड़े कई नियम, छोटे व्यापारियों के लिए भी राहत की खबर

बैंक खातों में जोड़ सकेंगे चार नॉमिनी

अब बैंक ग्राहकों को नॉमिनेशन के मामले में बड़ी राहत मिल गई है। बैंक खाते में चार तक नॉमिनी जोड़ सकते हैं, जबकि पहले सिर्फ एक ही व्यक्ति को नामित करने की अनुमति थी। नई व्यवस्था के तहत ग्राहक चाहें तो सभी नॉमिनियों को एक साथ या क्रमवार तरीके से जोड़ सकते हैं।

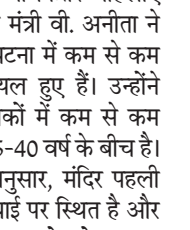

यूनिफाइड पेंशन स्कीम की तारीख 30 नवंबर

केंद्र सरकार ने कर्मचारियों को राहत देते हुए यूनिफाइड पेंशन स्कीम में शामिल होने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 30 नवंबर 2025 कर दी है। पहले यह डेडलाइन 30 सितंबर थी, लेकिन कर्मचारियों और विभिन्न विभागों की मांग पर इसे दो महीने आगे बढ़ाया गया।

एसबीआई कार्ड पर 1% चार्ज

एसबीआई कार्ड ने अपने चार्ज स्ट्रक्चर में बदलाव किया है। क्रेडिट कार्ड, चेक या मोबीक्विक जैसे थर्ड-पार्टी ऐप से किसी स्कूल या कॉलेज की फीस भरते हैं, तो अब आपको 1% एक्स्ट्रा चार्ज देना होगा। सीधे स्कूल या कॉलेज की वेबसाइट या उनके पीओएस मशीन के माध्यम से पेमेंट करते हैं, तो कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लगेगा।

पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाण पत्र

1 नवंबर से केंद्रीय और राज्य सरकार के पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसे डिजिटल रूप से जीवन प्रमाण पोर्टल पर या बैंक और पोस्ट ऑफिस जाकर जमा किया जा सकता है। अंतिम तिथि 30 नवंबर 2025 तय की गई है। अगर आपने 30 नवंबर तक लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं किया, तो पेंशन मिलने में दिक्कत आ सकती है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखे
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आईएएस कोचिंग सेंटरों पर 16 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 के अंतर्गत गुमराह करने वाले विज्ञापनों, अनुचित व्यापार कार्य प्रणालियों और उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन में लिप्त होने के लिए आईएएस दीक्षांत और आईएएस अभिमनु के खिलाफ अंतिम आदेश पारित किया है। प्रत्येक पर आठ-आठ लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। दोनों मामलों में सीसीपीए ने सफल यूपीएससी उम्मीदवारों से प्राप्त अभ्यावेदन पर संज्ञान लिया, जिनके नाम और तस्वीरों का उपयोग उनकी सहमति के बिना उनके परिणामों का श्रेय लेने वाले विज्ञापनों में किया गया था।

आंध्र प्रदेश में बड़ा हादसा, एकादशी पर दर्शन के लिए उमड़ी थी भीड़

वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़, रेलिंग में फंसकर 10 श्रद्धालुओं की गई जान

एजेंसी ▶▶ काशीबुग्गा

काशीबुग्गा श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे भगदड़ हुई। श्रीकाकुलम के जिलाधिकारी स्वप्निल दिनकर पुंडकर ने कहा, कुल 10 लोगों की मौत हुई है। इनमें से सात की मौत घटनास्थल पर और तीन की मौत इलाज के दौरान हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों में अधिकतर महिलाएं शामिल हैं। गृह मंत्री वी. अनीता ने कहा कि इस घटना में कम से कम पांच लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में कम से कम सात की उम्र 35-40 वर्ष के बीच है। गृह मंत्री के अनुसार, मंदिर पहली मंजिल पर ऊंचाई पर स्थित है और जब श्रद्धालु चढ़ ▶▶शेष पेज 7 पर

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में स्थित काशीबुग्गा श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। कार्तिक मास की एकादशी पर यहां दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी। इसी दौरान अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें अब तक 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। इनमें 8 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। 25 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है।

एकादशी को 5 घंटे में करीब 25 हजार लोग पहुंचे,महिलाएं और बच्चे चिल्लाते रहे, लोग रौंदते गए

क्यों हुआ हादसा

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस हादसे की सबसे बड़ी वजह सिर्फ एक ही एंट्री और एक्जिट पाइंट सामने आई है। श्रद्धालुओं का आना-जाना एक ही गेट से हो रहा था। इससे अफरा-तफरी की स्थिति बनी और कुछ ही मिनटों में पूरा माहौल हड़कंप में बदल गया। बैरिकेडिंग नहीं की गई थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि मंदिर प्रबंधन या आयोजकों ने राज्य सरकार या स्थानीय प्रशासन से कोई अनुमति नहीं ली थी।

निर्माणाधीन स्थल ने और बढ़ाई मुसीबत

जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इकट्ठी हुई थी, वह क्षेत्र निर्माणाधीन है। वहां मिट्टी, पत्थर, गड्ढे और लोहे की रॉड्स खुले पड़े थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लोग दर्शन के लिए आगे बढ़ रहे थे।

प्रशासक पर 'गैर-इरादतन हत्या' का केस दर्ज

सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। एसपी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा पर 'गैर-इरादतन हत्या' आईपीसी की धारा 304 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

राष्ट्रपति, पीएम ने जताया दुख

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को भगदड़ मचने से श्रद्धालुओं की मौत पर दुख व्यक्त किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भगदड़ के कारण हुए जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया और राज्य सरकार से पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

व्हाइट कालर क्राइम देश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय हित को नुकसान पहुंचाता है : हाईकोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने सिंडिकेट बनाकर कोयला परिवहन पर जबरन अवैध कोल लेवी वसूली के आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि व्हाइट कॉलर क्राइम देश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय हित को नुकसान पहुंचाता है और आर्थिक अपराध जानबूझकर व्यक्तिगत लाभ पर नजर रखते हुए समुदाय पर पड़ने वाले परिणामों की परवाह किए बिना किया जाता है।

ध्यान रहे कि आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो की शिकायत पर एसीबी ने अपराध पंजीबद्ध कर रायगढ़ के रामगुड़ी पारा निवासी ▶▶शेष पेज 7 पर

आर्थिक अपराधों को गंभीरता से देखना जरूरी

जेल में बंद आरोपी ने मामले की सुनवाई में विलंब होने व उसके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं होने के आधार पर जमानत आवेदन पेश किया था। जस्टिस नरेन्द्र कुमार व्यास की एकलपीठ में सुनवाई हुई। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आवेदक ने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया है जिससे यह साबित हो कि ट्रायल सिर्फ अभियोजन की वजह से लेट हो रहा है। आवेदक के वकील की ओर से यह भी कहा गया कि आवेदक को अवैध रूप से गिरफ्तार किया गया है क्योंकि आवेदक के खिलाफ कोई सीधा सबूत नहीं है।

इसरो के यूट्यूब चैनल पर देख सकते हैं लाइव

यह उपग्रह भारतीय नौसेना के लिए है बहुत खास

समुद्री इलाकों में संचार को मजबूत करेगा यह

समुद्र की आंख... एलवीएम-3 रॉकेट आज होगा लॉन्च

शाम 5:26 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होगी लॉन्चिंग

नई दिल्ली। भारत का प्रसिद्ध लॉन्च व्हीकल एलवीएम-3 रॉकेट 2 नवंबर को अपनी पांचवीं उड़ान भरेगा। यह उड़ान एलवीएम-3-एम5 के नाम से जाना जाएगा। इस उड़ान में भारत का सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-3 अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। यह उपग्रह भारतीय नौसेना के लिए बहुत खास है। यह न केवल समुद्री इलाकों में संचार को मजबूत करेगा, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण अभियानों से सीखे गए सबकों को भी मजबूत करेगा। यह उपग्रह नौसेना को 'समुद्री आंख' देगा। मतलब, समुद्र में हर चाल पर नजर रहेगी। इससे भारत की समुद्री सीमाओं की रक्षा और मजबूत होगी।

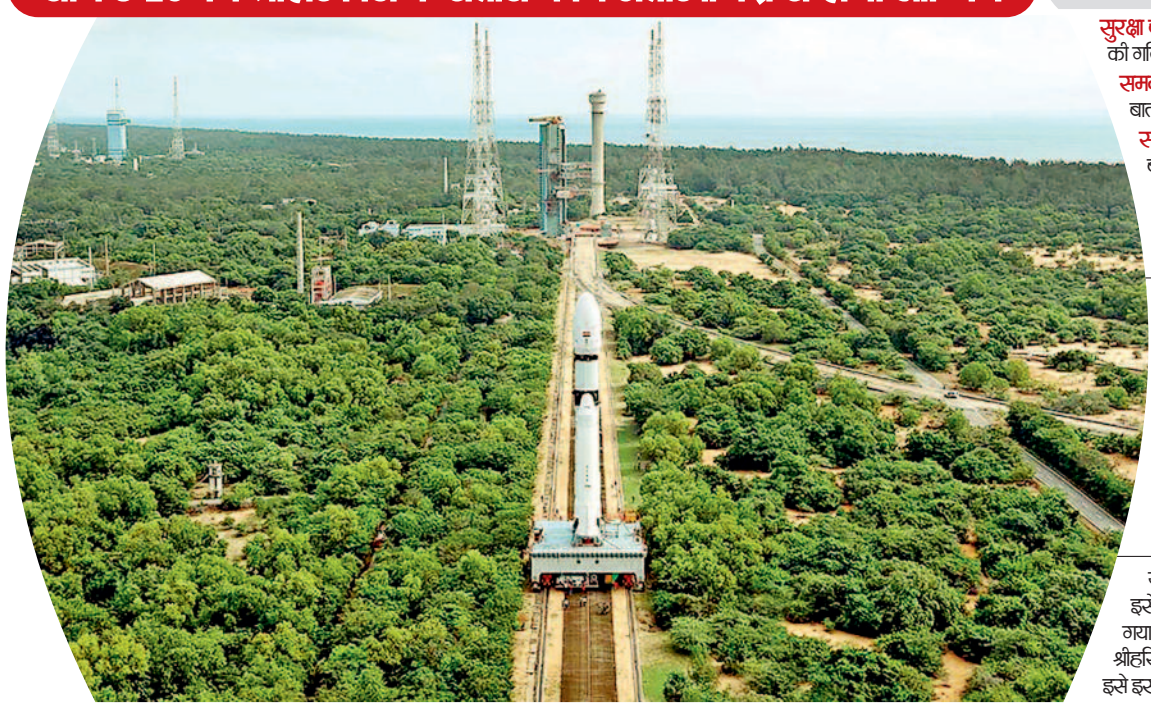

भारतीय नौसेना की बढ़ेगी ताकत

सुरक्षा बढ़ेगी : नौसेना के अधिकारी रीयल-टाइम में दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रख सकेंगे।

समन्वय आसान : अलग-अलग जहाजों के बीच बातचीत तेज होगी, जिससे अभियान सफल होंगे।

समुद्री सुरक्षा : हिंद महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी जैसे इलाकों में निगरानी मजबूत होगी।

इसरो का सबसे ताकतवर लॉन्च व्हीकल

एलवीएम-3 भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो का सबसे ताकतवर लॉन्च व्हीकल है। इसका पूरा नाम लॉन्च व्हीकल मार्क-3 है। यह रॉकेट भारी सामान को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए बनाया गया है। अब तक की चार उड़ानों में इसने शानदार काम किया है। सबसे हाल की उड़ान चंद्रयान-3 की थी, जिसमें भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास पहली बार सफल लैंडिंग करने वाला देश बना। अब एलवीएम-3-एम5 की बारी है।

लॉन्च पैड पर पूरी तरह तैयार

यह रॉकेट पूरी तरह तैयार है। 26 अक्टूबर 2025 को इसे उपग्रह के साथ जोड़कर लॉन्च पैड पर ले जाया गया। अब अंतिम जांच चल रही है। लॉन्च शाम 5:26 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होगा। आप इसे इसरो के यूट्यूब चैनल पर लाइव देख सकते हैं।

खबर संक्षेप

लखनऊ को मिला यूनेस्को का वैश्विक सम्मान

लखनऊ। 'नवाबों का शहर' लखनऊ अब दुनिया के नक्शे पर खानपान की राजधानी बन गया है। यूनेस्को ने वर्ल्ड सिटीज डे के मौके पर लखनऊ को 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' का दर्जा दिया है। यह घोषणा उज़्बेकिस्तान के समरकंद में हुई 43वीं यूनेस्को जनरल कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई। यह सम्मान न सिर्फ अवध की रसोई की खुशबू का, बल्कि लखनऊ की गंगा-जमुनी तहज़ीब और साझा संस्कृति का प्रतीक है। यूपी की राजधानी लखनऊ का यह सम्मान उसकी सदियों पुरानी अवधी खानपान परंपरा और स्थानीय लोगों की जीवंत पाक संस्कृति की मान्यता है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा, 'यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात है। लखनऊ की पाक विरासत ने दुनिया को दिखाया है कि भोजन सिर्फ स्वाद नहीं, बल्कि संस्कृति और एकता का प्रतीक भी है।'

'हिंदी थोप रही है मोदी सरकार : सिद्धारमैया

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को केंद्र पर

कन्नड़ की उपेक्षा करने और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। साथ ही राज्य के लोगों से कन्नड़ विरोधियों का विरोध करने का आह्वान किया। सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर अपने संबोधन के दौरान कहा, 'केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।' कन्नड़ के साथ अन्याय होने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'हिंदी थोपने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। हिंदी और संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिया जा रहा है, जबकि देश की अन्य भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है।

गोपालगंज की चुनावी सभा में गृहमंत्री शाह ने भरी हुंकार

'विधायक चुनने के लिए नहीं बल्कि, बिहार का भविष्य तय करने के लिए है यह चुनाव'

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार के चुनावी समर में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच जमकर जोर आजमाइश चल रही है। दोनों एलायंस के बड़े नेता चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गोपालगंज में वर्चुअली चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए जमकर राजद और कांग्रेस पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा, 'यह चुनाव विधायक चुनने का नहीं है। ये चुनाव बिहार का भविष्य तय करने का है। बिहार किसके हाथ में रहेगा। जिन्होंने सालों तक बिहार में जंगलराज थोपा उसके या नरेंद्र मोदीऔर नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो बिहार का विकास हुआ उसे चुनेगा।' साधु यादव के कारनामे गोपालगंज वालों से ज्यादा किसको मालूम हैं। जंगलराज के दौर में कई नरसंहार हुए, जिनमें बथानी टोला, सोनारी, शंकरबीघा नरसंहार जैसे अलग-अलग 34 नरसंहार हुए थे। जिसने बिहार की धरती को रक्तरंजित किया है।'

राजद के कार्यकाल को बताया जंगलराज, नरसंहार का किया जिक्र

बिहार में 6 व 11 नवंबर को होगी वोटिंग, 14 को मतदान

हमारा घोषणापत्र विकास का ब्लू प्रिंट

शाह ने कहा- 'कल हमने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। बिहार के विकास के ढेर सारे ब्लूप्रिंट की हमने घोषणा की है। लेकिन दो प्रमुख बातें एक किसानों के लिए और एक महिलाओं के लिए मैं दोहराना चाहता हूं। अभी-अभी नीतीश कुमार और मोदी जी ने 1.41 करोड़ 'जीविका दीदी' के खाते में 10,000 रुपया जमा कराया है। वो सभी जीविका दीदी को दो लाख तक की अमाउंट उनके बैंक खाते में अलग अलग तरीके से भेजेंगे। दूसरा, बिहार के 27 लाख किसानों को 6 हजार रुपए प्रति साल देते हैं। अब एनडीए सरकार बनाने के बाद इस 6 हजार में 3 हजार रुपए जोड़कर 9 हजार रुपए देगी।'

'पहले 'बिहारी' कहलाना था अपमान, अब सम्मान'

बिहार चुनाव में प्रचार के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को एक वीडियो संदेश जारी किया और राज्य की जनता से सीधे संवाद किया। उन्होंने 2005 से अब तक के अपने कार्यकाल का उल्लेख किया और दावा किया कि बिहार को उन्होंने पिछड़ेपन और खराब कानून-व्यवस्था से निकालकर विकास के रास्ते पर खड़ा किया है। नीतीश ने कहा, जब उन्होंने सत्ता संभाली, तब राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी। उन्होंने कहा कि शासन की पहली प्राथमिकता इसे ठीक करना थी। हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, जल, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में सुधार किए। अब बिहार की छवि बदल चुकी है। अब बिहारी कहलाना अपमान की नहीं, बल्कि सम्मान की बात है।

'मोदीजी कहते हैं डेढ़ करोड़ नौकरी देंगे तो 20 सालों में क्यों नहीं दीं : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बेगूसराय में चुनाव प्रचार करते हुए लोगों से 'डबल इंजन सरकार' के वादों के झांसे में न आने और बदलाव के लिए मतदान करने की अपील की। प्रियंका ने कहा, ने कहा, देश में निजीकरण चरम पर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी सरकारी कंपनियां अपने कॉर्पोरेट मित्रों को सौंप दी हैं। वे अब कह रहे हैं कि 1.5 करोड़ नौकरियां देंगे तो बीते 20 वर्षों में क्यों नहीं दीं? यह जनता को छलने की कोशिश है।' वायनाड से कांग्रेस सांसद ने ''हमारे संविधान ने आपको सबसे बड़ी चीज दी, आपका मत लेकिन एनडीए सरकार ने आपके इस अधिकार को कमजोर किया है। उन्होंने समाज में विभाजन फैलाया, झूठी राष्ट्रभक्ति फैलाई और वोटर लिस्ट से 65 लाख नाम काट दिए।'

बेरोजगारी, पलायन पर बात नहीं करते मोदी-शाह

प्रियंका गांधी ने कहा कि एनडीए के बड़े नेता जब बिहार आते हैं, तो या तो 20 साल आगे की बात करते हैं या फिर बीते समय में नेहरूजी और इंदिरा जी का जिक्र करते हैं लेकिन वे आपके वर्तमान की बात नहीं करते, न बेरोजगारी की, न पलायन की, न किसानों की समस्या की।

नीतीश केवल चुनावी दूल्हा : अखिलेश

सपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव दरभंगा में सभा को संबोधित कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने नीतीश का नाम लिए बिना कहा कि वे भी जानते हैं कि अब वे मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, वे सिर्फ चुनावी दूल्हा हैं, इसलिए सिर्फ दूसरों को माला पहना रहे हैं। आप लोगों ने देखा होगा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश में जिन्हें लेकर चुनाव लड़ा, उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया, बिहार में भी ऐसा ही होने वाला है।

'भारत ने आतंकवाद पर पाया काबू, 2013 के बाद बड़ा आतंकी हमला नहीं'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एनएसए डोभाल ने किया दावा

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में आतंकवाद पर नियंत्रण कर लिया गया है और देश में आखिरी बड़ी आतंकी घटना जम्मू-कश्मीर के बाहर-2013 में हुई थी। सरदार पटेल स्मारक व्याख्यान में बोलते हुए डोभाल ने कहा कि तथ्य तो तथ्य हैं। उन पर विवाद नहीं किया जा सकता। इस देश में आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया गया है। 1 जुलाई 2005 को आतंकवाद की एक बड़ी घटना हुई थी और 2013 में देश के भीतरी इलाकों में आखिरी घटना हुई। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इसमें जम्मू-कश्मीर शामिल नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में अलग खेल

एनएसए डोभाल ने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर पाकिस्तान के लिए छद्म युद्ध या गुप्त युद्ध का अखाड़ा रहा है। ये एक अलग खेल है। इसके अलावा पूरा देश आतंकवादी हमलों से सुरक्षित रहा है। इसके लिए प्रयास किए गए। लोगों को गिरफ्तार किया गया। विस्फोटक बरामद किए गए।

हमेशा एक्टिव रहे हैं दुश्मन

डोभाल ने आगे कहा कि दुश्मनों की गतिविधियां जारी रहने के बावजूद, अंदरूनी इलाकों में कोई भी आतंकी हमला नहीं हुआ है। 2014 के बाद से वामपंथी उग्रवाद में भी तेजी से कमी आई। दुश्मन बहुत सक्रिय रहे हैं, लेकिन सौभाग्य से अंदरूनी इलाकों में कोई आतंकवादी घटना नहीं हुई है। वामपंथी उग्रवाद 2014 की तुलना में 11 प्रतिशत से भी कम क्षेत्रों में सिमट गया है।

खड़गे के बयान पर आरएसएस का पलटवार

'बैन करने की कोशिशें हैं पुरानी, संघ अडिग रहेगा'

एजेंसी ▶▶| जबलपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने जबलपुर, एमपी में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरएसएस बैन संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह कोई नई बात नहीं है। 'संघ पर पहले भी कई बार रोक लगाने की कोशिशें हुईं, लेकिन हर बार संघ और मज़बूत होकर खड़ा हुआ है।

संघ समाज के लिए कार्य करता है, राजनीति के लिए नहीं. संघ अपने विचारों पर अडिग रहेगा।' बता दें, कांग्रेस अध्यक्ष ने शुक्रवार को आरएसएस को विभाजनकारी करार देते हुए बैन लगाने की मांग की थी। खड़गे का कहना था, देश के पहले गृहमंत्री वल्लभ भाई पटेल ने आरएसएस पर बैन लगाया था फिर से ऐसा ही होना चाहिए।

संघ की भूमिका राजनीति से परे

होसबाले ने कहा कि संघ की भूमिका सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक पुनर्निर्माण की है। हम राजनीति से ऊपर उठकर काम करते हैं। संघ का उद्देश्य समाज को जोड़ना, जागरूक बनाना और राष्ट्र को मजबूत करना है। 'हम चाहते हैं कि बिहार में इस बार मतदान का प्रतिशत बढ़े। हर नागरिक मतदान करे ताकि लोकतंत्र की जड़ें और गहरी हों.' उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य किसी पार्टी का समर्थन करना नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और भागीदारी को बढ़ाना है। अपने संबोधन में होसबाले ने पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राज्य में नफरत और द्वेष का वातावरण देश के हित में नहीं है। बंगाल में हिंसा और अस्थिरता का माहौल बना है। यह राजनीति नहीं, समाज को तोड़ने का प्रयास है।

कीचड़-मलबे में खाना ढूंढ़ रहे लोग ...

जमैका में तूफान के बाद हालात खराब

ब्लैक रिवर। *कैरेबियाई देश जमैका का बंदरगाह शहर ब्लैक रिवर इन दिनों मुखमरी, तबाही और बेबसी की तस्वीर बना हुआ है। इसके पीछे वजह है तीन दिन पहले आया कैटेगरी-5 तूफान मेलिसा. लोग मलबे और टूटी दुकानों में से खाने-पीने की चीजें खोजने को मजबूर हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, लोग कीचड़ में लिपटी चीजें उठा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि करीब 90% मकान नष्ट हो गए हैं। अस्पताल, पुलिस स्टेशन और फायर स्टेशन तक बर्बाद हो चुके हैं। बिजली, पानी और संचार व्यवस्था पूरी तरह ठप हो चुकी है। जमैका सरकार ने पुष्टि की है कि तूफान में 19 लोगों की मौत हुई है।*

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में आए प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर पद्मविभूषण तीजन का पूछा हालचाल

पीएम मोदी : स्वास्थ्य टीम आती है कि नहीं, तीजन की बहू रेणु : महीने भर से नहीं आई, तत्काल घर पहुंचे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय पंडवानी कलाकार पद्मविभूषण तीजन बाई का फोन पर स्वास्थ्य की जानकारी लेकर चौंका दिया। तीजन बाई की बहू रेणु के मोबाइल पर करीब 1.18 मिनट की बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने पूछा कि स्वास्थ्य विभाग की टीम नियमित जांच के लिए आती है कि नहीं।

बहू रेणु ने पीएम को बताया कि एक महीने पहले हुई डॉक्टरों की हड़ताल के बाद नियमित जांच नहीं हो रही। उसके बाद तो प्रशासनिक महकमें में हड़कंप मच गई। रायपुर से जिला कलेक्टर को फोन आया और उसके बाद कलेक्टर ,एडीएम और सीएमएचओ लाव-लश्कर के साथ पंडवानी गायिक तीजन के गांव गनियारी पहुंचे।

सुबह 10.30 कलेक्टर व एसडीएम, सीएमएचओ पहुंचे

कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसडीएम और सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी सुबह 10.30 बजे गनियारी गांव तीजन बाई के घर पहुंचे। उनके स्वास्थ्य के बारे में हालचाल पूछा। डॉक्टरां ने उनके स्वास्थ्य की जांच की। ज्ञात हो कि 30 जून 2023 से पद्मविभूषण तीजनबाई की स्वास्थ्य खराब है। उनके पुत्र की मौत के बाद सदमा से पैरालिसीस अटैक आया था। तब से बिस्तर में ही पड़ी हुई है।

पीएम से बहू रेणु ने बताई ये दिक्कत

पद्मविभूषण तीजन बाई की बहू रेणु ने कहा कि अभी अम्मा की स्वास्थ्य उतना अच्छा नहीं है। खाने-पीना कम हो गया है और खाने पीने में दिक्कत होती है। शरीर पहले से काफी कमजोर हो गया है। मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीम देखने आती है कि नहीं। बहू रेणु ने कहा कि पहले रेगुलर स्वास्थ्य विभाग की टीम आती थी लेकिन अभी संविदा डॉक्टरों की हड़ताल हुई है तब से कोई टीम नहीं आ रही है।

भूल गए पद्मविभूषण तीन को आमंत्रण देना

30 अक्टूबर को तीजन बाई के पीए मनहरण सार्वा ने संस्कृति मंत्रालय में संस्कृति मंत्री तरबेज को फोन किया। सार्वा ने कहा कि राज्योत्सव हो रहा है लेकिन तीजनबाई इतनी बड़ी कलाकार है लेकिन निमंत्रण नहीं मिला है। सबको बुला रहे हो और उन्हे नहीं। यदि तीजन बाई की तबियत खराब है तो उनकी जगह परिवार का प्रतिनिधि जा सकता है। इसी तिथि को संस्कृति मंत्री के पीए ने कहा 4 बजे फोन लगाना मैं पूछताछ कर बताऊंगा। तरबेज जी ने कहा कि आमंत्रण और पास भेज रहे हैं। लेकिन न आमंत्रण आया न पास। राज्योत्सव में एक अक्टूबर को पंडवानी कलाकार भी रायपुर पहुंचे और उन्होने पद्मविभूषण तीजनबाई को आमंत्रण नहीं मिलने का मुद्दा भी उठाया था।

सुबह 9.30 बजे पीएम मोदी का आया फोन

सुबह 9.30 बजे प्रधानमंत्री मोदी के पीए का फोन पद्मविभूषण तीजनबाई की बहू रेणु के मोबाइल फोन पर आया। पीए ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी आपसे बात करना चाहते हैं। उसके बाद फोन पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नमस्ते, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोल रहा हूं। तीजन जी की तबियत कैसी है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं स्वयं आपके गांव गनियारी आना चाहता था। मैं छत्तीसगढ़ के राज्योत्सव में रायपुर आया हूं तो आपकी याद आई। लेकिन कार्यक्रम की व्यस्तता के कारण मैं मोबाइल पर ही कुशलक्षेम पूछ रहा हूं। तीजन जी का स्वास्थ्य कैसा है। ठीक से बात कर पाती है कि नहीं। पंडवानी और कलाकारों के बारे में पूछती है कि नहीं। उन्होने कहा कि यदि कुछ जरूरत पड़ेगी या कोई काम होगा तो निसंकोच हमें बताईए। तीजन बाई जी को मेरा प्रणाम कहना।

विज्ञापन को लेकर हुआ था विवाद

कनाडाई पीएम ने मांगी ट्रंप से माफी

एजेंसी ▶▶| ओटावा

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से माफी मांगी है। इसकी वजह एक विज्ञापन था, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के पुराने भाषण का इस्तेमाल करके टैरिफ के खिलाफ मैसेज दिया गया था। दक्षिण कोरिया के ग्यॉंगजू शहर में पत्रकारों से बात करते हुए कार्नी ने कहा- मैंने राष्ट्रपति से माफी मांगी। वह नाराज हो गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि जब वॉशिंगटन तैयार होगा, तब व्यापारिक बातचीत फिर से शुरू हो जाएगी। यह विज्ञापन कनाडा के ओंटारियो प्रांत की सरकार ने चलाया था। ट्रम्प इसे देखते ही गुस्सा हो गए थे। उन्होंने कनाडाई सामानों पर 10% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की और अमेरिका-कनाडा के बीच व्यापारिक बातचीत रोक दी। अतिरिक्त टैरिफ से अगले 5 साल में कनाडा की जीडीपी में लगभग 1.2% का नुकसान हो सकता है। इस विज्ञापन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें वे टैरिफ को हर एक अमेरिकी के लिए नुकसानदेह बता रहे थे। अमेरिका ने कनाडा पर 35% टैरिफ लगा रखा है। नए ऐलान के बाद यह 45% हो गया। भारत और ब्राजील के बाद यह सबसे ज्यादा टैरिफ है।

शौकीन लोगों को देखने मिलेंगी एक से बढ़कर एक कहानियां

नवंबर में रिलीज होंगी हॉरर से लेकर वॉर तक शानदार फिल्में

मुंबई। हर एक महीने के खत्म होने और नए महीने की शुरुआत के साथ लोगों को इस बात का इंतजार रहता है कि बड़े पर्दे पर उनके लिए क्या रिलीज किया जाने वाला है। अक्टूबर का महीना खत्म होने वाला है और जल्द ही नवंबर दस्तक देगा। इस महीने में फिल्म देखने के शौकीनों को एक से बढ़कर एक सरप्राइज मिलने वाले हैं। नवंबर का महीना अपने साथ एंटरटेनमेंट की बहार लेकर आने वाला है। सिनेमाघर में हिंदी भाषा में कुल मिलाकर 17 फिल्में रिलीज होंगी। इसमें बायोपिक ड्रामा से लेकर हॉरर सब कुछ शामिल है। चलिए जान लेते हैं कि नवंबर में आप सिनेमाघर में क्या-क्या देख सकते हैं।

वृषभ : यह मलयालम भाषा की फिल्म है जिसे हिंदी भाषा में रिलीज किया जाने वाला है। ये फैंटेसी एक्शन ड्रामा नंदा किशोर के डायरेक्शन में बना है। इसे 6 नवंबर को रिलीज किया जाने वाला है।

जटाधारा : एक हॉरर थ्रिलर फिल्म है जिसमें शिल्पा शिरोडकर और सोनाक्षी सिन्हा जिसे कलाकार नजर आने वाले हैं। तेलुगु और हिंदी में इस फिल्म को 7 नवंबर को सिनेमाघर में रिलीज किया जाएगा।

इक्कीस : श्री राम राघवन की यह फिल्म एक बायोपिक ड्रामा है। 7 नवंबर को इसे सिनेमाघर में रिलीज किया जाने वाला है। इस फिल्म में अगस्त्य नंद के साथ धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत नजर आएंगे।

जस्सी वेड्स जस्सी : रणवीर शौर्य अपनी इस शानदार फिल्म के साथ दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के लिए तैयार है। इस कॉमेडी ड्रामा को 7 नवंबर को सिनेमाघर में रिलीज किया जाने वाला है।

2020 दिल्ली : दवेंद्र मालवीय फिल्म 2020 दिल्ली लेकर आ रहे हैं। ये सीएए प्रोटेस्ट के दौरान की कहानी है। इस दौरान जो दंगे हुए और लोगों का जो नुकसान हुआ उसे अप्रैल में 14 नवंबर को दिखाया जाएगा।

120 बहादुर : फरहान अख्तर ने अपनी फिल्म 120 बहादुर को लेकर काफी सुर्खियां बटोरी है। यह एक ऐतिहासिक वॉर पर आधारित कहानी है जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसे 21 नवंबर को सिनेमाघर में रिलीज किया जाने वाला है।

ये फिल्में भी मचाएंगी धूम : इन फिल्मों के अलावा सीसुः रोड टू रिवेंज, मस्ती 4, काल त्रिघोरी, हांटेड 3D: घोस्ट ऑफ़ द पास्ट, गुस्ताख इश्क, जूटोपिया 2, तेरे इश्क में जैसी फिल्में रिलीज की जाने वाली है।

द गर्लफ्रेंड : इस फिल्म में आपको साउथ की मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की शानदार एक्टिंग देखने को मिलेगी। तमिल, तेलुगू, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में इसे 7 नवंबर को देशभर के सिनेमाघर में रिलीज किया जाएगा।

हक : लंबे समय से बड़े-बड़े पजामी गौतम की कोई फिल्म देखने को नहीं मिली है लेकिन अब वह एक बार फिर वापसी करने को तैयार हैं। उन्हें सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म में देखा जाने वाला है। यह भी 7 नवंबर को ही रिलीज होगी।

दे दे प्यार दे 2 : अजय देवगन की फिल्म तो आपने देखी ही होगी अब इसका दूसरा हिस्सा आने वाला है। रकुल प्रीत सिंह के साथ एक बार फिर एक्टर को इस रोमांटिक फिल्म में देखा जाने वाला है। 14 नवंबर को यह सिनेमाघर में रिलीज होगी।

नेटफ्लिक्स पर दिखाई देगी कपूर खानदान की विरासत

मुंबई। बॉलीवुड सिनेमा के सबसे चर्चित परिवारों में शामिल, कपूर खानदान की विरासत अब हर किसी की आंखों के सामने होगी। नेटफ्लिक्स पर 'डाइनिंग विद द कपूर्स' की रिलीज तारीख जारी कर दी गई है। निर्माताओं ने 31 अक्टूबर को आगामी डॉक्यूमेंट्री का पोस्टर जारी किया है, जिसमें रणधीर कपूर, बबीता कपूर, नीतू कपूर, करिश्मा कपूर, करीना कपूर और रणबीर कपूर समेत, परिवार के सभी सदस्यों को देखा जा सकता है। आइए जानते हैं 'डाइनिंग विद द कपूर्स' की रिलीज तारीख। नेटफ्लिक्स ने कपूर खानदान पर बनी डॉक्यूमेंट्री, 'डाइनिंग विद द कपूर्स' की रिलीज तारीख जारी करते हुए लिखा, 'कपूर खानदान का लंच इनवाइट आ गया है, और आप भी आमंत्रित हैं। देखिए डाइनिंग विद द कपूर्स, 21 नवंबर को, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर।' वैसे तो इस पोस्टर में, कपूर खानदान के सभी सदस्यों की तस्वीरें और नाम शामिल हैं, लेकिन आलिया भट्ट का नाम दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रहा है। अब यह राज तो 21 नवंबर को ही खुल सकेगा।

'द गर्लफ्रेंड' का ट्रेलर सोचने पर मजबूर कर देगी

मुंबई। रश्मिका मंदाना पिछले काफी समय से फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म की झलकियों ने पहले ही इसे लेकर उत्साह बढ़ा दिया था, वहीं अब इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 'थामा' की डरावनी दुनिया के बाद अब रश्मिका दिल के जज्बातों, कशमकश और रिश्तों के उतार-चढ़ाव से जुड़ी एक सोचने पर मजबूर कर देने वाली प्रेम कहानी के साथ पर्दे पर लौट आई हैं।

एक उलझी हुई प्रेम कहानी : फिल्म के ट्रेलर में रश्मिका और उनके हीरो दीक्षित शेट्टी के बीच एक उलझी हुई प्रेम कहानी देखने को मिल रही है। यहां रश्मिका का किरदार एक परेशान करने वाले सवाल से जूझता है कि क्या वो वाकई अपने बॉयफ्रेंड से प्यार करती है या सिर्फ उसके होने के ख्याल से प्यार करती है? कहानी इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि कभी-कभार हमें इंसान से नहीं, बल्कि उसके साथ जुड़ी कल्पना या एहसास से मोह हो जाता है।

छा गए रश्मिका और दीक्षित : ट्रेलर की शुरुआत में रश्मिका और दीक्षित एक-दूसरे के प्यार में डूबे हुए नजर आते हैं। दोनों के बीच खुशियों भरे पल दिखाए गए हैं, लेकिन थोड़ी देर बाद माहौल बदल जाता है। उनके बीच आपसी मतभेद बढ़ जाते हैं। ट्रेलर के अंत में रश्मिका का किरदार खुद से ये सवाल पूछता है कि क्या ये रिश्ता सच में सही है या वो सिर्फ 'गर्लफ्रेंड' कहलाने के लिए इस रिश्ते में है? रश्मिका और दीक्षित दोनों का अभिनय काबिल-ए-तारीफ है।

लोगों ने ट्रेलर को दी हरी झंडी : 'द गर्लफ्रेंड' में दिखाया जाएगा कि हर प्रेम कहानी परियों की कहानी जैसी नहीं होती। कुछ रिश्ते हकीकत में उतने आसान नहीं होते, जितने फिल्मों में दिखाए जाते हैं। उनमें दर्द, गलतफहमियां या दूरी भी हो सकती है। जिंदगी हमेशा फिल्मी नहीं होती, बल्कि सच्चाई कभी-कभार बहुत कड़वी भी होती है। ट्रेलर को लोगों ने सुपरहिट बताया है और खासतौर से रश्मिका की खूब तारीफ हो रही है।

31वें केआईएफएफ में 39 देशों की 215 फिल्मों का होगा प्रदर्शन

कोलकाता। कोलकाता एक बार फिर सिनेमा के रंगों में रंगने को तैयार है। कला, संस्कृति और भावनाओं की राजधानी कहलाने वाला यह शहर 6 नवंबर से 31वें कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2025) का गवाह बनेगा। आठ दिनों तक चलने वाले इस सिनेमाई उत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी धनधान्य स्टेडियम में करेंगी। हर साल की तरह इस बार भी आयोजन भव्य होगा, जिसमें भारतीय सिनेमा के साथ दुनिया भर की उत्कृष्ट फिल्मों की झलक देखने को मिलेगी। महोत्सव में इस वर्ष कुल 39 देशों की 215 फिल्मों का प्रदर्शन होगा, जिनमें 185 फीचर फिल्में और 30 लघु फिल्में शामिल हैं।

इस फिल्म से होगी शुरूआत : इसकी शुरूआत 1961 की क्लासिक 'सप्तपदी' से होगी, जिसका निर्देशन अजय कर ने किया था और जिसमें महान अभिनेता उत्तम कुमार व अभिनेत्री सुचित्रा सेन ने अभिनय किया था। अभिनेता परमब्रत चटर्जी और अभिनेत्री व सांसद जून मालिया इस बार मेजबान की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की पत्नी और प्रसिद्ध नृत्यांगना डोना गंगोपाध्याय अपनी विशेष नृत्य प्रस्तुति देंगी।

18 भारतीय व 30 विदेशी भाषाओं की फिल्में: फिल्म महोत्सव में इस बार 18 भारतीय भाषाओं और 30 विदेशी भाषाओं की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें कोंकणी, बोरो, तुलु और संथाली जैसी भाषाएं भी शामिल हैं, जिन्हें आमतौर पर बड़े प्लेटफॉर्म पर कम देखा जाता है।

प्रतियोगिताएं होंगी आयोजित : इस बार महोत्सव में विभिन्न श्रेणियों की फिल्म प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी और सिने अड्डा का भी आयोजन होगा, जिसे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस साल नया नाम दिया है "गाने गाने सिनेमा"। इसमें निर्देशक, अभिनेता और तकनीशियन एक मंच पर बैठकर सिनेमा के भविष्य, बदलाव और रचनात्मक दृष्टिकोण पर चर्चा करेंगे। इस वर्ष का फिल्म महोत्सव कई दिग्गज कलाकारों और फिल्मकारों को श्रद्धांजलि देने का माध्यम भी बनेगा।

'शोले' की 50वीं वर्षगांठ

महान निर्देशक ऋत्विक घटक, अभिनेता गुरुदत्त, संतोष दत्त, फिल्मकार राज खोसला, संगीतकार सलिल चौधरी और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अभिनेता रिचर्ड बर्टन की शताब्दी मनाई जाएगी। वहीं, भारतीय सिनेमा के स्तंभ निर्माता-निर्देशक श्याम बेनेगल, अमेरिकी फिल्मकार डेविड लिंच, अरुण राय, राजा मित्रा और शशि आनंद को विशेष सम्मान से नवाजा जाएगा। वहीं, रमेश सिप्पी की कालजयी फिल्म 'शोले' की 50वीं वर्षगांठ का जश्न मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें फिल्म से जुड़ी दुर्लभ झलकियां और किस्से पेश किए जाएंगे।

15 समकालीन फिल्मों का पहला प्रदर्शन

फिल्म महोत्सव में 15 समकालीन विदेशी फिल्मों का पहला प्रदर्शन होगा। इसी के साथ निर्देशक ऋत्विक घटक की कृतियों को समर्पित एक विशेष श्रृंखला भी रखी गई है। इसमें 'अयांत्रिक', 'मेघे ढाका तारा', 'बारी ते पालये', 'कोमल गांधार' और 'तितास एकटी नदीर नाम' जैसी कालजयी फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। कोलकाता फिल्म महोत्सव के तहत शहर के 20 स्थलों पर फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी। नंदन वन-दू, स्टार थिएटर, अजंता और मेनका हॉल जैसे प्रतिष्ठित सिनेमाघरों में दर्शकों को अलग-अलग भाषाओं में देख सकेंगे।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
Punjab & Sind Bank
(A Govt. of India Undertaking)
जहाँ सेवा ही जीवन- ध्येय है
अंचल: द्वितीय तल, सीआई स्क्वायर के पास, नयापुरा, कोलार रोड,
अकबरपुर, मेन कोलार रोड, भोपाल -462042 फोन : 0755-4249988, 4243700, 4203836
पंजाब एण्ड सिंध बैंक निम्नलिखित स्थान पर शाखा हेतु कमर्शियल परिसर जो भूतल पर स्थित हो लीज आधार पर कम से कम 15 वर्ष हेतु आवेदन आमंत्रित करता है :-

स्थान	कारपेट क्षेत्रफल
जगदलपुर जिला-बस्तर	1000-1200 वर्गफिट
खैरागढ़, जिला- गंडई	1000-1200 वर्गफिट
नया रायपुर, जिला-रायपुर	1000-1200 वर्गफिट

विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाइट https://punjabandsind.bank.in/module/tender-list देखें।
आंचलिक प्रबंधक, भोपाल

'महाकाली' बनकर फिल्म में दिखाएंगी रौद्र रूप...

मुंबई। मशहूर फिल्म निर्देशक प्रशांत वर्मा ने 'हनुमान' और 'मिराई' जैसी बेहतरीन फिल्मों से अभिनेता तेजा सज्जा को, सुपरहीरों के रूप में पेश किया था। अब वह अपनी अगली महिला सुपरहीरो फिल्म 'महाकाली' को लेकर चर्चा में हैं। यह एक माइथोलॉजिकल फिल्म है, जिसमें मुख्य किरदार भूमि शेट्टी निभा रही हैं। निर्माताओं ने शुक्राचार्य के रूप में अक्षय खन्ना की झलक दिखाने के बाद, नायिका भूमि के चेहरे से पर्दा उठा दिया है। 'महाकाली' से चर्चा बटोर रहीं भूमि का असली नाम, भूमिका शेट्टी है, जो

कर्नाटक के करावली में स्थित कुंडापुरा की रहने वाली हैं। वह पेशे से अभिनेत्री हैं, जिन्हें तेलुगु सीरीज 'निन्ने पेल्लादथा' और कन्नड़ सीरीज 'किन्नारी' में देखा गया है। साल 2021 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म 'इक्कत' से सिनेमा में कदम रखा था। आखिरी बार उन्हें विजय देवरकोंडा की फिल्म 'किंगडम' में देखा गया है। भूमि 'बिग बॉस कन्नड़' की प्रतियोगी भी रह चुकी हैं। निर्देशक प्रशांत ने 'महाकाली' के बारे में अपडेट देते हुए बताया है कि इसकी कहानी बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में की जा रही है।

'रोई रोई बिनाले' ने रिलीज होते ही तोड़ा रिकॉर्ड

मुंबई। जुबीन गर्ग का पिछले महीने 19 सितंबर को सिंगापुर में तैराकी के दौरान निधन हो गया था। इस हादसे के करीब एक महीने बाद गायक की आखिरी फिल्म 'रोई रोई बिनाले' सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। उनके चाहने वालों के लिए यह बेहद भावुक कर देने वाला क्षण है। लोग नम आंखों से फिल्म देखते हुए जुबीन को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। 'रोई रोई बिनाले' भारत के 46 शहरों में एक साथ रिलीज हुई है, जिसे 800 स्क्रीन मिली है। जुबीन की फिल्म 'रोई रोई बिनाले' को असम के करीब 80 सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। दिलचस्प बात ये है कि राज्य में पहली बार सुबह 4:25 बजे फिल्म का शो रखा गया है। यह अपने आप में रिकॉर्ड है। जगीरोड का गणेश टॉकीज और नलबाड़ी के तिहू का गांधी भवन, कई साल से बंद पड़े यह कुछ ऐसे सिनेमा हैं। जिन्हें जुबीन की फिल्म के लिए खोला गया है। बता दें कि जुबीन अपनी फिल्म 'रोई रोई बिनाले' को बनाने की तैयारी 19 साल से कर रहे थे।

सत्यमेव जयते

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग
वर्ष 2025-26 के लिए
एससी छात्रों हेतु मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत उच्चतर शैक्षिक अध्ययन हेतु
अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों का छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने की घोषणा करता है।

पात्रता
- माता-पिता / अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए
- मान्यता प्राप्त संस्थानों/ विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों / विद्यालयों में पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्र

कार्य क्षेत्र
- कक्षा 11 एवं उसके बाद वाले सभी मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम
- लाभार्थियों का चयन राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाएगा
- सबसे गरीब परिवारों के आवेदको को प्राथमिकता

छात्रवृत्ति
- पूर्ण अप्रतिदेय शुल्क (ट्यूशन शुल्क सहित)
- प्रतिवर्ष 2500/- रुपए से लेकर 13500/- रूपए का अकादमिक भत्ता
- दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10% अतिरिक्त भत्ता

- छात्र के पास वैध मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण-पत्र, पिछले वर्ष की मार्कशीट तथा जाति प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

- योजना के दिशा-निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध हैं।

https://socialjustice.gov.in/schemes/25

योजना के दिशा-निर्देशों के लिए QR कोड स्कैन करें

CBC-38101/11/0026/2526

टीवी मसाला

सलमान खान के 'बिग बॉस 19' में नई नागिन का होगा दीदार

मुंबई। एकता कपूर के सुपरनैचुरल टीवी शो 'नागिन 7' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हर कोई जानना चाहता है कि नागमणि की रक्षा की जिम्मेदारी इस बार किस अभिनेत्री को सौंपी गई है। बरहाल, यह इंतजार अब खत्म होने वाला है। निर्माताओं ने 'नागिन 7' का नया प्रोमो जारी करते हुए बताया है, कि वह कब और कहां नई नागिन के दर्शन कराएंगे। निर्माताओं ने इस खुलासे के लिए सलमान खान के शो 'बिग बॉस 19' को चुना है।

निर्माताओं ने 'नागिन 7' का प्रोमो किया जारी

'नागिन 7' के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर नया प्रोमो वीडियो जारी किया है। इसके साथ कैप्शन दिया, 'खत्म होने वाला है इंतजार, नागिन की पहली झलक देखने हो जाइए तैयार! देखिये नागिन की पहली झलक, बिग बॉस 19 में, 2 नवंबर को रात 9 बजे जियो हॉटस्टार पर और रात 10:30 बजे रंग बराबर।' काफी समय से चर्चा है कि 'उडारियां' अभिनीत अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी, 'नागिन 7' में मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाएंगी। इसका खुलासा जल्द हो जाएगा।

प्रियंका सिर्फ अपने बारे में सोचती हैं...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने दुनियाभर में शोहरत और कामयाबी हासिल की है। अपनी निजी और कामकाजी जिंदगी को लेकर वह हमेशा चर्चाओं में रहती हैं। इस बार वजह कुछ अलग है, क्योंकि प्रियंका के बारे में एक अभिनेत्री ने कुछ ऐसा कह दिया है जिससे पूरे सिनेमा जगत में हलचल मच गई है। ये कोई और नहीं, बल्कि भारतीय मूल की हॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता केसवानी हैं। मुंबई में जन्मीं श्वेता अभिनेत्री होने के अलावा, मॉडल और डांसर हैं, जिन्होंने दुनियाभर में पहचान हासिल की है। उन्हें भारतीय टीवी शो 'बा बहू और बेबी' में देखा गया था। इसके अलावा, श्वेता 'किस देश में निकला होगा चांद', 'कहानी घर घर की' जैसे शो का हिस्सा रही हैं। करीब एक दशक से अभिनेत्री अमेरिका में रह रही हैं और वहीं काम कर रही हैं। उन्हें 'न्यू एम्सटर्डम', 'द ब्लैकलिस्ट' और 'रोअर' जैसी इंटरनेशनल सीरीज में देखा गया है।

प्रियंका पर लगाए ये आरोप

एक बातचीत में श्वेता ने प्रियंका पर हमला बोलते हुए कहा, प्रियंका ने जो हासिल किया, वो अविश्वसनीय है, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन वो मिंडी कालिंग जैसी नहीं हैं। वह दूसरे दक्षिण एशियाई लोगों की मदद नहीं कर रही हैं। वह सिर्फ अपनी मदद कर रही हैं।उन्होंने कहा, सच कहूं तो वह पूरी तरह से अपने बारे में सोचती हैं। मिंडी सिर्फ खुद के लिए काम नहीं करतीं, वो दूसरों को भी आगे ला रही हैं।

आखिरकार दस माह से निरंतर जारी कटुता से परिपूर्ण व्यापारिक और कूटनीतिक कशमकश के पश्चात अमेरिका और चीन एक व्यापारिक समझौते पर पहुंच ही गए हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है। अमेरिका अब चीन में निर्मित वस्तुओं से टैरिफ को घटा दिया है। अब अमेरिका द्वारा फेंटानिल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इस समझौते के मुताबिक चीन अब अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन का आयात करने के लिए भी तैयार हो गया है। चीन के साथ रेयर मिनरल सप्लाई के व्यापार मुद्दे को भी सुलझा लिया गया है। विश्व में अमेरिका एवं चीन क्रमशः प्रथम व द्वितीय शक्तिशाली देश हैं। संभवतः यह एक अद्वितीय कूटनीति है, जो या तो सार्वजनिक स्तर पर अब तक समझी नहीं जा सकी है अथवा चीन, भारत व रूस के कर्ताधर्ता इसे भलीभांति समझकर समय-समय पर विभिन्न स्वरूपों में उत्पन्न होने वाली अपनी-अपनी कूटनीतिक भूमिकाएं निभा रहे हैं। अब इंतजार भारत और अमेरिका के बीच होने वाले व्यापार समझौते का है। ये कैसा होगा इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अमेरिका-चीन का ट्रेड सीजफायर

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

विगत दस महीनों से व्यापारिक प्रतिशोध की भावना से ओतप्रोत होकर चीन और अमेरिका एक-दूसरे पर एक से बढ़कर एक टैरिफ आयाद करते चले गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीन राष्ट्रपति चिनफिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है। ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका अब चीन में निर्मित उन वस्तुओं पर आयद किए गए टैरिफ को घटा देगा, जिन्हे अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध के दौरान किया गया था। ताकतवर देशों की अंतहीन लालची हवस ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

प्रेसिडेंट ट्रंप के दूसरी दफा अमेरिकन राष्ट्रपति पद पर आसीन हो जाने के तत्पश्चात, फरवरी 2025 से अमेरिका और चीन के मध्य टैरिफ के विकराल सवाल पर संघर्षपूर्ण कूटनीतिक और व्यापारिक तनाव देखा गया है। विगत दस महीनों से व्यापारिक प्रतिशोध की भावना से ओतप्रोत होकर चीन और अमेरिका एक-दूसरे पर एक से बढ़कर एक टैरिफ आयाद करते चले गए। महत्वपूर्ण खनिज संपदा, जिनको रेयर मिनरल भी कहा जाता है, सेमीकंडक्टर्स, जिन्हें आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग की रीढ़ करार दिया जाता है, सोयाबीन आदि अनेक वस्तुओं के आयात-निर्यात के जटिल प्रश्नों पर अमेरिका और चीन के मध्य जबरदस्त व्यापारिक और कूटनीतिक तनाव का निरंतर दीदार होता रहा। आखिरकार विगत दस माह से निरंतर जारी कटुता से परिपूर्ण व्यापारिक और कूटनीतिक कशमकश के पश्चात अमेरिका और चीन एक व्यापारिक समझौते तक आखिरकार पहुंच ही गए हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप और चीन राष्ट्रपति जिनपिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है।

डोनाल्ड ट्रंप का यू-टर्न

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका अब चीन में निर्मित उन वस्तुओं पर आयद किए गए टैरिफ को घटा देगा, जिन्हे अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध के दौरान आयद किया गया था। अब अमेरिका द्वारा फेंटानिल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी फरमाया है कि व्यापारिक समझौते के मुताबिक चीन अब अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन का आयात करने के लिए भी तैयार हो गया है। चीन के साथ रेयर मिनरल सप्लाई के व्यापार मुद्दे को भी सुलझा लिया गया है। गौरतलब है कि मनमाने तौर पर टैरिफ आयाद करने में प्रेसिडेंट ट्रंप ने दोस्त और दुश्मन दोनों तरह के मुल्कों को कदाचित नहीं बख्शा। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अपने पहले कार्यकाल में भी चीन के विरुद्ध ट्रेड वार का आगाज अंजाम दिया गया था। डोनाल्ड ट्रंप का नजरिया रहा कि चीन अनुचित तौर पर व्यापारिक नीतियां अख्तियार करता है। फरवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के ऊपर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ आयाद करने का ऐलान किया था। इसके प्रतिउत्तर में चीन ने अमेरिका के विरुद्ध 20 प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया था। अमेरिका के लिबरेशन डे ऐतिहासिक अवसर पर डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 34 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बाकायदा धमकी दी थी।

टैरिफ से सप्लाई चेन टूटी

चीन और अमेरिका के मध्य जारी टैरिफ युद्ध के कारण मैन्युफैक्चरर्स और ट्रेडर्स दोनों ही विकट संकट में आ गये। चीन के गोदामों में मैन्युफैक्चर्ड माल का विशाल अंबार लग गया। अमेरिकन कम्पनियां बेहद हताश निराश होकर घबरा उठीं। जटिल प्रश्न उठा खड़ा हुआ कि आखिरकार मैन्युफैक्चरर्स और ट्रेडर्स रातों-रात अपने निर्मित माल की सप्लाई चेन बरकरार रखने के लिए एकदम नया विकल्प किस तरह से ढूंढ निकाल सकते हैं। प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा प्रारंभ किए गए वैश्विक टैरिफ युद्ध के दौरान ही अमेरिकन प्रशासन द्वारा ट्रांसशिपमेंट पर भी प्रबल निशाना साधा गया, ताक चीन में निर्मित सामान को वियतनाम, कंबोडिया, लाओस आदि साम्यवादी देशों के माध्यम से अमेरिका को कदाचित भेजा नहीं जा सके। अमेरिका द्वारा प्रारंभ किए गए टैरिफ युद्ध के दौरान चीन एक कदम भी पीछे नहीं हटा।

एग्रीकल्चर प्रोडक्ट पर निशाना

चीन द्वारा अमेरिका के एग्रीकल्चर सेक्टर को प्रबल निशाना बनाया गया। सोयाबीन जैसे एग्रीकल्चर प्रोडक्ट पर अत्यधिक टैरिफ आयद कर दिया गया। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल और वालमार्ट आदि अमेरिकन कंपनियों को चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से पृथक करने की जबरदस्त कोशिशें अंजाम दी, किंतु बड़ी अमेरिकन कंपनियों को अनेक रियायतें प्रदान कर देने के कारण, डोनाल्ड ट्रंप की चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का बायकॉट करने की पॉलिसी बेहद कमजोर होकर नाकाम सिद्ध हो गई। कूटनीतिक तौर पर चीन द्वारा अनेक दफा दोहराया गया कि वह अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तत्पर है। किंतु प्रबल आत्मविश्वास से परिपूर्ण चीन हुकूमत ने बाकायदा ऐलान किया कि टैरिफ युद्ध में चीन एक कदम भी पीछे नहीं हटेगा। चीन द्वारा रेयर मिनरल्स का निर्यात अमेरिका को तत्काल रोक देने की उद्घोषणा ने अमेरिका को हतप्रभ करके रख दिया। उल्लेखनीय है कि चीन के रेयर मिनरल्स पर अमेरिकन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की निर्भरता सर्वाधिक बनी रही है। उल्लेखनीय है कि चीन में ही 70 प्रतिशत रेयर मिनरल्स का उत्पादन किया जाता है। चीन द्वारा अमेरिका को सप्लाई किए जाने वाले रेयर मिनरल्स की उपयोगिता स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिकतम उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

कोल्ड वॉर का नया दौर शुरू

चीन के इस कठोर कदम के बाद अमेरिका द्वारा ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और जापान आदि देशों के साथ अनेक समझौते अंजाम दिए गए हैं, ताकि चीन के अतिरिक्त भी अनेक देशों के मिनरल स्रोतों से अमेरिका के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को रेयर मिनरल्स निरंतर हासिल होते रह सकें। वैश्विक कूटनीति के अनेक प्रमुख जानकारों का विचार है कि अमेरिका और चीन दो मुख्तलिफ ध्रुवों पर खड़े हुए बुनियादी तौर पर धुर विरोधी चरित्रों के मुल्क हैं। विश्व पटल पर अघोषित तौर पर कोल्ड वॉर का दौर एक दफा फिर से शुरू हो चुका है। अघोषित कोल्ड वॉर में एक तरफ रूस, चीन, ईरान, उत्तरी कोरिया, वेनेजुएला, क्यूबा, दक्षिण अफ्रीका आदि अनेक देश हैं। दूसरी तरफ अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन के यूरोपीय राष्ट्र हैं।

अतः अमेरिका और चीन के मध्य कोई भी समझौता स्थाई आकार कदाचित ले ही नहीं सकता। यह वस्तुतः एक अस्थाई संतुलनकारी व्यापारिक समझौता है। दोनों देश पहले से ही अगले व्यापारिक युद्ध की तैयारी में बाकायदा जुटे हुए हैं। विश्व पटल पर नव साम्रज्यवाद निरंतर जीवित बना रहा है। यह भी एक कटु सत्य है कि विश्व पटल पर अनेक बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कायम हैं, जिनमें भारत की अर्थव्यवस्था भी शामिल हैं। प्रायः सभी देशों की अर्थव्यवस्थाएं परस्पर व्यापारिक टकरावों से थक चुकी हैं। अतः सारी दुनिया को लूट लेने की विनाशकारी हवस भी कायम बनी रही है। ताकतवर देशों की अंतहीन लालची हवस ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। यदि तीसरा विश्व युद्ध घटित हुआ तो ना विजयी होने वाला देश बचेगा ना पराजित होने वाला देश बचेगा।

शांति की दस्तक या नए शीतयुद्ध की शुरुआत

ट्रंप-शी मुलाकात

प्रो. आरके जैन
स्वतंत्र पत्रकार

वैश्विक मंच पर दो महाशक्तियों, अमेरिका और चीन, के बीच तनाव की गूंज अब हर अर्थव्यवस्था, हर बाजार और हर कूटनीतिक गलियारे तक पहुंच चुकी है। यह तनाव कोई साधारण विवाद नहीं, बल्कि एक ऐसी रणनीतिक जंग है, जो वैश्विक व्यापार, तकनीक और भू-राजनीति की धुरी को हिला सकती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एशियाई यात्रा, जो 26 अक्टूबर को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर से शुरू हुई, केवल एक औपचारिक दौरा नहीं है। यह एक शतरंज की बिसात है, जहां टैरिफ की धमकियां, दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के प्रतिबंध और ताइवान जैसे संवेदनशील मुद्दे चालों का हिस्सा हैं। इस यात्रा का चरम बिंदु है ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंगकी छह साल बाद पहली आमने-सामने मुलाकात, जो 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान हुई। यह मुलाकात न केवल अमेरिका-चीन संबंधों को नया आकार देगी, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, शेयर बाजारों और भू-राजनीतिक संतुलन को भी प्रभावित करेगी। सवाल हर किसी के मन में है-क्या यह मुलाकात ट्रेड वॉर की आग को ठंडा करेगी, या इसे और भड़काएगी? ट्रंप का यह पांच दिवसीय मिशन आसियान शिखर सम्मेलन से शुरू होकर जापान और दक्षिण कोरिया तक फैला है। ट्रंप का का लक्ष्य नए व्यापार समझौते करना है, ऐसे समझौते जो अमेरिकी कंपनियों को एशियाई बाजारों में गहरी पैठ दें और टैरिफ से राजस्व की धारा को मजबूत करें। कुआलालंपुर में ट्रंप ने आसियान नेताओं के साथ वार्ता शुरू की, जहां उन्होंने क्षेत्रीय व्यापार साझेदारी को बढ़ाने का वादा किया। लेकिन सबकी नजरें जापान पर टिकी हैं, जहां वे नई प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची से मिलकर अमेरिकी उद्योगों विशेषकर ऑटोमोबाइल और प्रौद्योगिकी में निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल करने की कोशिश करेंगे। जापान, जो ट्रंप के पहले कार्यकाल में व्यापार घाटे के दबाव में रहा, अब सतर्क कदम उठा रहा है। दक्षिण कोरिया में, जहां 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक एपेक सम्मेलन होगा, ट्रंप का एजेंडा और भी महत्वाकांक्षी है। वे कोरियाई नेताओं के साथ ऑटोमोबाइल पर 25% टैरिफ में राहत जैसे द्विपक्षीय समझौते पक्के करने की कोशिश करेंगे, साथ ही शी चिनफिंग के साथ एक 'लंबी और महत्वपूर्ण' बैठक एजेंडे में हैं। इस यात्रा का असली दांव अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर है, जो 2018 से सुलग रहा है और ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में फिर लपटें उठा रहा है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब टैरिफ की लड़ाई से आगे बढ़कर तकनीकी और रणनीतिक वर्चस्व की जंग में उलझी हैं। ट्रंप ने हाल ही में चीनी सामानों पर 100% तक टैरिफ की धमकी दी थी, जिसके जवाब में चीन ने दुर्लभ पृथ्वी खनिजों (रेयर अर्थ) जैसे नियोडिमियम और डिस्प्रोसियम पर निर्यात प्रतिबंध कड़े कर दिए। ये खनिज सेमीकंडक्टर, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन और हथियार प्रणालियों के लिए अपरिहार्य हैं, और अमेरिका इनका 80% से ज्यादा चीन से आयात करता है। विशेषज्ञ इसे शी का 'पावर प्ले' मानते हैं, जो वार्ता की मेज पर उनकी स्थिति को मजबूत करता है। लेकिन इस मुलाकात में उद्देश्य आधे रास्ते तय कर चुके हैं। ट्रंप के प्राथमिक लक्ष्य हैं, रेयर अर्थ निर्यात पर राहत, फेंटेनिल तस्करी पर चीनी कार्रवाई और अमेरिकी सोयाबीन खरीद की बहाली, जो मिडवेस्ट के किसानों के लिए संजीवनी है। 2018-19 के ट्रेड वॉर में अमेरिकी किसानों को 28 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था, और अब चीन की सोयाबीन खरीद रोकने की रणनीति ट्रंप के ग्रामीण वोट बैंक को सीधे निशाना बना रही है। ट्रंप इसे 'फैंटास्टिक डील' बनाने की बात कहते हैं, जिसमें चरण एक समझौते का पालन, टैरिफ में स्थिरता और अमेरिकी फर्मों को चीनी बाजार में ज्यादा पहुंच शामिल है। शी चिनफिंग की रणनीति गहरी और धैर्यपूर्ण है। ट्रंप के पहले कार्यकाल से सबक लेते हुए, वे टैरिफ के झटके सहने को तैयार हैं। इसका कारण यह है कि अमेरिका अब चीन के निर्यात बाजार का सिर्फ चौथा हिस्सा है, और सोयाबीन जैसे संसाधनों के लिए चीन ने ब्राजील जैसे विकल्प तलाश लिए हैं। लेकिन शी घरेलू चुनौतियों से जूझ रहे हैं, 17% से ज्यादा युवा बेरोजगारी, एवरग्रैंड जैसे रियल एस्टेट संकट, और 100 ट्रिलियन युआन का स्थानीय सरकारी कर्ज, जो चीन की 5% विकास दर को धीमा कर रहे हैं। दोनों की यह मुलाकात शांति का क्षण लाएगी, या तनाव का नया अध्याय खोलेगी? यह सवाल न केवल वाशिंगटन और बीजिंग, बल्कि टोक्यो, सियोल और वैश्विक कॉरपोरेट बोर्डरूम्स में गूंज रहा है।

इस यात्रा का असली दांव अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर है, जो 2018 से सुलग रहा है। दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब टैरिफ की लड़ाई से आगे बढ़कर तकनीकी और रणनीतिक वर्चस्व की जंग में उलझी हैं।

छत्तीसगढ़ के 25 साल कुछ सपने पूरे, कुछ बाकी

छत्तीसगढ़ राज्य को जन्मे पच्चीस वर्ष हुए। आनंद एवं आयोजन का दिन है, उसी तरह जैसे जन्मे बालक या बालिका के युवा अवस्था के प्राप्त कर लेने पर। वह युवा या युवती जो शारीरिक रूप से विकास को प्राप्त है। आकर्षक है और जिसने लगभग एक आवश्यक स्तर की शिक्षा भी प्राप्त कर ली है, लेकिन जिसकी जीवन यात्रा जिम्मेदारियों से भरी अब इसके बाद प्रारंभ होती है। इसके बाहु में बल है, ललाट में तेजस्व है, आंखों में सपने हैं मगर उसे बुद्धि और समझ की भी आवश्यकता है। इसी तरह हमारा राज्य युवा अवस्था को प्राप्त हो गया है। इसका शारीरिक विकास तो होता दिखा है लेकिन बहुत और की जरूरत है।

रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव

इसकी यात्रा में अभी प्रथम चरण इसने पूरा किया है। यह इसकी यात्रा का आरंभ है, अंत नहीं। कुछ सपने पूरे हुए हैं, कुछ होने की राह में हैं और कुछ को पूरा होने में समय लगेगा। अगर मनोइच्छा है तो जरूर होंगे। मगर यह सपना आम आदमी को देखना होना होगा और उसे ही पूरा करना होगा। राजनैतिक एवं प्रशासनिक तंत्र तो केवल साधन मात्र हैं। उन पर निर्भरता आवश्यकता से अधिक व्यर्थ है एवं अनुचित भी। अगर हम चाहते हैं कि हमारे घर के साथ साथ, घर का बाहर एवं आसपास साफ़-सुथरा हो तो यह जिम्मेदारी हमें स्वयं लेनी होगी। बहरहाल, जब पच्चीस वर्ष का युवा बड़ा सफर आरंभ करने के पूर्व एक चौराहे पर खड़ा होता है तो उसे एक समावलोकन और आत्मचिंतन अवश्य करना चाहिए क्या हासिल किया और क्या करना है? मैं मानता हूं, मेरी तरह बहुत से लोग इस अवसर पर बहुत कुछ सोचते होंगे। ऐसा ही नहीं बल्कि और अच्छा भी सोचते होंगे। सोचने के अलावा चलिए आसपास देखें भी। एक हिस्से में सड़कें चौड़ी हो गई हैं मगर यातायात सुरक्षित नहीं है, नई ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो गईं हैं, मगर घर नहीं है। जगमगाहट है, चकाचौंध है, बिजली की लेकिन दिव्य रौशनी नहीं है। एक वर्ग समृद्ध हुआ है। धनवान और अधिक धनवान हुआ है साथ बलवान भी हुआ है; प्रभावशाली है, शक्ति का केंद्र है, मगर बड़ी संख्या में अभागे लोग, अभी भी न्यूनतम जीवन स्तर को जीने के लिए सूनी आंखों से टकटकी लगाए बैठे हैं। उनकी आशा, निराशा में बदल रही है। बड़े-बड़े बाजार, शॉपिंग माल में महंगे ब्रांड के माल बिक रहे हैं वहीं छोटे-छोटे बाजार जहां ताजा फल सब्जियां मिलती हैं, उजड़ रहे हैं। कहीं एक वर्ग के लोग बड़े भोग विलास के साथ भोजन करते हैं और मजे की बात है, जो खाते हैं उससे अच्छा अपने पालतू श्वान को खिला देते हैं या बचा हुआ कूड़े में फेक देते हैं। बहुत से लोग कहीं-कहीं हफ़्ते में लगने वाले हाट में नून चाउर ख़रीदकर गुजारा करने की कोशिश करते हैं। ऐसी दशा को मैं विकास नहीं मानता। इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण पैराडॉक्स मानता हूं। ऐसा दृश्य मुझे वैसा ही लगता है जैसे अमीर पिता के धन का दोहनकर अक्सर उनके सपूत कपूत धन प्रदर्शन करते हुए शहरों एवं आसपास उछल कूद करते दिखते हैं। छत्तीसगढ़ में अपार नैसर्गिक प्राकृतिक धन संपदा है, कुछ लोग इसका दोहन अपनी धन संपदा के लिए करने में सफल हैं। वो लोग विकास का चेहरा नहीं हो सकते।

मैं मानता हूं राज्य के अंदर अधोसंरचना के विकास के अलावा, आम नागरिक का व्यक्तिगत बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास आवश्यक है। समग्र रूप से हर व्यक्ति का जीवन स्तर विकसित होना चाहिए। गरीबी मुखमरी नाम लेने वाल भी कोई न हो। मैं चाहता हूं राज्य एक समृद्ध संस्कृति का केंद्र बने। बौद्धिक क्षमता, सोच विचार की शक्ति बढ़े। सकारात्मक प्रतियोगिता का जज़्बा हर व्यक्ति के अंदर जागृत हो। मानवता के लिए कुछ कर गुजरने की आग अंदर जल उठे। उपलब्धियों के नए कीर्तिमान व्यक्ति विशेष के बनें। लोग व्यापारिक नहीं वैज्ञानिक बनें। सोच में विज्ञान का समावेश हो, अंधविश्वास का अंधेरा नहीं। जिनमें सामर्थ्य है वे समाज शोषक नहीं समाज सेवक बनें। राज्य में तंत्र हावी न हो बल्कि प्रजा के लिए प्रजा के अधीन हो। लोक नीतियों का निर्माण आम जनता की राय शुमारी से, उनकी भागीदारी से पारदर्शिता के साथ विशुद्ध मन एवं प्रण के साथ हो। हर सरकारी निर्णय का प्रयोजन लोभ लुभावन न हो; कुछ कठोर, अप्रिय निर्णय भी हों। लोकप्रियता की लालसा में सर्वहारा वर्ग का अहित न हो। तंत्र का मंत्र हो; अस्पताल, स्कूल, कॉलेज को धर्म स्थलों से अधिक महत्व मिले। धर्म और भक्ति के नाम पर स्मारक न बनाए जायें, प्रभु का वास किसी स्थान विशेष पर नहीं बल्कि हृदय में हो। आस्था की आजादी हो। धार्मिक रीतियों का अर्थ मन में पीड़ा प्रेम और करुणा हो और ये सब व्यक्ति पर छोड़ दिया जाए। उस पर भावना के तोल मोल में बोझ न लादा जाये।

-लेखक वरिष्ठ अधिवक्ता हैं।

अमेरिका से चीन निर्यात

12 लाख करोड़ ट्रेड

- एयरोस्पेस उत्पाद और पुर्जे
- मूलभूत रसायन
- कोयला और पेट्रोलियम गैस
- संचार और सेवा उद्योग मशीनरी
- कंप्यूटर उपकरण
- विद्युत उपकरण
- विद्युत उपकरण और सामान
- इंजन और टर्बाइन
- फल और सूखे मेवे
- सामान्य प्रयोजन मशीनरी
- औद्योगिक मशीनरी
- समुद्री उत्पाद
- मांस उत्पाद
- चिकित्सा उपकरण और आपूर्ति
- विविध फसलें
- विविध निर्मित धातु उत्पाद
- विविध निर्मित वस्तुएं
- मोटर वाहन पुर्जे
- मोटर वाहन
- नेविगेशनल और मापन उपकरण
- अलौह धातु उत्पाद
- तेल और गैस
- तिलहन और अनाज
- फार्मास्युटिकल उत्पाद और दवाएं
- प्लास्टिक उत्पाद व अन्य

कार्टूनिस्ट की नजर में...

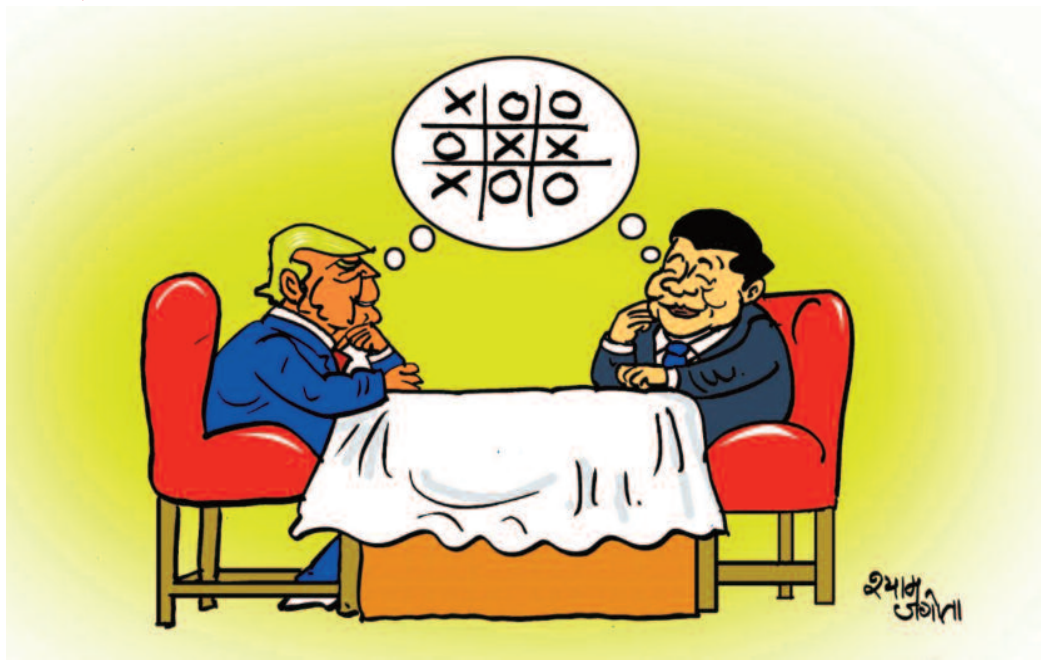

चीन से अमेरिका निर्यात

36.8 लाख करोड़ ट्रेड

- इलेक्ट्रॉनिक्स : स्मार्टफोन, कंप्यूटर, टेलीविजन, और अन्य उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक सामान
- मशीनरी : औद्योगिक मशीनें, उपकरण, और यांत्रिक पार्ट्स
- कपड़े और टेक्सटाइल : कपड़े, जूते, और अन्य वस्त्र उत्पाद
- खिलौने और खेल का सामान : बच्चों के खिलौने, गेमिंग उपकरण, और खेल से संबंधित उत्पाद
- फर्नीचर : बेड, सोफा, टेबल, और अन्य घरेलू फर्नीचर
- प्लास्टिक और रबर उत्पाद : रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं जैसे कंटेनर, पैकेजिंग सामग्री आदि
- ऑटोमोबाइल पार्ट्स : वाहनों के लिए कलपुर्जे और सहायक उपकरण

2023 के आंकड़ों के अनुसार, चीन से अमेरिका को होने वाला कुल निर्यात लगभग 500 अरब डॉलर से अधिक का था। ये उत्पाद सस्ती कीमत और बड़े पैमाने पर उत्पादन की वजह से अमेरिकी बाजार में लोकप्रिय हैं।

गरीब की दीपावली... आत्मनिर्भरता एवं गरीब कल्याण

विचार

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पिछले 3-4 माह पूर्व से स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का आग्रह देशवासियों से कर रहे हैं । वैसे तो 2014 में उनकी सरकार बनने के बाद उन्होंने 'मेक इन इंडिया','मेक फॉर वर्ल्ड' जैसे संकल्पों के आधार पर भारत को विदेशी निर्भरता कम करने एवं आत्मनिर्भरता अपनाने का मंत्र दिया था । इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए कोरोना काल में 'वोकल फॉर लोकल' का उद्घोष भी उन्होंने किया ।विश्व में अस्थिर होती अर्थव्यवस्थाओं का परिणाम भारत पर भी पड़ेगा, इस दूरदृष्टि के आधार पर उन्होंने स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का संकल्प पुनः देशवासियों के सम्मुख दोहराया। 15 अगस्त के अपने भाषण "मन की बात" तथा अलग-अलग स्थानों पर होने वाले अपने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जीने अलग-अलग प्रकार से स्वदेशी का आह्वान किया।

देश भर में 2-3 माह का यह समय उत्सवों का कालखंड रहता है ।गणेश उत्सव, विजयदशमी, दीपावली, छठ पूजा एवं उससे जुड़े अनेक धार्मिक उत्सव, कुछ प्रदेशों में उनके अपने नव वर्ष का प्रारंभ, मुस्लिम समाज में मनाया जाने वाला ईद जैसे त्यौहार समाज में उत्साह एवं उमंग का संचार करते हैं । घरों में प्रकाश, परस्पर शुभकामनाओं के लिए भेंट, मिष्ठान वितरण, नए वस्त्रों का पहनना एवं एक दूसरे को उपहार देना समाज का स्वाभाविक चलन है । इस कालावधि में 2 अक्टूबर महात्मा गाँधी जी की जयंती खादी दिवस के रूप में भी मनायी जाती है। समाज की यह परंपरा एवं उत्साह स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता का आधार बने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आह्वान किया कि 'नया समान स्वदेशी ही खरीदेंगे, घर सजाएंगे स्वदेशी से, जिंदगी बढ़ाएंगे स्वदेशी से।' एक दूसरे स्थान पर उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव में स्वदेशी उत्पाद, उपहार वही जो भारत में बना हो, पहनावा वही जो भारत में बुना हो, सजावट वही जो भारत में बने सामान से हो,रोशनी वही जो भारत में बने सामान से हो । श्रम एवं श्रमिक वर्ग को महत्त्व प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि 'पैसा किसी का सामान हमारा, जो प्रोडक्शन होगा उससे महक मेरे देश की मिट्टी की होगी, मेरे भारत माँ की होंगी।'

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का यह आह्वान केवल भावनात्मक नहीं, इसके पीछे समाज के आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से पिछड़े समाज के आर्थिक सशक्तिकरण का ही था। प्राचीन भारतीय समाज एक स्वावलंबी इकाई के स्वरूप में कार्य करता था एवं प्रत्येक वर्ग का कार्य भी परंपरा के रूप में निर्धारित था। महात्मा गांधी जी ने हिंद स्वराज पुस्तक में इसका उल्लेख भी किया है । इन त्योहारों में उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुओं का यदि हम अध्ययन करते हैं तब

हमको स्मरण आएगा कि यह समाज के जनसंख्या की दृष्टि से अधिकतम वर्ग अति पिछड़ा एवं दलित वंचित-समाज द्वारा निर्मित होते हैं। यह वर्ग पिछड़े वर्ग का 50% से भी अधिक भाग है। जैसे दीपावली पर उपयोग होने वाले दीपक, खादी एवं हथकरघा की बनी वस्तुएं, मोमबत्ती, पटाखे, पुष्प मालाएं, खिलौना, पूजा की सामग्री, जूते, आभूषण, ज्वेलरी, मिष्ठान आदि सामानकुम्हार (प्रजापति),चर्मकार ,कुटीर एवं लघु उद्योगों में कार्य करने वाली महिलाएं, छोटे कारीगर,जनजाति समाज द्वारा वनोपज से निर्मित स्थानीय उत्पाद, ज्वेलरी बिकती है बड़े प्रतिष्ठानो में पर उसके निर्माण में लगने वाले स्थानीय कारीगर एवं कारीगरी के लिये जाने वाले बंगाल के शिल्पकार संपूर्ण देश में मिलते हैं। छोटे-छोटे उत्पादो को ठेले, रेहड़ी-पटरियों पर बेचकर अपना अर्थोपार्जन करने वालो का त्यौहार इसी आमदनी से मनाया जाता है। कलांतर में यह सभी समान विदेशों से आयात होने के कारण, गरीब का रोजगार छिन गया। खिलौने, झालर, पटाखे एवं साज-सज्जा के सभी समान पर विदेशी बाजार का कब्जा हो गया, जिसके कारण गरीब की दीपावली भी गरीबी में चली गयी।

दीपावली 2025 के अब तक के सीएआईटी (कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) के सर्वेक्षण के अनुसार 5.40 लाख करोड़ का व्यवसाय व्यापारिक गतिविधियों के द्वारा हुआ जो कि 2024 में कुल 4.25 लाख करोड़ था। व्यापार में 25 % की वृद्धि गत वर्ष की तुलना में हुई। सहकार एवं कृषि क्षेत्र के बिना भी यह 9 करोड़ छोटे-छोटे व्यावसायिक इकाइयों का प्रतिनिधित्व करती है। सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर)में भी 65,000 करोड़ का व्यवसाय किया गया है ।72% व्यापारी मानते हैं कि व्यापार में यह उछाल जीएसटी की कमी के कारण आया है। 87% खरीदारों ने स्वदेशी सामान खरीदकर मोदी जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। अनुमान के अनुसार 50 लाख लोगों को अल्पकालिक रोजगार भी उपलब्ध हुआ है। कुल बिक्री में छोटे-छोटे शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों का 28% योगदान है। केंद्र सरकार द्वारा चालित कुम्हार सशक्तिकरण प्रोग्राम, वस्त्र उद्योग, धातु-काम कारीगर, लकड़ी कारीगर, बांस उद्योग आदि को एमएसएमई द्वारा प्रोत्साहन भी मिला है।

ताजा बाजार एनालिटिक्स रिपोर्ट के अनुमान के अनुसार भारत का फेस्टिवल सीजन कंज्यूमर खर्च 12 से 14 लाख करोड़ होगा। प्रधानमंत्री जी के आह्वान खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फ्रैशन (**Khadi for Nation**, **Khadifor Fashion**) के कारण 2104 की तुलना में खादी की बिक्री में 447%बढ़ी है । 2014 में यह बिक्री 3154 करोड़ की तुलना में 2025 में1.71 लाख करोड़ हुई है । इस वृद्धि के कारण 10 लाख से अधिक खादी के क्षेत्र में नए रोजगार सृजित हुए है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने चिंतन में अंत्योदय (गरीब कल्याण) को ही प्रमुख स्थान दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान का परिणाम है कि यह दीपावली समाज के सभी वर्गों में उत्साह के साथ- साथ पिछड़े,दलितों एवं महिलाओं को सशक्तिकरण एवं रोजगार देने वाले बनी है। त्यौहार से अर्जित राशि बाजार की क्रय शक्ति को बढ़ाएगी जिससे हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, जिसके कारण दुनिया के सभी कुचक्रों का प्रतिकार हम कर सकेंगे। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता केवल कुछ अवसर पर नहीं बल्कि हमारे जीवन का स्थायी मंत्र बनना चाहिए।

- लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।

चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन, बाहुबली अनंत सिंह पर लगा है आरोप

दुलारचंद हत्याकांड में एसपी समेत 4 अफसरों का तबादला, 1 सस्पेंड

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मोकामा में जन सुराज पार्टी समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या के मामले में भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सख्त कार्रवाई की है।

आयोग ने बाढ़ और मोकामा के तीन अधिकारियों का तत्काल तबादला कर दिया, जबकि एक अधिकारी को निलंबित करने का आदेश जारी किया है। इसके साथ ही स्थानीय एसपी का भी तबादला कर दिया गया है। ईसीआई ने बिहार के डीजीपी विनय कुमार से कल दोपहर 12:00 बजे तक एक्शन टेकेन रिपोर्ट (कार्रवाई की रिपोर्ट) मांगी है। ईसीआई के शनिवार को जारी आदेश के अनुसार, बाढ़ के सब-डिविजनल ऑफिसर (एसडीओ) सह 178-मोकामा विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर चंदन कुमार को हटा दिया गया है। उनकी जगह आईएएस आशीष कुमार को लाया गया है, जो वर्तमान में पटना नगर निगम के अतिरिक्त नगर आयुक्त हैं। इसी तरह, राकेश कुमार, एसडीपीओ बाढ़-1, और अभिषेक सिंह, एसडीपीओ बाढ़-2 का तबादला कर दिया गया है और उनकी जगह 2022 आरआर बैच के आनंद कुमार सिंह और आयुष श्रीवास्तव को नियुक्त किया गया है।

चुनाव आयोग ने हटाए गए तीन अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही का भी निर्देश दिया है। पटना ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह कार्रवाई दो स्टेशन हाउस अधिकारियों घोसवारी एसएचओ मधुसूदन कुमार और भदौर एसएचओ रवि रंजन को इसी मामले के सिलसिले में दिन में निलंबित किए जाने के बाद की गई है। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होगा. नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

लंबे समय से बाहुबलियों का गढ़ रहा है मोकामा

मोकामा लंबे समय से बिहार की राजनीति में बाहुबलियों का गढ़ रहा है, जिनमें अनंत कुमार सिंह, उनके भाई दिलीप सिंह और सूरजभान सिंह शामिल हैं। इस सीट पर 6 नवंबर को पहले चरण में मतदान होना है। जेडीयू के अनंत सिंह और राष्ट्रीय जनता दल की उम्मीदवार वीणा देवी के बीच कड़ा मुकाबला है। वीणा देवी पूर्व सांसद सूरजभान सिंह की पत्नी हैं। अनंत सिंह और सूरजभान दोनों भूमिहार समुदाय से आते हैं, जिससे राजनीतिक विरासत का सीधा टकराव पैदा हो गया है।

भारतवंशी सीईओ ने की 4000 करोड़ की हेराफेरी

वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के टेलीकॉम कंपनी के सीईओ ब्रह्म भट्ट पर गंभीर आरोप लगे हैं। कहा गया है कि उन्होंने 4000 करोड़ रुपए से अधिक का वित्तीय घोटाला किया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रह्म भट्ट ने फर्जी ग्राहक खातों और राजस्व के दस्तावेज तैयार कर कई अमेरिकी बैंकों से भारी-भरकम लोन लिया था। वर्तमान में ब्रह्म भट्ट ब्रॉडबैंड टेलीकॉम, ब्रिज वॉयस जैसी कंपनियों के मालिक हैं। बताया जा रहा है कि वे कई निवेशकों को यह विश्वास दिला रहे थे कि उनकी कंपनियों का ग्राहक आधार बहुत मजबूत है।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION Co. Ltd.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820
O/o Chief Engineer (Sub-station), Raipur Address-Shed No.-04, Danganiya, Raipur-492013
Website-www.cspc.co.in, E-Mail-CE.TnC@cspc.co.in, Phone-0771-2574256, Fax No.-0771-2574267

No. 02-07/Tender/P-1927/1147 Raipur, Dtd. 31.10.2025

NOTICE INVITING TENDER (Through E-bidding module of SAP-SRM)

Tenders are invited from eligible contractors for following work on labour contract basis:-

S. No.	Particulars of works	Earnest Money	Last date/ time for submission of tender
1.	TENDER FOR AWARDING LABOUR CONTRACT FOR DISMANTLING AND SHIFTING OF 132KV, 40 MVA, X-MER AND DISMANTLING & ERECTION OF ACSR ZEBRA CONDUCTOR AT 132KV S/S KACHNA AND GUDHIYARI UNDER EE (S/S) Dn.-I CSPTCL RAIPUR.	6,000/-	21/11/2025 14:00 Hrs.

NOTE :- (I) Other terms & condition details etc. regarding tender can be seen on our website www.cspc.co.in

SAVE ELECTRICITY

Chief Engineer (Sub-Station)
CSPTCL: Raipur(C.G.)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा
अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना सं0–02/2025–26
ई–निविदा प्रसंग–RCD/JAMTARA/950/25-26
दिनांक 30.10.2025

1	कार्य का नाम	IRQP Wo rk of Giridih - Gandey-Pandeydih road (MDR-089) from Km 35.00 to Km 42.580 (Total length -7.580 Km) for the Year 2025 -26
2	प्राक्कलित राशि	रू0 707.19800 लाख (सात करोड़ सात लाख उन्नीस हजार आठ सौ रूपये)
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	03 (तीन) महीना
4.	ई–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एंव समय	19.11.2025 के दोपहर 12:00 बजे तक
5	ई–निविदा का वेबसाईट पर प्रकाशन की तिथि एंव समय	06.11.2025 के अपराहन 4:30 बजे से
6.	ई–निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एंव पता	कार्यपालक अभिंयता, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।
7.	ई–प्रोक्यूरमेंट अधिकारी का संपर्क नं0/मोबाईल नं0	9279626462
8.	ई–प्रोक्यूरमेंट सेल का संपर्क सहायता नम्बर	0651-2401010

नोटः– प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती हैं।
निविदा संबंधी अन्य जानकारी http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभिंयता,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा
PR 365017 Road(25-26)D

क्वालालंपुर में 12वें एडीएमएम-प्लस सम्मेलन को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री

‘किसी देश के खिलाफ नहीं भारत का हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्वतंत्रता पर जोर देना’

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दिनोंदिन बढ़ते चीन के आक्राक तेवरों के बीच शनिवार को मलेशिया की राजधानी क्वालालंपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने क्षेत्र को लेकर भारत के रुख को दुनिया के सामने जोरदार अंदाज में स्पष्ट किया। मौका था ‘एडीएमएम-प्लस के 15 वर्षों पर चिंतन और आगे का रास्ता तैयार करना’ विषय पर आयोजित किए गए 12वें आसियान और उसके सहयोगी देशों के सम्मेलन का। जिसे संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि यह क्षेत्र खुला, समावेशी और दबाव मुक्त रहना चाहिए। इलाके में कानून के शासन पर भारत का जोर खासतौर पर समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस), नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन करना किसी देश के खिलाफ नहीं है। बल्कि इसका संबंध सभी क्षेत्रीय हितधारकों के सामूहिक हितों की रक्षा से जुड़ा हुआ है। भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमता पर ही टिकी हुई नहीं होगी।

खतरों से मुकाबला कर सके सुरक्षा ढांचा

राजनाथ ने कहा कि सुरक्षा में समावेशिता का मतलब ये सुनिश्चित करना है कि आकार या क्षमता पर ध्यान दिए बगैर तमाम देशों की क्षेत्रीय व्यवस्था को आकार देने और उससे लाभ प्राप्त करने में भूमिका हो। वहीं, स्थिरता के मायने ऐसे सुरक्षा ढांचे को तैयार करना है।

कार्यालय नगर पंचायत सरसींवा, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)
क्रमांक/510/न.पं./लो.नि.वि/2025-26 सरसींवा, दिनांक 30/10/2025
ई प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
(2nd Call)
नगर पंचायत सरसीवां द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत समक्ष श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	178295	REQUEST FOR PROPOSAL FOR Design. Testing. Construction. Commissioning and setting up of Material Recovery Facility (MRF) & Compost Plant in Municipal Areas of Sarsiwa, Chhattisgarh	53.72	21/11/2025

उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेट वेब पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत सरसींवा, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

MINOR IRRIGATION DIVISION,KHUNTI
e-Procurement Notice
Tender Reference No.-WRD/MID/KHUNTI/F_2-9/2025-26 **Date :-01.11.2025**

1.	Group No.	Name of Scheme		Estimated Cost (Rs. In Lakh)
	01	Renovation of Weir Medium Irrigation Scheme Huth, Block-Arki, Dist.-Khunti.		190.95
2.	Time of Completion		335 Days	
3.	Date of Publication of E - Tender on website		19.11.2025 at 2.00 PM	
4.	Last date/Time for submission of E-Tender BID's		26.11.2025 up to 5:00 PM	
5.	Last Date for online Submission of Tender fee and EMD		e-Procurement Portal **(jharkhandtenders.gov.in)** 26.11.2025 up to 5:00 pm	
6.	Date of Opining Tender		28.11.2025 at 2:00 PM	
7.	Name & address of office Inviting tender		Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Khunti.	
a.	Contact no. & Email ID of e-Procurement officer		06528-295012 midivkhunti@gmail.com	
b.	Helpline number of e-Procurement cell		0651-2491232	

Note :-(1) Only e-Tenders will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Khunti.
PR 365035 (Minor Irrigation)25-26*D

गृह मंत्रालय के निर्देशों पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) के दिशानिर्देशों की वैधता पर सवाल उठाया है जिसमें दाहिने हाथ पर टैटू वाले उम्मीदवारों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में शामिल होने से रोक दिया गया है। गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार, टैटू केवल बाएं अग्रबाहु पर ही स्वीकार्य हैं।

रक्षा मंत्रालय में शीर्ष पदों पर चार वरिष्ठ अधिकारियों ने संभाला कार्यभार

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय में शनिवार को चार महत्वपूर्ण उच्च-पदों पर नियुक्त किए गए अधिकारियों ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। जिसमें नौसेना और मंत्रालय के वित्त संबंधी मामलों के क्रमशः दो-दो अधिकारी शामिल हैं। वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह ने नौसेना के कार्मिक प्रमुख के रूप में और वाइस एडमिरल बी.शिवकुमार ने बल के चीफ ऑफ मैटेरियल का पदभार ग्रहण किया है। जबकि रक्षा महालेखा नियंत्रक के रूप में विश्वजीत सहाय और वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएं) के रूप में राज कुमार अरोड़ा ने कार्यभार ग्रहण किया है।

नेपाल के रास्ते घुसी विदेशी महिला गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में इंडो-नेपाल सीमा पर सोनौली चेकपोस्ट पर सुरक्षाबलों ने बड़ी कार्रवाई की है। इमिग्रेशन विभाग ने एक उज्बेकिस्तान की महिला को बिना वीज़ा के भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान उमिदा जोइरोवा के रूप में हुई है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक इमिग्रेशन विभाग के अधिकारी प्रमोद कुमार दुबे के अनुसार, शुक्रवार शाम नियमित जांच के दौरान एक विदेशी महिला संदिग्ध हालात में पाई गई।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट
ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc. Nursing	2 Years
Paramedical Course	**Duration**
Lab tech, OT tech, X-Ray tech,Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	**Duration**
D Pharmacy	2 Years

क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 150 सीटों का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु
7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु
9201641200, 9201631200, 9201622400

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित संस्था में कार्य हेतु सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर की आवश्यकता है (मेल / फीमेल) **संपर्क करें मोबाइल नंबर:-** 9981855505, 9131941253.(RO-339)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कार एसेसरीज की दुकान में काम करने के लिए लड़कों और लड़कियों की जरूरत है। जरूरतमंद ही संपर्क करें। **भाव्य ट्रेडर्स नवभारत प्रेस के सामने शहीद स्मारक कॉम्प्लेक्स रायपुर मो.** 8815995939.(RO-344)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ऑपरेटर/अकाउन्टेन्ट

आवश्यकता है- दाल मिल में कार्य हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता है-टेली डाटा एन्ट्री ऑपरेटर - (वेतन 12,000/-15,000/-), जूनियर एकाउन्टेंट-(15,000/प्रारंभ), सीनियर एकाउन्टेंट-(20,000/प्रारंभ), दाल मिल कार्य हेतु अनुभवी कर्मचारी- (वेतन 13,000 प्रारंभ, कम्प्युटर जानकार को 15,000/) हमाली कार्य हेतु 6 मजदूर। 4 मजदूर कुली कार्य हेतु **संपर्क- कन्हैयालाल संतोषकुमार दालमिल बंजरपारा, सड्डु, विधानसभा, रायपुर-** 9826141178. (RO-6553)

मिल कार्य

आवश्यकता है- तेल मिल मे काम करने के लिए लड़के लड़की की आवश्यकता है. रायपुरा चौक. **पगार 8 से 10 हजार** 8839105162. (RO-398)

ड्रायवर

शीघ्र आवश्यकता- स्कूल बस चालक/ मैजिक चालक- 10 पद, सुरक्षागार्ड- 05 पद **संपर्क करे- मो. नं.7389358588, 7805015500, पता- 01, सुंदर नगर रायपुर.** (RO-0070)

आवश्यकता है- मैग्नेटो मॉल/वीआईपी चौक के पास निजी कार हेतु अनुभवी ड्राइवरों की आवश्यकता है। बीड़ी-सिगरेट, शराब-गुटखे आदि मादक पदार्थों का सेवन न करने वाले ही **संपर्क करें।** 9300593000. (RO-7233)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 5 युवक/युवतियों की आवश्यकता है वेतन 6000 से 15000 तक भिलाई/दुर्ग वाले को प्राथमिकता, **मो-** 78038-56087, 82694-65640, 91094-79330 (आरो न.-684)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु, लड़के एवं लड़कों की आवश्यकता है **पता- संतोषी नगर के आगे डुंडा दुर्गा मंदिर के पास रायपुर संपर्क :-** 9752397982.(RO-345)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, पास लड़कों की अवसकता है जो कटनी दमोह ग्वालियर में काम कर सके वेतन- 12000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 12,000 से 20000 महीने। **संपर्क करें-** 8982690021, 9993911979.(RO-511)

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 10000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा **संपर्क करे** - 9039470547.(RO-512)

गोडाऊन कर्मी

आवश्यकता है- मेडिकल होलसेल डिपो में गोडाउन कार्य हेतु मेहनती युवक/ युवतियों की तथा बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। **मणिधारी ट्रेडर्स औषधि वाटिका, डूमरतराई रायपुर . मो.** 9669164000, 9165929000.(RO-465)

सफाई कर्मचारी

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति : चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा. नशेड़ी संपर्क न करें- **मो. 7225888800.** (RO-7000)

ठेकेदार/मिस्त्री

आवश्यकता है- कूलर फैक्ट्री में विंडो कूलर बनाने एवं मिग वेल्डिंग,गैस वेल्डिंग करने के लिए ठेकेदार एवं मिस्त्री की आवश्यकता है। **संपर्क - कूलर हाउस,गांधी चौक,रायपुर मोबाइल** 9827129211.(RO-353)

मैनेजर/हेल्थ वर्कर

आवश्यकता है- भिलाई- आयुर्वेदिक कंपनी में मार्केटिंग मैनेजर (Event Manager) कार्य हेतु (1- POST) 2- 5 YEAR EXPERIENCE वेतन 30000 + योग्यतानुसार ऑफिस कार्य 2, हेल्थ वर्कर3, युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतन 7000 - 8000, **मो-** 62682-79954.(आरो नं.-1681)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

हेल्पर

आवश्यकता है- राईस मिल हेतु परबाईलिंग में हेल्पर कार्य के लिये कुल 4 पद लड़को की आवश्यकता हैं। **सम्पर्क करें- बोरझरा, उरला, रायपुर (छ.ग.), मो.** 9826136200. (RO-6999)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। **संपर्क:- खेतान इंटरप्राइजेस, खेतान गेराज बिल्डिंग, वीडियो वर्ल्ड के पास, मौदहापारा रायपुर** (RO-464)

घरेलु कार्य/कुक

आवश्यकता है- घर में काम करने के लिए कुशल महिला की आवश्यकता है जो खाना बनाने व अन्य कार्य में निपुण हो। वेतन योग्यता अनुसार रहने की सुविधा है। 9340109282, 9425207767.(RO-6554)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित **सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर** 7974770055, 8889997826.(RO-38966)

सर्वेयर

आवश्यकता है- महिला सर्वेयर की आवश्यकता है आय प्रतिमाह 10वीं पास 9000, 12वीं पास 12000, ग्रेजुएशन 15000, पीजी 21000 नियम शर्तें लागू, **सम्पर्क करें- राधा कृष्णा सेवा संस्थान रायपुर और बिलासपुर** 8109100493.(RO-39036)

हरिभूमि क्लासीफाईड

थैरापिस्ट

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक हॉस्पिटल में काम करने हेतु लड़को (पंचकर्म थैरापिस्ट) की आवश्यकता है **संपर्क करें श्री आयुर्वेद, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)** 9827312343, 9406010081.(RO-4030)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर , रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर,कप्तान .जानकार को प्राथमिकता। **संपर्क -होटल अपना केशरी ,होटल शिव- प्रभा , पावर हाऊस भिलाई, मो.-** 98932-15251, 89669-81590.(आरो न.-682)

दुकान/सेल्समैन वर्क

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायपुर) में काम करने के लिए लड़का/ लड़की की आवश्यकता एवं अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है **मोबाइल** - 7067048454.(RO-6556)

सेल्स एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- वाशिंग पाउडर कंपनी शिवशक्ति एंटरप्राइजेस दुर्ग क्षेत्र के लिए अनुभवी सेल्स एग्जीक्यूटिव एवं फैक्ट्री अंदर कार्य हेतु कर्मचारी कि आवश्यकता स्वयं का वाहन आवश्यक वेतन योग्यतानुसार **संपर्क** 7000169593.(आरो नं.-1679)

आवश्यकता है- श्रीमारूति कोरियर आंफिस में लड़कियों एवं डाक-पार्सल बांटने बाइकर 12वीं पास लड़के चाहिए। श्री मारूति कोरियर, **रिंगरोड-1, कालीमाता मंदिर के आगे, कुशालपुर, रायपुर, बायोडाटा भेजे** 9399676408. (RO-352)

सर्विस सेन्टर कर्मी

आवश्यकता है- रायपुर में इंडस्ट्रियल मोटर / जनरेटर सर्विस सेंटर में आईटीआई इलेक्ट्रीशियन तथा वाइंडिंग कार्य हेतु वाइंडर, हेल्पर तथा मार्केटिंग कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। **संपर्क** 7869096500, 7898900131.(RO-465)

शोरूम कार्य

आवश्यकता है- टाइल्स एवं सेनेटरी के शोरूम में कार्य हेतु युवकों की आवश्यकता है **संपर्क मनन इंटरप्राइजेज, विधानसभा रोड, मोवा थाना के सामने, रायपुर मोबाइल :** 9827109679.(RO-358)

For Rent किराया

किराये से देना है- बंजारी मंदिर के पीछे FMCG में 2250sqft के दो गोदाम पक्की छत, लेट-बाथ, बोर, 3000sqft पार्किंग सहित 22500/- प्रत्येक या 45000/- में दोनों एक साथ किराये से देना है। **संपर्क-** 9098118228.(11 से 5 बजे) (RO-6555)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित **संपर्क:-** APS इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099. (RO-302)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

वैवाहिकी
वधु चाहिए

✻ वधु चाहिए ✻
बंगाली क्षत्रिय, जनरल कास्ट, उम्र 36वर्ष, हाइट 5'-8" बीकॉम, स्वयं का दुकान, बिलासपुर निवासी।
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें
-:सम्पर्क करें:-
7223094942

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूरी जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

CLASSIFIED RATE CARD
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.
ADVT. Booking Time 10.30 am to 3.00 pm
COLOUR 20% Extra Charge For Disply
GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 2 नवंबर 2025

कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत

घर, ऑफिस, कॉलेज हो या कोई पार्टी जहां कहीं भी किशोर या युवा आपस में बातचीत करते हैं, तो अधिकतर अंग्रेजी के कुछ शब्दों तक ही सिमटे रहते हैं। मातृभाषा संस्कार और क्षेत्रीयता का सोंधापन उसमें से नदारद रहता है। नई तकनीकी का हस्तक्षेप, विदेशी जीवनशैली और आधुनिकता के अंधानुकरण जैसी कई वजहें इसके लिए जिम्मेदार हैं। इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर एक नजर।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरे और कहावतें दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की।' ये कहावतें या मुहावरे अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अकसर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अकसर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूंढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास की नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।

मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोली जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतावनी है कि अगर हम जल्दी चेते नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अकसर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द गूंजते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट' कहकर लोग तेजी से सतहीपन को सही ठहराने की कोशिश करते रहते हैं।

एक जमाना था, जब लोग आपस में बातचीत में रुचि लेते थे, लेकिन आज तो बस 'रिप्लाई' करते हैं। वास्तव में यह फर्क भाषा के विकास का नहीं, मातृभाषा से बढ़ी हुई दूरी का परिचायक है। आज के किशोरों और हाल में जवान हुए कितने युवाओं के मुंह से आपने 'घर की मुर्गी दाल बराबर' या 'नाच न आवे आंगन टेढ़ा' जैसे मुहावरे-लोकोक्तियां सुनी हैं? जबकि एक-डेढ़ दशक पहले युवाओं के बीच इस तरह के मुहावरे बातचीत का हिस्सा होते थे। ये शब्द या ये मुहावरे, खालिस बातचीत नहीं होते, ये हमारे बाप-दादाओं की संस्कृति को हम तक पहुंचने का जरिया होते हैं, जो अब लगातार खत्म हो रहे हैं। आज के युवा और किशोर अगर ये शब्द, शब्दावलियां, मुहावरे तथा कहावतों से दूर हैं, तो यह दूरी यहीं तक सीमित नहीं है। इनकी यह दूरी लगातार अपनी विरासत, संस्कृति और मातृभाषा से भी हो रही है। आज की पीढ़ी 'टेकन फॉर ग्रांटेड', 'कर्मा हिट्स बैक' या 'दैट्स हाउ इट वर्क्स' जैसे विदेशी वाक्य दोहराती है, जो कि निरा कोरे शब्द होते हैं। इनमें जरा भी भावनात्मक गहराई देखने को नहीं मिलती।

शॉर्टकट्स-इमोजी का बढ़ा ट्रेंड: वास्तव में मोबाइल और इंटरनेट ने संवाद को 'फास्ट फूड' में बदल दिया है। जल्दी लिखो, जल्दी भेजो, जल्दी भूलो, यही सब देखने को मिल रहा है। अब लोग 'थैंक यू' भी पूरा नहीं लिखते बल्कि 'टीएचएक्स' लिखकर काम चलना चाहते हैं। 'क्या हाल है' की जगह अब नई पीढ़ी सिर्फ 'एसयूपी' लिखकर अपने को कूल समझती है। वास्तव में नई पीढ़ी अब इस कदर शॉर्टकट की भाषा बोल रही है कि वह अपनी आधी से ज्यादा अभिव्यक्तियों को इमोजियों के हवाले कर देती है और उनके विचार तो बस स्टेटस अपडेट तक सीमित होकर रह गए हैं। यही वजह है कि आज युवा पीढ़ी में भाषा का अभ्यास और शब्दों की संवेदना दोनो का ही घोर अभाव दिखता है।

हमारे युवाओं और किशोरों की यह नई शब्दावली, परिवार और लोक-संस्कृति के छीजने का भी परिणाम है। इसलिए हमें बहुत जल्दी सचेत हो जाना चाहिए और यह दोहरा लेना चाहिए कि भाषा का पतन शब्दों का पतन नहीं, विचारों का पतन होता है। इसलिए जितना जल्दी हो, हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को अगर जीवंत बनाए रखना है, तो अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाना होगा, सिर्फ पढ़ने के मामले में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के संवाद में भी। *

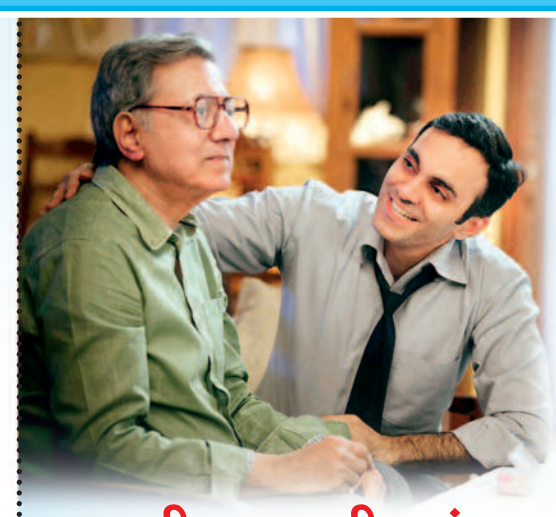

आधुनिक जीवनशैली की आपा-धापी और आर्थिक संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में अधिकांश युवा, अपने पैरेंट्स से दूर रहने को मजबूर रहते हैं, उनकी केयर नहीं कर पाते हैं। उनको भी इस बात का मलाल होता है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि एक संतुलन बनाते हुए अपने बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की जाए।

जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

{ दायित्व / डॉ. मोनिका शर्मा }

हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देख लिखी गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतावनी सी लिए हैं।

बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके शरीर और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेफ्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानी में बिल्कुल ही टूट जाते हैं। उलझाती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और फिजिकल रूप से अकेलेपन को झेलना इंसान के लिए तकलीफदेह होता है। उम्रदराज लोगों के मामले में तो यह बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

अपराधबोध तले दबता मन: यह सच है कि आज के समय में करियर बनाने और जरूरतें जुटाने में लगे युवाओं की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। आज के कट थ्रॉट कॉम्पिटीशन में डटे रहना कुछ भी सोचने का समय नहीं देता। अपनों को भी याद करने का वक्त नहीं मिलता। इन हालातों में मन अपराधबोध का भी शिकार बनता है। नेशनल अलायंस फॉर केयर गिविंग और एएआरपी की रिपोर्ट के मुताबिक 47 प्रतिशत लोग अपने माता-पिता की चिंता में भावनात्मक रूप से टूटने लगते हैं। बड़ों के अकेले पड़ जाने की पीड़ा को बच्चों का मन भी समझता है। लेकिन काम-काजी मजबूरियों के कारण पैरेंट्स से दूर रहने वाले लोग भी जानते हैं कि उनके माता-पिता को उनकी देखभाल की जरूरत है। ऐसे में ठहराव की राह खुद ही चुननी होगी। आपा-धापी में अपने अहसासों को बचाने के लिए युवाओं को एक संतुलन तो साधना होगा।

देर ना हो जाए: अपने बुजुर्ग पैरेंट्स से जुड़े रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

आत्मानुभूति का द्वार मौन

{ आत्मचिंतन / रश्मि वैभव गर्ग }

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम हैं- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।

अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिल्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयष्कर रहा।

आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्ते कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। जो अत्यंत दुष्कर है, लेकिन दुरूह नहीं। आंतरिक मौन जीवन को पूर्ण कर देता है। उतना ही पूर्ण जितना ईश्वर। तृष्णाओं की समाप्ति ही ईश्वर से मिलने का द्वार खोलती है। स्वयं से साक्षात्कार ही ईश्वर से मिलना है, वो तब ही संभव है, जब हम बाहरी व्यक्ति और वस्तुओं को विराम दें, और आंतरिक मौन को धारण करें।

मिलता है आलौकिक आनंद: हर इंसान के अंदर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं तो लहर उठती है, वैसे ही हर आत्मा में अध्यात्म की चेतना होती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थाई हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। वही ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

{ दोहे / घमंडीलाल अग्रवाल }

सूनी-सी दहलीज

सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी बो चुकी, घर गरीब के बीज।।
जैसे को तैसा मिले, हो हमलावर पस्त।
वह भी फिर आश्वस्त-सा, हम भी फिर आश्वस्त।।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निसदिन नई चुनौतियां, हर पल करिए गौर।।
पांव कुल्हाड़ी मार ली, गए संभलना भूल।
गड्ढा आया सामने, काहे गिरे फिजूल।।
गीता, रामायण पढ़ी, बांचे वेद, कुरान।
हो न सका इंसान तो, एक अदद इंसान।।
भरी भीड़ में हम हुए, बहुत अकेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।
यदि कुपात्र को धन दिया, धन होगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तन बीमार।।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।।
फिसला करती हाथ से, पाई कोई चीज।
होते हैं संसार में, ऐसे कुछ नाचीज।।
भले विवेकानंद हों, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।।

{ छोटी कहानी / सविता गोयल }

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैंसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।

यह क्या भैया! ना आपने सारे नाते-रिश्तेदारों को न्यौता दिया और ना ही भोज का आयोजन सही तरीके से किया। समाज में क्या इज्जत रह जाएगी हमारी! अरे पैसे कम पड़ रहे थे तो एक बार बोल दिया होता हमसे। मैं ही कुछ इंतजाम कर देता। पापा की तेरहवीं पर मेरे ससुरजी भी आने वाले हैं। वो क्या सोचेंगे, उनके दामाद ने अपने पिता की तेरहवीं भी ढंग से नहीं की। आप सबको तो पता ही है, वो कितने बड़े आदमी हैं। मेरी क्या इज्जत रह जाएगी उनके सामने?' कमल का छोटा भाई विमल अपनी ही रौब में बोलता जा रहा था।

मनोहरजी को गुजरे आज ग्यारह दिन हो गए थे। पिछले दो साल से वह बहुत पीड़ा में थे। कैंसर की बीमारी में एक-एक दिन सालों की तरह गुजर रहे थे। उनका बड़ा बेटा कमल और बहू मीना ने अपने पिता की सेवा और इलाज में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। किराने की दुकान में कोई ज्यादा कमाई नहीं थी, लेकिन जितना बन पड़ा, उसमें उन्होंने कभी अपना हाथ पीछे नहीं खींचा।

कमल अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। छोटा बेटा विमल जब से पढ़-लिखकर इंजीनियर बनकर शहर में बसा, कभी पलट कर वह घर नहीं आया। नौकरी अच्छी थी तो बड़े घर की लड़की का रिश्ता भी आ गया था। अब तो विमल के और भी पंख लग गए थे।

पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटाया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'

इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुश्तैनी मकान में रहते हैं, लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्चे भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'

बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखता। तू जितना कर रहा है, वह बहुत है। तेरे पिताजी की आत्मा तो तेरी सेवा से ही तृप्त हो गई है बेटा। बस पांच ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने पिता का तर्पण कर दे।' फिर कांता देवी अपने छोटे बेटे विमल के मुखातिब होते हुए बोलीं, 'आज तुझे यहां सारे कामों में जो कमी नजर आ रही है, वह उस समय क्यों नजर नहीं आई, जब तेरे पिताजी बीमारी से तड़प रहे थे और तेरा यह भाई तंगी से जूझते हुए भी रोज उन्हें लेकर अस्पताल के चक्कर लगा रहा था। उसे अपने दिन का चैन और रातों की नींद की भी परवाह नहीं थी। उस समय तो तेरे मुंह से एक बार भी नहीं निकला कि भैया, पिताजी के इलाज में मैं कुछ मदद कर दूं। उस वक्त तुझे यहां कोई कमी नजर नहीं आई? बेटा तू अपने पैसे अपने पास रख, पता नहीं कब तुझे इनकी जरूरत पड़ जाए। मां हूं, इसलिए कभी अपने दिल और जुबान से तेरा बुरा नहीं सोचूंगी, लेकिन बेटा जब तेरे बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ेंगे तब तुझे अपने मां-बाप का दर्द समझ में आएगा।'

यह सुनकर विमल का सिर झुक गया। उसे अपनी मां और भाई से नजरें मिलाने की हिम्मत भी नहीं हो रही थी। कमल ने अपने सामर्थ्य अनुसार अपने पिता का तर्पण और भोज कराया।

कांता देवी के चेहरे पर आज संतुष्टि के भाव थे। उन्हें विश्वास था कि उनके पति तृप्त होकर इस दुनिया से विदा हुए हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी

आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं। फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *

पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी,
लेखक: प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर,
मूल्य: 600 रुपए, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन,
आसफ अली रोड, नई दिल्ली

तरकश

-संजय के. दीक्षित

भड़के सीजे...सहमे अफसर

31 अक्टूबर 2000 की रात छत्तीसगढ़ का रायपुर कई सियासी और ब्यूरोक्रेटिक घटनाओं का साक्षी बना। इनमें से एक था बिलासपुर हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस बनाए गए आरएस गर्ग की नाराजगी। दरअसल, 31 अक्टूबर की आधी रात रायपुर के पुलिस ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया था। मंच पर पहले मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गर्ग ने शपथ ग्रहण की। चूकि उस समय राज्यपाल ने शपथ नहीं लिया था, इसलिए नवगठित प्रदेशों की परंपरा के अनुसार मुख्य न्यायाधीश ने मंच पर खुद से शपथ लिया। इसके पांच मिनट बाद चीफ जस्टिस ने प्रथम राज्यपाल दिनेशनंदन सहाय को शपथ दिलाई और फिर उसके बाद राज्यपाल ने मुख्यमंत्री अजीत जोगी को। बहरहाल, अब शीर्षक पर आते हैं। चीफ जस्टिस नियुक्त होने के बाद जस्टिस गर्ग 31 अक्टूबर की शाम रायपुर पहुंचे। रात 12 बजे उन्हें शपथ लेना था। शाम करीब सात बजे प्रथम मुख्य सचिव अरुण कुमार वीआईपी रोड स्थित उस जमाने के एक ठीकठाक होटल में उनसे मिलने पहुंचे। मुलाकात के बाद चीफ सिकरेट्री बोले, सर... मैं निकलता हूं...प्रिंसिपल सिकरेट्री लॉ आपको पुलिस ग्राउंड लेकर जाएंगे। इस पर जस्टिस गर्ग भड़क गए। बोले, मैं चपरासी के साथ जाऊंगा मगर इनके साथ नहीं। बताते है, चीफ जस्टिस किसी मसले को लेकर पीएस लॉ से काफी नाराज थे। सीजे के तेवर देख वहां मौजूद अफसर सहम गए। फिर राजधानी परियोजना के प्रशासक एमके राउत से कहा गया...आप सीजे साहब को लेकर शपथ स्थल पर जाओगे। बता दें, ज्यूडिशिरी में जस्टिस गर्ग की अपनी अलग पहचान रही। सूबे का सिस्टम उनके नाम से थर्राता था...तो वकीलों को भी वे टोकने से गुरेज नहीं करते थे।

रात 10 बजे कैडर बंटवारा

हालांकि, 31 अक्टूबर से दो दिन पहले मध्यप्रदेश के चीफ सिकरेट्री कृपाशंकर शर्मा ने दो-तीन सीनियर अफसरों को बुलाकर बता दिया था कि आपको छत्तीसगढ़ जाना है। उनके निर्देश पर फर्स्ट सीएस अरुण कुमार रायपुर पहुंच चुके थे। 31 की आधी रात शपथ ग्रहण समारोह हुआ, उसमें सचिवालय के ब्यूरोक्रेट्स के तौर पर अकेले अरुण कुमार मौजूद थे। बहरहाल, कैडर बंटवारे में एमपी गवर्नमेंट द्वारा काफी चतुराई बरती गई। वहां के सीएम दिग्विजय सिंह ने कैडर बंटवारे का ऐसा फार्मूला तैयार कराया, उसमें चार-पांच ही ठीक-ठाक आईएएस छत्तीसगढ़ को मिल पाए, अधिकांश रिजेक्टेड को छत्तीसगढ़ को टिका दिया गया। कोई कोर्ट न जा पाए, इसलिए उसके लिए टाइम नहीं दिया गया। 31 अक्टूबर को आधी रात नई सरकार का गठन होना था, और उसके दो घंटे पहले रात 10 बजे डीओपीटी से कैडर बंटवारे का आदेश आया। और, अगले दिन 1 नवंबर को सभी अफसरों को भोपाल से एकतरफा रिलीव कर दिया गया।

आधी रात पोस्टिंग लिस्ट

मध्यप्रदेश सरकार ने सीनियरिटी के हिसाब से मुख्य सचिव, डीजीपी और पीसीसीएफ की नियुक्ति दो दिन पहले कर दी थी, मगर बाकी सचिवों के विभागों का बंटवारा 31 अक्टूबर की आधी रात को तब किया गया, जब डीओपीटी से कैडर बंटवारे की लिस्ट जारी हो गई। आलम यह था कि एक तरफ रायपुर में नई सरकार के शपथ समारोह चल रहा था, दूसरी तरफ भोपाल में नए सचिवों के विभाग वितरण का आदेश टाईप हो रहा था। नए राज्यों में यही नियम है, इसलिए 18 विभागों के सचिवों की पोस्टिंग की पहली लिस्ट भोपाल से जारी हुई। करीब बारेक महीने बाद फिर जोगीजी ने कुछ सचिवों के विभाग बदले थे।

रात 2 बजे सिंगल मेंबर कैबिनेट

छत्तीसगढ़ के 25 साल के इतिहास में सिंगल मेंबर वाला कैबिनेट सिर्फ एक बार हुआ है। 31 अक्टूबर की रात 12 बजे अजीत जोगी ने अकेले मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उसके दो दिन बाद उनके 24 कैबिनेट और राज्य मंत्रियों की शपथ हुई। बहरहाल, शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री को एक मैसेज देना था। सो, शपथ समारोह के बाद जोगी ने अतिथियों को विदा किया। इसके बाद सीएस अरुण कुमार से कहा, कैबिनेट की बैठक अभी करनी है, चलिये मंत्रालय। चूकि मंत्रिमंडल बना नहीं था। सो, सिंगल मेंबर के कैबिनेट की बैठक हो गई। उसमें सूबे में पड़े सूखे को लेकर कई अहम फैसले लिए गए।

एकतरफा रिलीव

31 अक्टूबर की रात कैडर बंटवारे का आदेश आने के बाद जिन आईएएस अधिकारियों को एमपी जाने का आदेश हुआ था, वे काम में दिलचस्पी लेना बंद कर दिए थे। उनमें रायपुर कलेक्टर अजय तिर्की समेत कई अफसर शामिल थे। मुख्यमंत्री अजीत जोगी को जब यह पता चला तो उन्होंने तुरंत आदेश निकाल एकतरफा रिलीव करवा दिया। एमपी कैडर के सिर्फ एकमात्र आईएएसपी केसरी बच गए थे, जो राज्य बंटवारे के करीब पांच साल बाद 2005 में भोपाल लौटे।

ब्यूरोक्रेसी के लिए लॉटरी?

अलग राज्य बनने की खुशी छत्तीसगढ़ में सबको थी। मगर एक वर्ग ऐसा था, जो लंबे समय तक बेहद दुखी रहा। वह थी नौकरशाही। असल में, इक्का-दुक्का को छोड़ दें 99 परसेंट आईएएस, आईपीएस भोपाल जैसा शहर छोड़ रायपुर आना चाहते नहीं थे। उन्हें जबरिया यहां से ढकेला गया। लिहाजा, नाराज होकर दर्जन भर आईपीएस अधिकारी हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक गए। मगर यह भी सच है कि जो लोग अपना च्वाइस देकर छत्तीसगढ़ आए, उनमें से एक भी चीफ सिकरेट्री या डीजीपी नहीं बन पाए। राज्य बनने के 25 साल में अभी तक जितने भी मुख्य सचिव और डीजीपी बने है, सभी छत्तीसगढ़ आने के पक्ष में नहीं थे। पिछड़ा, नक्सल प्रभावित परसेप्शन वाला यही छत्तीसगढ़ 2003 के बाद ब्यूरोक्रेसी के लिए टॉप के चमकदार राज्यों में शामिल हो गया। स्थिति यह है कि अब अफसर च्वाइस देकर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री का फैसला

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के फैसले के बाद प्रथम मुख्यमंत्री के नामों को लेकर अटकलें तेज हो गई थी। इनमें पहला नाम विद्या भैया याने वीसी शुक्ला का था। जाहिर है, राज्य बनने से पहले विद्या भैया ने छत्तीसगढ़ संघर्ष समिति बनाकर रायपुर से लेकर दिल्ली तक लंबा आंदोलन चलाया था। विद्या भैया की सियासी उंचाइयों को राजनीतिक प्रेक्षक भी मानकर चल रहे थे कि इंदिरा गांधी कैबिनेट में रहे वीसी भैया को कांग्रेस पार्टी प्रथम मुख्यमंत्री बना देगी। मगर 31 अक्टूबर 2000 को दिल्ली फ्लाइट से पार्टी महासचिव प्रभा राव, मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और पार्टी के सचिव गुलाम नबी आजाद रायपुर पहुंचे तो एयरपोर्ट पर इनमें से किसी ने अपने परिचित को अजीत जोगी का नाम लीक कर दिया। इससे वीसी खेमे में खलबली मच गई। हालांकि, तब भी उनके समर्थकों में चमत्कार की उम्मीद बची हुई थीं। मगर दोपहर में मुख्यमंत्री चयन के लिए बैठक हुई और दिग्विजय सिंह ने जेब से निकाल अजीत जोगी के नाम का पुड़िया खोला, तो वीसी खेमा का गुस्सा फट पड़ा। चूकि वीसी को भनक लग गई थी कि उनका नाम कट गया, इसलिए वे बैठक में नहीं पहुंचे। सीएम बनाने आए कांग्रेस पार्टी के प्रेक्षकों ने मीटिंग के बाद प्रेस को ब्रीफ किया। इसके बाद प्रभा राव, दिग्विजय सिंह और गुलाम नबी आजाद वीसी की नाराजगी दूर करने उनके फार्म हाउस पहुंचे। तब न नेताओं को अंदाज था और न पुलिस को कि फार्म हाउस की सुरक्षित उंची चाहरदिवारी के भीतर कोई बड़ी घटना हो सकती है। तीनों नेता कार से उतरकर पैदल चलते हुए जैसे ही बरामदे में प्रवेश करते, उससे पहले वीसी समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए धक्कामुक्की कर दी। दिग्विजय सिंह से शुरू से ही वीसी से सियासी रिश्ते अच्छे नहीं रहे, उपर से सोनिया गांधी के दूत बनकर वे रायपुर पहुंचे थे, इसलिए वीसी समर्थकों का गुस्सा उन पर फट गया। धक्कामुक्की में प्रभा राव गिर पड़ी, मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ क्या हुआ, यहां लिखना वाजिब नहीं, मगर उनका कुर्ता फट गया था। तब तक विद्या भैया भीतर से दौड़ते हुए आए, समर्थकों को हटाया और फिर तीनों नेताओं को भीतर ले गए। हालांकि, आपको आश्चर्य होगा कि मुख्यमंत्री के साथ ऐसी घटना कैसे हो सकती है? तो इसकी वजह सुरक्षाकर्मियों का ओवर कांफिडेंस रहा। असल में, किसी हाई प्रोफाइल पॉलीटिशियन के घर कोई बड़ा नेता जाता है तो मानकर चला जाता है कि वहां वैसी चौकसी की जरूरत नहीं होती। सुरक्षा कर्मियों को तनिक भी अहसास नहीं हुआ कि वीसी समर्थक तीनों को देखते इस तरह आपा खो देंगे। विद्या भैया का औरा ऐसा था कि न ही किसी ने इस घटना को तूल दिया और न ही किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई।

कमाल के मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश के लगातार 10 बरस मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह का गजब व्यक्तित्व रहा। उनका छत्तीसगढ़ से सीधा कोई कनेक्शन नहीं था, मगर यहां की सियासत में उनकी गहरी रुचि रही। मुख्यमंत्री के तौर पर शायद ही कोई महीना गुजरा होगा, जब दिग्गी राजा छत्तीसगढ न आए हों। बहरहाल, बात 31 अक्टूबर के वीसी शुक्ला फार्म हाउस की घटना की। एरिया में सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री के साथ इतनी बड़ी घटना होने के बाद तो दूसरा कोई होता तो उसी समय गुस्से में वापिस लौट गया होता। मगर दिग्गी राजा ने होटल में जाकर कुर्ता बदला और तैयार होकर बिलासपुर हाई कोर्ट का मुआयना करने चले गए। चकरभाटा हवाई पट्टी से जब से हाई कोर्ट पहुंचे तो फार्म हाउस की घटना का उनके चेहरे पर कोई शिकन नहीं था। पत्रकारों ने जब उनसे इस संबंध में सवाल पूछा तो चिरपरिचित ठहाका लगाते हुए बात बदल दिया।

स्पीकर हाउस और संयोग

पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में बदलाव होने से नवा रायपुर के नवनिर्मित विधानसभा अध्यक्ष बंगले को एक बड़े संयोग से वंचित होना पड़ गया। दरअसल, मोदी का जब प्रोग्राम तय हुआ, उस समय बिहार विधानसभा चुनाव का ऐलान नहीं हुआ था। सो, पीएम का 31 अक्टूबर की शाम रायपुर आकर एक नवंबर को शाम वापिस लौटना था। राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री आमतौर पर राजभवन में रुकते हैं। मगर रायपुर शहर से नवा रायपुर के डिस्टेंस को देखते अफसरों ने तय किया था कि नवनिर्मित स्पीकार हाउस को एक दिन के लिए पीएम हाउस बनाया जाए। इस दृष्टि से पीडब्लूडी ने युद्ध स्तर पर बंगले की साज-सज्जा शुरू कर दी थी। पीएमओ और एसपीजी से भी प्रधानमंत्री को स्पीकर हाउस में रुकने के संदर्भ में औपचारिक सहमति मिल गई थी। मगर बिहार इलेक्शन के चलते पीएम मोदी का प्रोग्राम चेंज हो गया। वे एक नवंबर को सुबह आएं। उनका शेड्यूल इतना टाईट था कि टी या लंच के लिए भी फुरसत नहीं था। ऐसे में, फिर रेस्ट करने स्पीकर हाउस जाने का प्रश्न नहीं था।

आईएएस बनने इंटरव्यू

एलॉयड सर्विस कोटे से आईएएस के दो पदों के लिए 30 अक्टूबर को मंत्रालय में इंटरव्यू हुआ। चीफ सिकरेट्री विकासशील की अध्यक्षता में हुए साक्षात्कार में एसीएस मनोज पिंगुआ, सिकरेट्री रोहित यादव और रजत कुमार शामिल थे। इसमें विभिन्न विभागों के राजपत्रित कैडर के 16 अफसरों ने इंटरव्यू दिया। लोकल स्तर पर स्क्रूटनी कर एक पद के खिलाफ पांच नामों का पेनल बना यूपीएससी को भेजा जाएगा। यूपीएससी में फायनल मीटिंग के बाद फिर दो आईएएस अधिकारियों का नोटिफिकेशन जारी होगा। बता दें, अनुराग पाण्डेय और शारदा वर्मा के रिटायर होने के बाद एलॉयड कोटे से आईएएस के दो पद खाली हुए हैं। छत्तीसगढ़ में इस समय तीन का कोटा है। एक पर गोपाल वर्मा कवर्धा के कलेक्टर हैं, दो पर सलेक्शन होना है।

ऐतिहासिक आयोजन

पीएम नरेंद्र मोदी का रायपुर का आज का कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा। राज्य बनने के बाद पिछले 25 साल में किसी प्रधानमंत्री का इतना टाईट शेड्यूल और स्मूथली प्रोग्राम नहीं हुआ। छत्तीसगढ़ क्या, किसी और राज्य में विरले ही कभी होता होगा, जहां छह घंटे में पीएम के पांच कार्यक्रम होते होंगे। उसमें भी तीन में भाषण। एक रोड शो। हॉस्पिटल में बच्चों से संवाद। 50 हजार से उपर भीड़। वो भी बिना किसी बाधा और बवाल के। पीएम का भाषण का अंदाज भी आज अलग रहा। अपने उद्बोधन में उन्होंने डेवलपमेंट से लेकर सेवा, बौद्धिक और अध्यात्म को टच किया।

जिला प्रशासन का रिर्हसल

पीएम नरेंद्र मोदी के दिन भर के सफल कार्यक्रम से रायपुर जिला प्रशासन का बड़ा रिहर्सल हो गया। दरअसल, इसी महीने 28, 29 और 30 को डीजीपी कांफ्रेंस होनी है। उसमें पीएम मोदी करीब पौने तीन दिन रायपुर में रहेंगे। पूरे दो रात। 28 नवंबर की शाम रायपुर पहुंचेंगे और 30 नवंबर को शाम यहां से रवाना होंगे। जाहिर है, आज के पीएम विजिट से रायपुर जिला और पुलिस प्रशासन के लिए अगले पीएम विजिट के लिए कांफिडेंस बढ़ गया होगा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ में डिप्टी कलेक्टर्स और डीएसपी की संख्या जिस कदर बढ़ गई है, उसमें क्या यह वाजिब होगा कि पीएससी परीक्षा में इन दोनों सर्विसों में कुछ ब्रेक दिया जाए?

2. बिलासपुर गोली कांड में कांग्रेस नेता के करीबी मुख्य आरोपी को रायपुर के किस राजनेता के बंगले से गिरफ्तार किया गया?

जैकेट के शेष

बच्चों से पीएम ने ....

समय के अनुभव उनसे साझा किए। बीमारी से ठीक होने के बाद सामान्य बच्चों की तरह खेलकूद करने और कई मैडल जीतने की जानकारी भी उन्होंने मोदी को दी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बच्चों के साथ कार्यक्रम में शामिल उनके परिजनों से अपील करते हुए कहा कि सत्य साईं बाबा के सौ साल यानी शताब्दी वर्ष का महीना शुरू हुआ है। साईं बाबा ने बहुत साल पहले पुट पट्टी के आसपास पानी की बहुत किल्लत को दूर किया था। किसी सरकार को भी इतना काम करना हो, तो कभी-कभी बहुत सोचना पड़ता है और उसमें से हमारे लिए संदेश यह है कि हमें पानी बचाना चाहिए। आपको मालूम है, मैं एक अभियान चलाता हूं- एक पेड़ मां के नाम। हर एक को अपनी मां अच्छी लगती है ना, तो मां के नाम हमें एक पेड़ लगाना चाहिए, अपनी मां के नाम। तो धरती मां का भी कर्ज चुकाते हैं, अपनी मां का भी कर्ज चुकाते हैं। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल रामेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह, सत्यसाईं संस्थान के मधुसूदन साईं, पद्म विभूषित सुनील गावस्कर, संस्थान के अध्यक्ष डॉ. सी.श्रीनिवास मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ....

लाभार्थी- मेरा नाम अभिक है, मैं वेस्ट बंगाल से हूं, मुझे बड़ा होकर आर्मी आफिसर बनना है और मुझे देश की सेवा करनी है।

लाभार्थी- मेरा सपना था आपसे मिलने का। प्रधानमंत्री ने पूछा जानती हो मुझे तो लाभार्थी ने कहा न्यूज में देखा था।

मोदी बोले- छग में ....

पूरे हो के गाड़ा-गाड़ा बधाई। श्री मोदी ने कहा, मैंने छत्तीसगढ़ को एक कार्यकर्ता के रूप में बहुत करीब से देखा है। मैंने छत्तीसगढ़ का गठन से पहले और बाद दोनों दौर देखा है।

तीन करोड़ और घर बनाएंगे: श्री मोदी ने कहा, मैंने गरीबी को करीब से देखा है। मैं गरीबों की बेबसी और चिंता को समझता हूं। इसलिए जब 2014 में देश की जनता से हम पर भरोसा किया और केंद्र में हमारी सरकार आई तो हमारा फोकस गरीब कल्याण पर रहा है। हमारी सरकार ने गरीब की पढ़ाई, कमाई की चिंता करने का काम किया। गरीबों के लिए चार करोड़ पीएम आवास बनाने का काम किया गया। अब तीन करोड़ और पीएम आवास बनाना का लक्ष्य है। छत्तीसगढ़ में भी आज साढ़े तीन लाख गरीबों को पीएम आवास की चाबी मिल रही है। इसी के साथ तीन लाख गरीब परिवारों की 12 सौ करोड़ की किश्त जारी की जा रही है।

आदिवासियों के लिए भी योजनाएं : पीएम श्री मोदी ने कहा, देश में आजादी के बाद कभी भी किसी सरकार ने आदिवासियों के लिए सोचने का काम नहीं किया। हमारी सरकार ने आदिवासियों के लिए 80 हजार करोड़ की योजना बनाने का काम किया। छत्तीसगढ़ सहित देश के आदिवासी क्षेत्रों में विकास के काम हो रहे हैं। पीएम जन-मन योजना में भी काम हो रहा है। तेंदूपत्ता संग्रहकों का भी ध्यान रखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ की सरकार ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को ज्यादा राशि देने का काम प्रारंभ किया है।

देश जल्द ही नक्सलवाद से होगा मुक्त : श्री मोदी ने कहा, आजादी के बाद कभी भी नक्सलवाद को लेकर इतनी गंभीरता से काम नहीं किया गया। संविधान की किताब दिखाकर बात करने वालों ने महज घड़ियाली आंसू ही बहाने का काम किया है। अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए दशकों तक आपके साथ अन्याय करने का काम किया है। हमारी सरकार ने नक्सलवाद को लेकर गंभीरता से काम प्रारंभ किया। यह उसी का नतीजा है कि 11 सा पहले जब हमारी केंद्र में सरकार आई थी तब देश में 125 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे, आज इसकी संख्या महज तीन रह गई है। अब वह दिन दूर नहीं है जब देश से नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। 17 अक्टूबर को जगदलपुर में 200 से ज्यादा नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। अब नक्सली हथियार डालकर देश के संविधान को स्वीकार कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में पहले जहां आतंकवाद का गढ़ था, वहां अब विकास हो रहा है। अब लाल झंडा नहीं तिरंगा लहराता है। बस्तर में अब आतंक नहीं उत्साह है। वहां पर अब बस्तर ओलंपिक हो रहा है।

विकास का श्रेय ....

सरकारों ने काम किया है, लेकिन सबसे बड़ा श्रेय डा. रमन सिंह को जाता है। उन्होंने जब प्रदेश में मुख्यमंत्री के रूप में काम प्रारंभ किया था तो उनके सामने बड़ी चुनौतियों थी। आज डा. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं।

विकसित भारत के लिए विकसित छत्तीसगढ़ भी जरूरी : पीएम मोदी ने कहा, हम 2047 तक विकसित भारत की बात कर रहे हैं। विकसित भारत में विकसित छत्तीसगढ़ भी जरूरी है। छत्तीसगढ़ के युवा आगे आए। यह मोदी की गारंटी है। आपके हर कदम और हर संकल्प के साथ मोदी खड़ा है। छत्तीसगढ़ और देश एक साथ आगे बढ़ेंगे और विकास करेंगे।

मोदी की गारंटी को कर रहे पूरा : श्री साय ने कहा, प्रदेश में जब कांग्रेस की सरकार थी तो उनकी सरकार में प्रदेश के 18 लाख परिवार पीएम आवास से वंचित हो गए थे। मोदी जी ने विधानसभा चुनाव के समय वादा किया था, छत्तीसगढ़ में जब भाजपा की सरकार बनेगी तो हमारे मुख्यमंत्री सबसे पहले गरीबों के 18 लाख आवास को मंजूरी देंगे। हमारी सरकार बनते ही सबसे पहला काम हमने यही किया। इसी के साथ हमारी पार्टी ने मोदी की गारंटी में जो वादे किए थे, उसको भी पूरा करने का काम लगातार कर रहे हैं।

खुले वाहन में सवार होकर पहुंचे मोदी : राज्योत्सव के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुले वाहन में सवार होकर जनता के बीच से होते हुए मंच पर पहुंचे। उनके साथ वाहन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव सवार थे। मंच पर पहुंचने से पहले तक पीएम मोदी लगातार जनता का अभिवादन करते रहे।

पीएम आवास के पांच को सौंपी चाबी : पीएम मोदी ने 14 हजार करोड़ की योजनाओं का प्रारंभ करने के साथ ही प्रधानमंत्री आवास के लिए साढ़े तीन लाख परिवारों में से पांच को सांकेतिक रूप से चाबी सौंपी। जिनको चाबी सौंपी गई उसमें बलरामपुर जिले के कृष्ण पहाड़ी कोरवा, दंतेवाड़ा जिले की श्रीमती सुनीता, बीजापुर जिले के मनवीर सोनवानी, धमतरी जिले की सोनिया बाई और कांकेर जिले के दस्तरी बाई शामिल हैं।

ये रहे उपस्थित - : राज्योत्सव के उद्घाटन अवसर पर मंच पर राज्यपाल रमन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव, केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उरगे, तोखन साहू, प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा, प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप, ओपी चौधरा, रामविचार नेताम, राजेश अग्रवाल, टंकराम वर्मा, दयालदास बघेल, लखनलाल देवांगन, लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव उपस्थित थे।

सीएम साय बोले- अटल ....

अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। आज देश में मोदी युग चल रहा है। आज का भारत ऐसा है, जो दुश्मन को घर में घुसकर मारता है। आज का भारत ऐसा है, हम किसी को छेड़ते नहीं हैं, कोई छेड़े तो छोड़ते नहीं है। श्री साय ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की छत्तीसगढ़ से अलग ही लगाव है। ये पहले छत्तीसगढ़ के प्रभारी भी रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ के कौने-कौने से वाकिफ हैं। आज वे यहां आए हैं तो प्रदेश को 14 हजार करोड़ की सौगात दे रहे हैं। इसके पहले मार्च में जब बिलासपुर आए थे तब प्रदेश को 33 हजार करोड़ की सौगात दी थी।

मोदी ने जाना ....

हैं। ऐसे में उन्होंने यहां पहुंचने पर सबसे पहले इनका हाल जाना। तीजन बाई डेढ़ साल से बीमार हैं। उनका इलाज जारी है। ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल भी सांस की तकलीफ के कारण हॉस्पिटल में भर्ती हैं। इनसे बात कर पीएम मोदी ने कहा, कोई भी जरूरत होने पर वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं। श्री मोदी के तीजन बाई से बात करने के आधे घंटे बाद ही कलेक्टर अमले के साथ उनके घर पहुंच गए और उन्होंने स्थिति की पूरी जानकारी ली।

मोदी बोले-यह लोकतंत्र ....

रूप में मैंने छत्तीसगढ़ में बहुत समय बिताया, यहां से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मेरे जीवन को गढ़ने में यहां के लोगों का, यहां की भूमि का बहुत बड़ा आशीर्वाद रहा है। रजत जयंती के उत्सव पर मुझे राज्य के लोगों के लिए इस नई विधानसभा के लोकार्पण करने का सौभाग्य मिला है।

छत्तीसगढ़ नए शिखर पर खड़ा है : उन्होंने कहा, आज का दिन छत्तीसगढ़ के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बनकर चमक रहा है। आज जब हम इस भव्य और आधुनिक विधानसभा भवन का लोकार्पण कर रहे हैं, तो ये केवल एक इमारत का समारोह नहीं, बल्कि 25 वर्षों की जन-आकांक्षा, जन-संघर्ष और जन-गौरव का उत्सव बन गया है। गौरवशाली क्षण में मैं उन महापुरुष को नमन करता हूं, जिनकी दूरदृष्टि और करुणा ने इस राज्य की स्थापना की। वो महापुरुष हैं भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी। साल 2000 में जब अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया, तो वो निर्णय केवल प्रशासनिक नहीं था। वो निर्णय था विकास की नई राह खोलने का, और वो निर्णय था छत्तीसगढ़ की आत्मा को पहचान दिलाने का। इसीलिए आज जब इस भव्य विधानसभा के साथ-साथ अटल की प्रतिमा का भी अनावरण हुआ है, तो मन कह उठता है, मेरे भाव व्यक्त हो रहे हैं, अटल जी जहां भी हो, देखिए, आपका सपना साकार हो रहा है। आपका बनाया हुआ छत्तीसगढ़ आज आत्मविश्वास से भरा है, विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

विधानसभा परिसर राज्य की समृद्ध संस्कृति का प्रतिबिंब : उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ का नया विधानसभा परिसर राज्य की समृद्ध संस्कृति का प्रतिबिंब है। विधानसभा के कण-कण में, छत्तीसगढ़ की भूमि पर जन्मे हमारे महापुरुषों की प्रेरणा है। उन्होंने कहा, मैं जब इस भवन को देख रहा था, तो मुझे बस्तर आर्ट की सुंदर झलक दिखाई दी। मुझे याद है, कुछ महीने पहले थाईलैंड के प्रधानमंत्री को मैंने यही बस्तर आर्ट भेंट की थी, बस्तर की ये कला हमारी सृजनशीलता और सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक है।

मुरिया दरबार की परंपरा को मिला स्थान : पीएम मोदी ने कहा, भारत लोकतंत्र की जननी है, मदर ऑफ डेमॉक्रेसी है, हमारा आदिवासी समाज तो पीढ़ियों से लोकतांत्रिक परंपराओं को जीता आया है। मुरिया दरबार- बस्तर की 'आदिम संसद' इसका जीवंत उदाहरण है। वो आदिम संसद थी, सालों से हमारे यहां समाज और शासन मिलकर समस्याओं का समाधान करते रहे हैं। और मुझे प्रसन्नता है कि इस विधानसभा में भी मुरिया दरबार की परंपरा को स्थान मिला है।

छत्तीसगढ़ आज समृद्ध राज्य : उन्होंने कहा, भारत आज नक्सलवाद, माओवादी आतंक को भी समाप्त करने की तरफ बढ़ रहा है। भारत आज अभूतपूर्व विजय के गर्व से भरा हुआ है। और गर्व की यही भावना, आज छत्तीसगढ़ विधानसभा के इस नए परिसर में हमें चारों तरफ दिख रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा, भारत आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ एक ठोस और निर्णायक कदम उठा रहा है। भारत आतंक के विनाश की प्रतिज्ञा कर सुरक्षा बलों की मेहनत से आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। साथ ही उन्होंने कहा, भारत आज नक्सलवाद और माओवादी आतंक को समाप्त करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा, कभी यह राज्य नक्सलवाद और पिछड़ेपन से पहचाना जाता था, लेकिन अब यही राज्य समृद्धि, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक बन चुका है।

समावेशी विकास और सुशासन को देगी बढ़ावा- बिरला : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, विधानमंडल ऐसी संस्थाएं हैं, जो विश्वास का साकार रूप हैं और नागरिकों की आस्था एवं आकांक्षाओं का प्रतीक हैं। इन संस्थाओं में होने वाली चर्चाओं और विचार-विमर्श की गुणवत्ता ही लोकतंत्र की मजबूती और शासन की सफलता का निर्धारण करती है।

भवन निर्माण में 80 प्रतिशत स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल- रमन : विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने बताया कि इस भवन का निर्माण 80 फीसदी स्वदेशी वस्तुओं से हुआ है। इसमें बस्तर का फर्नीचर और छत्तीसगढ़ के मजदूरों का परिश्रम लगा है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक इमारत का नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान, आत्मनिर्भरता और लोकतांत्रिक परिपक्वता की कहानी है। प्रधानमंत्री ने हमें कई सुझाव दिए हैं कि नया विधानसभा और कैसे बेहतर हो सकता है। मैं आश्वस्त करता हूं कि उनके मार्गदर्शन में विधानसभा ना केवल ग्रीन रहेगा, बल्कि छत्तीसगढ़ के मान-सम्मान को बढ़ाएगा।

डॉ. रमन की मोदी ...

ऐसा देखने को नहीं मिलता। ये उदाहरण रमन सिंह जी दे सकते हैं कि जो कभी कैप्टन हुआ करते थे, वो आज सच्चे स्पिरिट से कार्यकर्ता के छत्तीसगढ़ की सेवा के लिए समर्पित हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा के रूप में कार्य कर रहे हैं।

ये थे मौजूद ....

तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, अरुण साव, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत सहित अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मोदी ने देखी जनजातीय ....

पोर्टल तथा शहीद वीर नारायण सिंह की घुड़सवार प्रतिमा का भी अनावरण किया।

घुड़सवार वीर नारायण की प्रतिमा लोकार्पित : संग्रहालय परिसर में शहीद वीर नारायण सिंह की घुड़सवार प्रतिमा भी स्थापित की गई है। प्रधानमंत्री ने इस प्रतिमा का भी लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने संग्रहालय से संबंधित डिजिटल पोर्टल का भी शुभारंभ किया। संग्रहालय का उद्घाटन करने के साथ प्रधानमंत्री ने संग्रहालय में शहीद वीर नारायण सिंह सहित अन्य जनजातीय नायकों की कहानियों पर आधारित प्रदर्शनियों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम आदि उपस्थित रहे।

पीएम बोले-विश्व शांति ....

है, कोई आपदा आती है, तो भारत एक भरोसेमंद साथी के तौर पर मदद के लिए आगे आता है। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मैं जहां-जहां गया, एक भी देश ऐसा नहीं होगा, जहां एयरपोर्ट हो या कार्यक्रम का स्थान हो, मुझे ब्रह्माकुमारीज के लोग नहीं मिले हों, उनकी शुभकामनाएं मेरे साथ न रहीं हों। इसमें मुझे अपनेपन का एहसास भी होता है और आपकी शक्ति का भी अंदाजा लगता है। लोकार्पण कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी, अतिरिक्त महासचिव ब्रह्माकुमार डॉ. मृत्युंजय भाई भी मौजूद रहे।

मेडिटेशन रूम में लगाया ध्यान : भवन के लोकार्पण के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने वहां बनाए गए मेडिटेशन रूम में कुछ समय तक ध्यान भी लगाया। नवनिर्मित शांति शिखर एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर में आने वाले दिनों में मानसिक तनाव दूर करने के लिए मेडिटेशन की क्लासेस भी आयोजित की जाएगी। मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है शांति शिखर जैसे संस्थान भारत के प्रयासों को नई ऊर्जा देंगे। इस संस्थान से निकली ऊर्जा देश-दुनिया के लाखों लोगों को विश्व शांति के इस विचार से जोड़ेगी।

पेज एक के शेष

एसबीआई क्रेडिट कार्ड से ...

जीएसटी विभाग शनिवार से छोटे और मझोले व्यवसायों के लिए एक सरल जीएसटी पंजीकरण योजना शुरू कर रहा है।

वेंकटेश्वर मंदिर में ...

रहे थे, तो रेलिंग टूट गई, जिससे एक कोने में खड़े लोग गिर गए और कुछ लोग उनके ऊपर गिर पड़े।

व्हाइट कालर क्राइम देश की ...

नवनीत तिवारी को जनवरी 2024 को हिरासत में लिया है। उसके खिलाफ 420, 120-बी, 384, 467, धारा 468, 471 और प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एक्ट, 1988 की धारा 7, 7-, 12 के तहत जुर्म दर्ज किया गया है। आरोप है कि तिवारी ने राजनेताओं और कुछ वरिष्ठ राज्य सरकार के अधिकारियों के सक्रिय समर्थन से तत्कालीन भूविज्ञान और खनिकर्म निदेशक को प्रभावित करने में कामयाबी हासिल की और 15 जुलाई 2020 को एक सरकारी आदेश जारी करवाया जो परिवहन परमिट जारी करने की ऑनलाइन प्रणाली को मैनुअल प्रणाली में परिवर्तित करके इस जबरन वसूली प्रणाली का स्रोत बन गया।

जुबिन की आखिरी फिल्म देखने उमड़े लोग : नई दिल्ली। दिवंगत सिंगर जुबिन गर्ग की आखिरी फिल्म 'रोई रोई बिनाले' के रिलीज पर आज पूरा असम और देश के 46 शहरों में उत्सव का माहौल है। 19 सितंबर को सिंगापुर में जुबिन गर्ग के आकस्मिक निधन के बाद यह फिल्म उनके प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के लिए एक भावनात्मक श्रद्धांजलि बन गई है। सिनेमाघरों में सुबह 4:45 बजे से लेकर देर रात तक लगातार शो चल रहे हैं, और टिकटें हफ्ते भर पहले ही बिक चुकी हैं। असम के 91 स्क्रीन समेत देशभर में कुल 92 स्क्रीन पर यह फिल्म जारी है और असम में अगले सात दिनों तक 585 से ज्यादा शो रोजाना निर्धारित हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

लूप लाइनों का निर्माण हेतु ई–निविदा सूचना

निविदा क्रमांक : **CPM/EL/BSP/TGQ/25-26/18** (खुली निविदा) (सिंगल पैकेट सिस्टम)

कार्य : टेंगनमाडा (टी जी क्यू) स्टेशन यार्ड में मौजूदा लूप लाइन (बिलासपुर और कटनी छोर) की ओवर रन लाइन का विस्तार करके अप ग्रिड में 02 लंबी लूप लाइनों का निर्माण।

निविदा मूल्य : ₹ 1,24,59,529.56/- (एक करोड़ चौबीस लाख उनसठ हजार पांच सौ उनतिस रुपए एवं छप्पन पैसे मात्र)।

अमानत राशि : ₹ 2,12,300/- (दो लाख बारह हजार तीन सौ मात्र)। **कार्य पूरा होने की अवधिः 12** (बारह) माह ।

निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः 19.11.2025 को 15:00 बजे। निविदा खोलने का समय एवं दिनांक : 19.11. 2025 को 15:30 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य परियोजना प्रबंधक (विद्युत) / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के कार्यालय, पुराना कंस्ट्रक्शन भवन, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कार्यालय के बगल, बिलासपुर पिन 495004 में संपर्क करे अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाईट **www.ireps.gov.in**, पर उपलब्ध है उसे डाउन लोड कर/देख सकते हैं।

उप मुख्य विद्युत इंजी./परि./एम.एल.

सीपीआर/10/422 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय जिला विपणन अधिकारी

छ.ग. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित गरियाबंद

जिला चिकित्सालय के सामने गरियाबंद (छ.ग.) 493889

ई-मेल :-dmogariyaband2023@gmail.com फोन नंबर :- 07706-297003

क्रमांक/विपणन / / 2025 गरियाबंद, दिनांक 18.10.2025

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में विपणन संघ के धान संग्रहण केंद्र कुंदेलभाटा में हमाली कार्य हेतु ऑनलाइन ई - निविदा सूचना

छ.ग. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित, जिला गरियाबंद द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए विपणन संघ के धान संग्रहण केंद्र कुंदेलभाटा में हमाली कार्य हेतु ऑनलाइन ई - निविदा आमंत्रित करता है। निविदा सूचना जेम पोर्टल के वेबसाइट में जाकर इच्छुक निविदाकारों द्वारा भरा जा सकता है। निविदा क्रमांक GEM /2025 / B / 6802016 हमाली निविदा दिनांक 18/10/2025 से 17/11/2025 दोपहर 1 बजे तक ऑनलाइन भरा जा सकता है। बी. जी. / डी. डी. की मूल प्रति निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनांक 17/11/2025 दोपहर 1 बजे के पूर्व जिला विपणन कार्यालय, गरियाबंद में जमा करना अनिवार्य है। निविदा प्रारूप तथा शर्तों का अवलोकन जेम पोर्टल के वेबसाइट www.gem.gov.in पर निविदाकर्ता के अध्ययन हेतु गाईडलाइन के रूप में उपलब्ध है।

जिला विपणन अधिकारी
गरियाबंद

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION (Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)

क्षेत्रीय कार्यालय, 107, राम नगर रोड, कोटा, रायपुर (छत्तीसगढ़) - 492010
REGIONAL OFFICE, 107, RAM NAGAR ROAD, KOTA, RAIPUR (CHHATTISGARH)-492010
Phone:0771-2254589, Email: rd-cgarh@esic.nic.in Website: www.esic.nic.in/www.esic.in

सं: 59-डी/11/11/2015-सामान्य दिनांक :

क्षेत्रीय कार्यालय – रायपुर (छत्तीसगढ़) हेतु जेम बिड के माध्यम से भवन किराए पर लेने हेतु विज्ञापन

कर्मचारी राज्य बीमा निगम, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत वैधानिक निकाय है। क्षेत्रीय कार्यालय - रायपुर (छत्तीसगढ़) के लिए निम्नानुसार भवन किराए पर लिया जाना हैः

भवन का विवरण	अनुबंध अवधि	जेम बिड समाप्ति दिनांक व समय	जेम बिड सं
रायपुर नगर निगम सीमा अंतर्गत भवन, कार्पेट एरिया - 20,000 वर्गफीट ± 5%	03 वर्ष	01/12/2025, 10:00	GEM/2025/B/6830143

प्री-बिड मीटिंग : दिनांक 06/11/2025, 15:00 (क्षेत्रीय कार्यालय, क.रा.बी. निगम, 107 राम नगर रोड, कोटा, रायपुर (छ.ग.) 492010 ।

अधिक जानकारी के लिए **https://bidplus.gem.gov.in/all-bids** एवं **https://esic.gov.in/tenders** का अवलोकन करें। साथ ही किसी भी अन्य जानकारी के लिए टेलीफोन नंबर 0771-2254589 पर कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

किराए के भवन के प्रस्ताव केवल जेम पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे ।

क्षेत्रीय निदेशक

शब्द पहेली - 6035

बाएँ से दाए-
1. सेवक, दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला, जाम-2
11. टोंटी, नलका-2
12. आनंद, जूस-2
13. प्रतिज्ञा, शपथ-3
16. सिमरन, सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन, लेखनी-3
22. कमल, जलज-3
23. क्रोध, गुस्सा-2
24. पाश, फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव, प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1. उर्वरक-2
2. विशाल, श्रेष्ठ-3
3. धनवान, संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय, इज्जत-2
5. दैत्य, असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार, पार लगाना-3
10. शरण, आश्रय-3
14. चूर-चूर, ढहा-5
15. टोंटी, नलका-2
17. युद्ध, संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र, दोस्त. मीत-2
27. हूर, अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष, पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर, नैहर-3
34. युक्तिवाद, पैरवी-3
35. टब, परात, तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत, तह-2
41. कदर, सम्मान-2

शब्द पहेली -6034 का हल

सूडोकू नवताल - 6045

★★★★★ कठिनतम

सूडोकू नवताल - 6044 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

MANGAL SENACHA, BANGALORE

स्मॉल कैप फंड्स ने 26 फीसदी तक दिया रिटर्न

भर दी निवेशकों की झोली

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स हमेशा से हाई रिटर्न के लिए जाने जाते रहे हैं। हालांकि इनके रिटर्न पर बाजार से जुड़े उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ता है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि लंबी अवधि में पॉजिटिव रिटर्न मिलने की गुंजाइश काफी अधिक रहती है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट पर जिन 13 स्मॉल कैप फंड्स के पिछले 10 साल के आंकड़े मौजूद हैं, उनमें से किसी के भी डायरेक्ट प्लान का सालाना रिटर्न (सीएजीआर) 14% से कम नहीं है। यही नहीं, इनमें से टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने लंपसम निवेश पर पिछले 10 साल में 19 से 21% फीसदी तक एनुअल रिटर्न दिया है।

एसबीआई, एचडीएफसी समेत कई फंड्स का बेहतरीन प्रदर्शन

5 स्मॉल कैप फंड्स ने 7 गुना तक कर दी लंपसम की रकम

10 साल में एसआईपी पर 19 से 26 फीसदी तक रिटर्न दिया

1 लाख के लंपसम से 7 लाख तक का फंड तैयार हुआ

इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी बेहतर तरीका

एसआईपी पर भी ऊंचा रिटर्न

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में लंपसम के साथ ही साथ सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी 19% से लेकर 26% तक एनुअलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। इस शानदार रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 10 साल में 7 लाख रुपये तक बना दिया है, जबकि 10 हजार रुपये की एसआईपी से 10 साल में 47.5 लाख रुपये तक का फंड जमा हुआ है।

ये टॉप 5 स्कीम

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स की लिस्ट में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, एक्सिस म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम्स शामिल हैं।

लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट क्यों है बेहतर

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के पिछले आंकड़ों के तमाम विश्लेषण यही बताते हैं कि इनमें लंबी अवधि के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।हाल ही में आई ऐसी ही एक रिपोर्ट के मुताबिक निफ्टी स्मॉल कैप 250 इंडेक्स का 10 साल की एसआईपी का मंथली रोलिंग रिटर्न (एक्सआरआरआर) 99% समय पॉजिटिव रहा है। यानी अगर इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी उसका बेहतर तरीका है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 21.51 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 7,01,649 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.96 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 42,63,065 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64 %

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 20.42 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,41,189 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.99 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 47,56,696 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.71 %

एक्सिस स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.91 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,14,545 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.01 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,35,386 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.57%

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.54 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,95,844 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.43 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,17,373 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.68%

एसबीआई स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,90,878 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 20.13%%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 34,65,264 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.76%

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट

ऊपर दी गई सभी स्कीम समेत तमाम स्मॉल कैप फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक रिस्क की रेटिंग दी जाती है। अलग-अलग मार्केट कैप पर आधारित म्यूचुअल फंड्स में भी स्मॉल कैप को मिड कैप और लार्ज कैप की तुलना में ज्यादा रिस्की माना जाता है। यानी स्मॉल कैप फंड हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट की कैटेगरी में आते हैं। इसके अलावा म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए इनमें निवेश के बारे में कोई फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए।

क्या है स्मॉल कैप फंड्स

स्मॉल कैप फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। इन कंपनियों की मार्केट कैपिटलाइजेशन कम होती है, लेकिन इनमें उच्च विकास क्षमता होती है। स्मॉल कैप फंड्स की विशेषताएं

1. **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे इनके शेयरों की कीमतें बढ़ सकती हैं।
2. **जोखिम:** स्मॉल कैप फंड्स में जोखिम अधिक होता है, क्योंकि छोटी कंपनियों की वित्तीय स्थिति अस्थिर हो सकती है।
3. **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स में निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
4. **लंबी अवधि के लिए निवेश:** स्मॉल कैप फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए, ताकि आप बाजार की अस्थिरता को सहन कर सकें।

स्मॉल कैप फंड्स के लाभ

1. **उच्च रिटर्न:** स्मॉल कैप फंड्स उच्च रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
3. **नई कंपनियों में निवेश:** आपको नई व तेजी से बढ़ती कंपनियों में निवेश का अवसर मिलता है।

एसआईपी का दमदार प्रदर्शन

5 म्यूचुअल फंड ने दिया 20% से ज्यादा रिटर्न

बिजनेस डेस्क

पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। पिछले साल यानी 2024 की दिवाली से लेकर अब तक 279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 फंड्स ने पॉजिटिव रिटर्न दिया। यानी इनमें निवेश करने वाले निवेशकों को मुनाफा हुआ। वहीं, सिर्फ तीन फंड्स ऐसे रहे जिन्होंने निवेशकों को नुकसान पहुंचाया। सबसे खास बात यह है कि 10 ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स हैं जिन्होंने एसआईपी यानी एक तय रकम हर महीने निवेश करने वालों को 20% से भी ज्यादा का सालाना रिटर्न दिया है। पिछली दिवाली से लेकर अब तक एक साल में कई म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ फंडों के बारे में जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकते हैं।

ग्रो मल्टीकैप फंड

इस लिस्ट में सबसे ऊपर ग्रो मल्टीकैप फंड का नाम है। इसने एसआईपी निवेश पर सबसे ज्यादा करीब 26% रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आपने इस फंड में हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो पिछली दिवाली से अब तक आपके निवेश की कीमत लगभग 1.10 लाख रुपये हो जाती। यानी आपके लगाए हुए पैसों से ज्यादा का मुनाफा हुआ।

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड ने भी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। इसने इसी अवधि में 24.69% का शानदार दिया। मिडकैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं जिनका मार्केट कैप मीडियम होता है यानी वे बहुत बड़ी भी नहीं होतीं और बहुत छोटी भी नहीं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के प्रकार

- **लार्ज कैप फंड्स :** ये फंड्स बड़ी मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मिड कैप फंड्स :** ये फंड्स मध्यम आकार की कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **स्मॉल कैप फंड्स :** ये फंड्स छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मल्टीकैप फंड्स :** ये फंड्स विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **फोकस्ड फंड्स :** ये फंड्स सीमित संख्या में शेयरों में निवेश करते हैं।
- **सेक्टोरल फंड्स :** ये फंड्स विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लाभ

- **विविधीकरण :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।
- **पेशेवर प्रबंधन :** फंड मैनेजर द्वारा प्रबंधन किया जाता है, जो निवेश के निर्णय लेते हैं।
- **लिक्विडिटी :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश आसानी से निकाला जा सकता है।
- **कर लाभ :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स पर कर लाभ उपलब्ध हो सकता है।

निवेश से पहले विचार करने योग्य बातें

- **जोखिम सहनशक्ति :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में जोखिम होता है, इसलिए निवेश से पहले अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें।
- **निवेश अवधि :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए।
- **विविधीकरण :** अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के फंड्स में निवेश करें।

उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, 20 में रिस्क 30 में बैलेंस और 40 साल में ग्रोथ जरूरी

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या अपनी निवेश यात्रा करना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य, परिवार, इनकम और बच्चों की की स्थित को देखकर ही निवेश यात्रा शुरू करें। बेहतर प्लानिंग के साथ निवेश करेंगे तो भविष्य में आसानी होगी और आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे। कहते हैं उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है। 20 साल की उम्र में जहां रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती है, वहीं 30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है। अगर आप उम्र के हिसाब से सही फाइनेंशियल प्लानिंग करते हैं, तो न सिर्फ रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से भी दूर रह सकते हैं। आज के वक्त में फाइनेंशियल सिक्योरिटी सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक आदत बननी चाहिए। ताकि आर्थिक रूप से परेशान न हों और भविष्य हर तरह से बढ़िया रहे। हम सब मेहनत तो करते हैं, लेकिन कमाई का सही इस्तेमाल तभी होता है जब उसके पीछे एक सटीक फाइनेंशियल प्लान हो। बहुत से लोग कहते हैं कि पैसे बचाने की शुरुआत बाद में करेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि जितनी जल्दी प्लानिंग शुरू करेंगे, उतना मजबूत होगा आपका फ्यूचर हर दशक अपने साथ नई जिम्मेदारियां और अवसर लेकर आता है। 20 साल की उम्र में में जहां रिस्क लेने का समय होता है, वहीं 30 साल की उम्र में में जिम्मेदारियों और इन्वेस्टमेंट में बैलेंस बनाना जरूरी होता है। साल की उम्र में आते-आते सेफ्टी और ग्रोथ पर फोकस करना समझदारी बन जाती है। अगर आप उम्र के हिसाब से फाइनेंशियल फैसले लेते हैं, तो न सिर्फ एक मजबूत रिटायरमेंट फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से आजादी भी पा सकते हैं।

बिजनेस साइट

किडनी ट्रांसप्लांट मरीज की मध्य भारत में पहली बार हुई जटिल कान की सफल सर्जरी

राजधानी के डॉ. जाऊलकर ईएनटी हॉस्पिटल में हुआ दुर्लभ ऑपरेशन

रायपुर। राजधानी में स्थित डॉ. जाऊलकर ईएनटी हॉस्पिटल में मध्य भारत का पहला ऐसा दुर्लभ ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया, जिसमें किडनी ट्रांसप्लांट कराए हुए मरीज के कान की अत्यंत जटिल सर्जरी की गई। यह उपलब्धि अब तक केवल महानगरों के बड़े अस्पतालों में ही संभव थी।

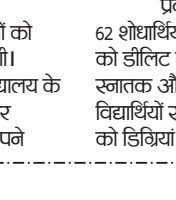

भिलाई निवासी 56 वर्षीय महिला, जिनकी दोनों किडनी खराब होने के कारण दो वर्ष पूर्व किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था, पिछले कुछ महीनों से कान में तेज दर्द और मवाद की समस्या से परेशान थीं। अनेक उपचारों के बावजूद राहत नहीं मिलने पर स्थानीय चिकित्सकों ने उन्हें महानगरों में इलाज कराने की सलाह दी। मरीज के पति और पुत्र स्वयं चिकित्सक हैं, जिन्होंने राजधानी स्थित डॉ. अनुज जाऊलकर से परामर्श लिया। जांच एवं सिटी स्कैन के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मरीज को कान की एक अत्यंत दुर्लभ बीमारी "कोलेस्टेटोमा (**Cholesteatoma**)" है, जो बाहरी कान की नली में चेहरे की नस (फेशियल नर्व) के आसपास और ठीक ऊपर तक फैल चुकी थी। यदि समय पर ऑपरेशन नहीं किया जाता, तो चेहरे की नस स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो सकती थी, जिससे चेहरे का लकवा हो जाना संभावित था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉ. अनुज जाऊलकर ने अत्याधुनिक माइक्रोस्कोपिक तकनीक से ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। डॉ. जाऊलकर और उनकी टीम की कुशलता से यह जटिल सर्जरी पूर्णतः सफल रही। ऑपरेशन के बाद मरीज को बीमारी से पूर्ण मुक्ति मिल गई और चेहरे की नस को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुंची। इस सर्जरी की विशेषता यह भी रही कि किडनी ट्रांसप्लांट मरीज होने के कारण अधिक दवाइयों का उपयोग जोखिमभरा था, साथ ही ऑपरेशन के दौरान पूर्ण बेहोशी देना भी चुनौतीपूर्ण था। बावजूद इसके, टीम ने यह जोखिम उठाते हुए सुरक्षित रूप से ऑपरेशन पूरा किया।

इस सफलता में डॉ. अनुज जाऊलकर के साथ डॉ. विश्वजा जाऊलकर, बेहोशी विशेषज्ञ डॉ. रिमता जाऊलकर, तथा ओटी असिस्टेंट गजानन साहू और सावित्री सेन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। राजधानी में हुई यह सर्जरी न केवल चिकित्सा क्षेत्र में एक नई उपलब्धि है, बल्कि यह साबित करती है कि अब जटिल ऑपरेशन के लिए महानगरों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं रही।

पतंजलि विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह आज

मुख्य अतिथि होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार एक बार फिर ज्ञान, संस्कृति और साधना के संगम का साक्षी बनने जा रहा है। विश्वविद्यालय में द्वितीय दीक्षांत समारोह आज प्रातः 10:30 बजे विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इस समारोह की मुख्य अतिथि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु होंगी, जो विद्यार्थियों को प्रेरणादायी दीक्षांत संबोधन देंगी। कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव और कुलपति आचार्य बालकृष्ण अपने मार्गदर्शन से समारोह की गरिमा को और बढ़ाएंगे। इस अवसर पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह के दौरान 54 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे, जबकि 62 शोधार्थियों को पीएचडी, 3 विद्वानों को डीलिट की उपाधि तथा 744 स्नातक और 615 परास्नातक विद्यार्थियों सहित कुल 1424 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी।

महिला वर्ल्ड कप : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खिताबी मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में अपने तीसरे प्रयास में खिताबी सूखे को खत्म किया था और कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय महिला टीम की है, जो रविवार को अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह महिला विश्व कप का पहला फाइनल है। भारतीय टीम इससे पहले मिताली राज की अगुवाई में 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। साल 2005 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 98 रन से हराया था जबकि 2017 में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर रोमांचक फाइनल में भारत पर नौ रन से जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलिया सात खिताब और 9 फाइनल के साथ विश्व कप की सबसे सफल टीम है जबकि इंग्लैंड ने तीन और न्यूजीलैंड ने एक खिताब जीता है ऐसे में रविवार का दिन महिला क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक होगा क्योंकि जीतने वाली टीम पहली बार विश्व विजेता बनेगी।

भारत तीसरी बार और द.अफ्रीका पहली बार खेलेगी फाइनल, मैच दोपहर 3 बजे से

दर्शकों का उत्साह हमारे लिए शानदार: हरमनप्रीत

हरमनप्रीत ने कहा, 'हमारे जान-पहचान के लोग हमसे भी टिकट की मांग कर रहे हैं लेकिन यह अच्छा लग रहा है। ऐसे दिन कम ही आते है जब हम पर टीम टिकट मुहैया कराने का दबाव होता है।' उन्होंने विश्व कप के दौरान समर्थन के लिए भारतीय प्रशसकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, ' हमें पूरे अभियान के दौरान प्रशंसकों का साथ मिला, खासकर मुंबई में हमेशा से प्रशंसकों का पूरा साथ मिलता है। यह हमारे लिए शानदार है।' स्टेडियम के बाहर दर्शक सुबह से ही टिकट के आस में पहुंचने लगे थे।

नहीं मिल रहे फाइनल के टिकट

नवी मुंबई। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम आईसीसी वनडे विश्व कप में इतिहास रचने से एक जीत दूर है और ऐसे में प्रशंसकों के बीच इस मैच को लेकर जबरदस्त उत्साह है लेकिन टिकट नहीं मिलने से उन्हें निराशा का सामना करना पड़ रहा है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल रविवार को खेला जाना है और सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके पांच विकेट से हराने वाली मेजबान टीम को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

टीमें इस प्रकार

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिजान काप अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

वनडे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

दोनों देशों के बीच 33 वनडे मैचों 20 जीत के साथ भारत का पलड़ा भारी है लेकिन विश्व कप में मुकाबला बराबरी का है। वनडे विश्व कप के छह मैचों में भारत के नाम तीन जीत हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पिछले तीनों मैच में भारत को शिकस्त दी है। दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है, जिसे भारत ने 2017 से इस वैश्विक आयोजन में नहीं हराया है। विश्व कप के इतिहास में इससे ज्यादा बार लगातार मैचों में ऑस्ट्रेलिया (आठ) और न्यूजीलैंड (पांच) ने भारत को हराया है।

मेजबान टीम खेलेगी खिताबी मुकाबला

भारत ने फाइनल की मेजबानी कर रहे डीवाई पाटिल स्टेडियम में अपने दो मैचों जीत दर्ज की है जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस मैदान पर खेलेगी।

आज दोपहर 1:45 बजे से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टी20

तेज गेंदबाज हेजलवुड टीम से बाहर भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत

एजेंसी ▶▶| होबार्ट

तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार 2 नवंबर को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में थोड़ी राहत मिलेगी और वह पहले से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अंतिम एकादश में जगह मिल पाती है या नहीं क्योंकि उनको लगातार बाहर रखने पर सवाल उठने लग गए हैं। सही लंबाई पर गेंद डालने में हेजलवुड की सटीकता और उछाल, भारतीय बल्लेबाजों के लिए दु:स्वप्न बन गई। ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के आखिर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलनी है और उसे देखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है।

भारतीय बल्लेबाजों को अतिरिक्त उछाल वाली गेंदों से दिक्कत

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे मैच के बाद कहा था, 'यह निश्चित रूप से राहत की बात होगी। मैंने ऐसी गेंदबाजी का सामना पहले कभी नहीं किया।' ऐसी स्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को राहत मिलना स्वाभाविक है और वे जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस या सीन एबॉट जैसे गेंदबाजों का सामना करते समय अधिक आश्वस्त महसूस करेंगे। कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल दोनों को अतिरिक्त उछाल और अच्छी सीम मूवमेंट वाली गेंदों से निपटने में दिक्कत हो रही है। सूर्यकुमार और गिल ने कैनबरा में बारिश से प्रभावित मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी और वह उसको दोहराने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। यह मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था।

बेलेरिव ओवल स्टेडियम की सीमा रेखा छोटी

होबार्ट स्थित बेलेरिव ओवल एक ऐसा मैदान है, जहां दोनों तरफ की सीमा रेखा छोटी है और ऐसे में शार्ट पिच गेंद पर कवर, प्वाइंट, स्क्वायर लेग या मिड-विकेट पर लंबे शॉट लगाए जा सकते हैं। बेलेरिव ओवल वह मैदान है, जहां विराट कोहली ने 2012 में श्रीलंका के खिलाफ 321 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 86 गेंदों में नाबाद 133 रन की शानदार पारी खेली थी। बेलेरिव ओवल की पिच पारंपरिक रूप से सफेद गेंद से होने वाले मैचों के लिए उपयुक्त मानी जाती है। यह तेज गेंदबाज एलिस का बीबीएल में घरेलू मैदान भी है, जो स्थानीय फ्रेंचाइजी होबार्ट हरिकेंस के कप्तान हैं। इस दौरे पर बल्लेबाजी की गहराई को लेकर भारतीय टीम प्रबंधन का जुनून चर्चा का विषय रहा है और एमसीजी में 125 रन के मामूली स्कोर पर आउट होने के बाद उसकी इस रणनीति पर सवाल उठने लग गए हैं।

हर्षित की गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव

जहां तक गेंदबाजी का सवाल है तो हर्षित की गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव है। अब यहां देखना दिलचस्प होगा कि अर्शदीप को उनकी जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है या नहीं। अगर टीम प्रबंधन हर्षित को टीम में बनाए रखने की रणनीति पर कायम रहता है तब भी अर्शदीप को किसी एक स्पिनर के स्थान पर अंतिम एकादश में रखना चाहिए क्योंकि यहां के विकेट से स्विंग मिलने की संभावना है।

टीमें इस प्रकार

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस स्टोइनिस।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को हराया सीरीज पर किया कब्जा

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे क्रिकेट मैच में 222 रन पर समेटने के बाद दो विकेट से हराकर श्रृंखला 3.0 से जीत ली। न्यूजीलैंड ने 32 गेंद बाकी रहते आठ विकेट पर 226 रन बनाए। जाक फोकेस 14 और ब्लेयर टिकनेर 18 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ने पहला मैच चार विकेट से और दूसरा पांच विकेट से जीता था। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने जोफ्रा आर्चर, ब्रायडन कार्स और जैमी ओवरटन से सारे ओवर करा लिए थे लिहाजा निर्णायक आखिरी ओवरों में सैम कुरेन और आदिल रशीद के ही विकल्प बचे थे। इंग्लैंड के बल्लेबाज श्रृंखला में तीसरी बार नाकाम रहे और टीम 50 ओवरों के भीतर ही आउट हो गई। एक समय पर पहले दस ओवर के भीतर उसके चार विकेट 44 रन पर गिर गए थे।

बोपन्ना ने छोड़ा रैकेट, पेशेवर टेनिस को कहा अलविदा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया, जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला, जिसमें वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने ' अलविदा ..लेकिन अंत नहीं ' शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा,' आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।' उन्होंने आगे लिखा ,' आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं, जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिए। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है।' उन्होंने लिखा,'भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर , सर्विस दमदार बनाने के लिए लकड़ी के

टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है।'

रोहन ने 2023 में डेविस कप से ली थी विदाई

बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिए शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा।

मेस्सी 13 दिसंबर को आएंगे भारत देश के चारों कोनों का करेंगे दौरा

कोलकाता। अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी 'जीओएटी भारत दौरे 2025' पर हैदराबाद भी जाएंगे, जिसे केरल में अर्जेंटीना टीम का प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द होने के बाद कार्यक्रम में शामिल किया गया है। नए कार्यक्रम के तहत अब मेस्सी देश के चारों कोनों पूर्व (कोलकाता), दक्षिण (हैदराबाद), पश्चिम (मुंबई) और उत्तर (दिल्ली) जाएंगे। मेस्सी 12 दिसंबर की मध्यरात्रि या 13 दिसंबर को तड़के पहुंचेंगे। वह मियामी से दुबई आकर एक या दो दिन आराम करेंगे, जिसके बाद निजी जेट से कोलकाता आएंगे। मेस्सी 13 दिसंबर को कोलकाता से हैदराबाद जाएंगे और 14 दिसंबर को मुंबई पहुंचेंगे। वह 15 दिसंबर को दिल्ली जाएंगे, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस दौरे के आयोजक सतादू दत्ता ने कहा,' अब वह दक्षिण भारत भी जाएंगे। दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह तोहफा होगा। इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमें शामिल किया गया है। मैं चाहता हूं कि पूरा भारत इसका हिस्सा हो। केरल का मैच रद्द होने के कारण दक्षिण भारत के लोगों को मेस्सी को देखने के मौके से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा,' दक्षिण भारत के लोग हैदराबाद जाकर उन्हें देख सकते हैं। हैदराबाद के कार्यक्रम की बुकिंग एक सप्ताह के भीतर शुरू होगी। यह कार्यक्रम गाचिबोली या राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।'

विश्व कप जीतने पर महिला टीम को मिलेगी बड़ी राशि

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगर नवी मुंबई में रविवार को वनडे विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर इतिहास रच देती है तो बीसीसीआई हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को बड़े नकद पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए तैयार है।

माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व सचिव और अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह की 'समान वेतन' नीति का अनुकरण करते हुए शीर्ष अधिकारी महिला टीम को उतनी ही पुरस्कार राशि देने पर विचार कर रहे हैं, जितनी पिछले साल टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को दी गई थी। भारतीय पुरुष टीम ने टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था, जिससे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की पूरी टीम को उनके प्रदर्शन के लिए 125 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि दी गई थी।

बीसीसीआई ने किया समान वेतन का समर्थन

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'बीसीसीआई पुरुषों और महिलाओं के लिए समान वेतन का समर्थन करता है इसलिए इस बात पर काफी चर्चा हो रही है कि अगर हमारी लड़कियां विश्व कप जीत जाती हैं तो पुरस्कार राशि पुरुषों की विश्व कप जीत की तुलना में कम नहीं होगी। लेकिन विश्व कप जीतने से पहले घोषणा करना अच्छा नहीं है।'

नायर ने ठोका दूसरा शतक, कर्नाटक ने बनाए 319 रन

तिरुवनंतपुरम। भारतीय टीम से बाहर चल रहे करुण नायर के नाबाद 142 रन की मदद से कर्नाटक ने केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी के मैच के पहले दिन शनिवार को तीन विकेट पर 319 रन बना लिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए कर्नाटक ने सलामी बल्लेबाज अनीश केवी (आठ) और कप्तान मयंक अग्रवाल (पांच) के विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद नायर और विकेटकीपर कृष्णन श्रीजीत (65) ने तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी करके पारी को संभाला। स्मरण रविचंद्रन (143 गेंद में 88 रन) क्रीज पर नायर के साथ मौजूद थे। नायर ने अपनी पारी में 14 चौके और दो छक्के लगाए जबकि श्रीजीत ने दस चौके जड़े। न्यू चंडीगढ में ग्रुप बी के एक अन्य मैच में पंजाब ने कप्तान उदय सहारन के 247 गेंद में 100 रन की मदद से गोवा के खिलाफ पांच विकेट पर 215 रन बनाए।

केनरा बैंक Canara Bank
सिंडिकेट Syndicate
केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा
प्लॉट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास,
साकेत नगर, भोपाल, फोन नं. 8989014648

परिशिष्ट –IV क (नियम 8 (6) एवं 6(2) का परन्तुक देखें)

चल/अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस — ई-नीलामी सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) एवं 6(2) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित चल एवं अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके **कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय **दिनांक 20.11.2025 एवं 25.11.2025 को केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु ''जैसा है जहाँ है , जो है जैसा है'' एवं ''जो कुछ भी है'' के आधार पर किया जा रहा है।

शाखा एवं खाते जमानतदार का नाम	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि
श्री अब्दुल रज़िक अली (उधारकर्ता) मकान नंबर बीके-14/66, आईएचएसडीपी कॉलोनी, वार्ड नंबर 12, जवाहर नगर सुपेला भिलाई, छत्तीसगढ़	आवासीय भूमि एवं भवन का समस्त भाग खसरा नं. 290/14, मौजा जामुल पीएच नं. 13/18, आरएनएम: दुर्ग-1, तहसील एवं जिला दुर्ग (छ.ग.) में स्थित, जो नगर निगम वार्ड नं. 2, मठपारा शक्ति नगर वार्ड के अंतर्गत आता है, क्षेत्रफल 1087 वर्ग फीट, **चतुर्सीमा : उत्तर :** वाजिद अली की भूमि, **दक्षिण :** रामाधार निर्मलकर की भूमि, **पूर्व :** 12 फीट रोड, **पश्चिम:** शासकीय भूमि, **(सांकेतिक कब्जा), Baanknet Property ID- CNRBRAZIK**	25.03.2025 / 05.06.2025 / दि. 30.10.2025 को 25,26,256.87 + देय ब्याज एवं खर्च	22,48,000.00 / 2,24,800.00 / 10,000.00
मेसर्स इचक दाना रेस्टोरेंट प्रोप. श्री फिरोज़ इब्राहिम शेख, मकान नंबर 107/23, कुंद्रापारा, गुढ़ियारी, बृंदावनगढ़, रायपुर और **श्री मोहम्मद साबिर खान (जमानतदार)** मकान नंबर - 51, वार्ड - 14, मुस्लमान मोहल्ला, ग्राम-थान खमरिया, तहसील: थान खमरिया, जिला: बेमेतरा (छग)	परिवर्तित भूमि एवं आवासीय भवन का समस्त भाग, खसरा नं. संख्या 555/3 ग्राम थाना खमरिया गाँव, पीसी नं. : 07, तहसील: थान खमरिया, जिला - बेमेतरा (छग), क्षेत्रफल 23,672 वर्ग फीट, **चतुर्सीमा : उत्तर:** खसरा नं. 532 **दक्षिण :** खसरा नं. 555/2, **पूर्व :** खसरा नं. 532,553, **पश्चिम :** खसरा नं. 552/2, **(सांकेतिक कब्जा), Baanknet Property ID- CNRB95180254, Co-ordinates- 21.795446, 81.333903**	13.11.2018 / 05.02.2019 / दि. 30.10.2025 को 85,41,718.52 + देय ब्याज एवं खर्च	63,00,000.00 / 6,30,000.00 / 10,000.00
श्रीमती नेहा देवांगन (उधारकर्ता) और श्री चंदन देवांगन (सह-उधारकर्ता) मठपारा दुर्गा चौक, किराना स्टोर के पीछे, रायपुर, छत्तीसगढ़	मकान नं. आरपीआर567सी00738, खसरा नं. 178/46, गणपति नगर, मौजा चंगोराभाटा, खूबचंद बघेल, वार्ड नं. 67, पीएच नं. 59, आरआईसी रायपुर I, तहसील एवं जिला रायपुर (छग), क्षेत्रफल 935 वर्ग फीट, **चतुर्सीमा : उत्तर :** संतराम साहू का मकान, **दक्षिण :** देवनारायण साहू का मकान, **पूर्व :** रोड, **पश्चिम:** नीरा बाई की भूमि, **(सांकेतिक कब्जा), Baanknet Property ID- CNRB308278063, Co-ordinates- 21.13203, 81.36070**	29.07.2024 / 09.10.2024 / दि. 30.10.2025 को 30,95,509.94 + देय ब्याज एवं खर्च	26,65,000.00 / 2,66,500.00 / 10,000.00
मेसर्स त्रिमूर्ति इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन, प्रोप. श्री लोकेश नाथ उपाध्याय (उधारकर्ता) और श्रीमती विनती तिवारी (जमानतदार) एच.एन. एलआईजी- 61, सेक्टर 2, वार्ड नं. 31, दुर्गा मैदान के पास, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़	**संपत्ति 1:** प्लॉट नं. 92, 93, खसरा नं. 379/3 का भाग, ग्राम-जामुल, पी.सी. नं. 13/18, वार्ड नं. 04, आर.आई. सर्किल दुर्ग-1, तहसील एवं जिला-दुर्ग (छग), श्री लोकेश नाथ उपाध्याय पिता स्व. सुनकिशोर उपाध्याय के नाम पर, क्षेत्रफल : 2244 वर्ग फीट, **चतुर्सीमा : उत्तर :** रोड, **दक्षिण :** एसीसी की संपत्ति, **पूर्व :** प्लॉट नं. 94, **पश्चिम:** प्लॉट नं. 91, **(सांकेतिक कब्जा), Baanknet Property ID- CNRBTRIMURTI1, Co-ordinates- 21.254927, 81.380798** **संपत्ति 2:** मकान नं. एलआईजी 61, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, शंकर नगर, सेक्टर-2, वार्ड नं. 31, पीएच नं. 110/40, आरआईसी रायपुर I, तहसील एवं जिला-दुर्ग (छग), श्रीमती विनती तिवारी पत्नि श्री लोकेश नाथ उपाध्याय के नाम पर, क्षेत्रफल 1075 वर्ग फीट, **चतुर्सीमा : उत्तर :** एलआईजी मेसोनेट, **दक्षिण :** रास्ता, **पूर्व :** एलआईजी-62, **पश्चिम :** एलआईजी-60, **(सांकेतिक कब्जा), Baanknet Property ID- CNRBTRIMURTI2, Co-ordinates- 21.256064, 81.659686**	02.04.2024 / 26.06.2024 / दि. 30.10.2025 को 1,08,76,530.73 + देय ब्याज एवं खर्च	16,00,000.00 / 1,60,000.00 / 10,000.00 60,00,000.00 / 6,00,000.00 / 10,000.00
घरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 24.11.2025 या उससे पूर्व सायं 5.00 बजे तक **ई–नीलामी की दिनांक एवं समय : 25.11.2025, दोपहर 12.00 से दोपहर 2.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)**			
श्री जीतेन्द्र यादव (उधारकर्ता) फ्लेट नंबर 10, दूसरी मंजिल, ब्लॉक जी-06, चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई 490020, **श्रीमती मंजू यादव (सह-उधारकर्ता),** फ्लेट नबर 10, दूसरी मंजिल, ब्लॉक जी-06, चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई 490020	निर्माणधीन संपत्ति का समस्त भाग व अंश उस पर, फ्लेट नम्बर 10, दूसरी मंजिल, ब्लॉक जी-6, पीएच नम्बर 15/21, चौहान टाउन फेज 2, जुनवानी, भिलाई, जिला दुर्ग, संपत्ति मालिक : श्री जितेंद्र यादव पिता श्री रामपत सिंह यादव, क्षेत्रफल 670 वर्ग फीट, **चतुर्सीमा: पूर्व-** खुला क्षेत्र और ब्लॉक जी-7, **पश्चिम-** फ्लेट नम्बर जी-6, 9, **उत्तर-** चौहान का खुला भू-भाग, **दक्षिण-** फ्लेट नम्बर जी-6, 9, **(भौतिक कब्जा), Baanknet Property ID- CNRB3010405 95, Co-ordinates- 21.214576, 81.307879**	26.10.2022 / 03.01.2023 / दि. 30.10.2025 को 32,51,239.36 + देय ब्याज एवं खर्च	15,70,000.00 / 1,57,000.00 / 10,000.00
श्री कमल नारायण देवांगन (उधारकर्ता) एवं श्रीमती रुखमणी देवांगन (सह-उधारकर्ता) 646, गयानगर, वार्ड नंबर 4, दुर्ग, छत्तीसगढ़	दो मंजिला आवासीय भवन का समस्त भाग व अंश डायवर्टेड खसरा नम्बर 751, 752 और 753/2 (पुराना) पर स्थित (नया खसरा नम्बर 751/30, 752/30 और 753/58 है), पी एच नम्बर 63, मौजा दुर्ग-गया नगर, आरएनएम दुर्ग-03, तहसील और जिला दुर्ग, 1625 वर्ग फुट क्षेत्रफल, **चतुर्सीमा: उत्तर:** 5 फीट गली, **दक्षिण:** 20 फीट सड़क, **पूर्व:** अन्य भूमि, **पश्चिम:** नरेंद्र कटझरे की भूमि, **(सांकेतिक कब्जा), Baanknet Property ID- CNRBKAMAL , Co-ordinates- 21.196755, 81.268151**	11.12.2024 / 15.02.2025 / दि. 30.10.2025 को 26,03,362.04 + देय ब्याज एवं खर्च	47,50,000.00 / 4,75,000.00 / 10,000.00
घरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 19.11.2025 या उससे पूर्व सायं 5.00 बजे तक **ई–नीलामी की दिनांक एवं समय : 20.11.2025, दोपहर 12.00 से दोपहर 2.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)**			

(1) इच्छुक बोलीदाताओं को आरक्षित मूल्य की 10% अग्रिम राशि (ईएमडी) सीधे मेसर्स पीएसबी अलायंस प्राइवेट लिमिटेड **(baanknet.com)** पोर्टल के ई-वॉलेट में जमा करनी होगी या चालान जनरेट करके बोली जमा करने की उपरोक्त तिथि को उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी

(2) सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी सहित) उसके पक्ष में बिक्री होने के तुरंत बाद जमा करना होगा और शेष राशि बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। यदि सफल बोलीदाता उपरोक्त अनुसार बिक्री मूल्य का भुगतान करने में विफल रहता है, तो उसके द्वारा जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी।

(3) सभी शुल्क, स्टांप शुल्क / जीएसटी पंजीकरण शुल्क आदि, जैसा लागू हो और कोई भी कर, राजस्व/किसी भी स्थानीय प्राधिकारी को बकाया आदि केवल सफल बोलीदाता द्वारा वहन किया जाएगा।

(4) यहां संपत्ति का विक्रय राशि रु. 50 लाख या उससे ज्यादा हो उस परिस्थिति में नीलामी खरीददार को विक्रय राशि का 1% टी.डी.एस. का भुगतान करना होगा तथा टीडीएस सर्टिफिकेट की मूल प्रति बैंक में जमा करनी होगी।

विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबपोर्टल **http://BAANKHET.com** देखें अथवा सम्पर्क करे- मुख्य प्रबंधक, केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए. आर.एम. शाखा, प्लाट न 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल **8989014648, 8057766078, 9755569030 9691096410, 9123403299 (भोपाल) 7905027805 (जबलपुर एवं बिलासपुर), 7683068902 (रायपुर), 9140476074 (ग्वालियर), 9830130770 (इंदौर), 8073562754 (भोपाल)**

स्थान : भोपाल, दिनांक : 02.11.2025 — **प्राधिकृत अधिकारी : केनरा बैंक**

पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे अलेक्जेंडर, अब सिनर से मुकाबला

दो साल बाद ज्वेरेव ने मेदवेदेव के खिलाफ तोड़ा हार का सिलसिला

एजेंसी ▶▶| पेरिस

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने दो मैच प्वाइंट बचाकर दानिल मेदवेदेव को 2-6, 6-3, 7-6 (5) से हराया और पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीद बरकरार रखी। ज्वेरेव ने इस जीत से मेदवेदेव के खिलाफ पिछले दो साल से चला आ रहा पांच मैचों की हार का सिलसिला समाप्त कर दिया। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव सेमीफाइनल में दूसरे नंबर के यानिक सिनर से भिड़ेंगे। पिछले सप्ताहांत वियना फाइनल में दोनों की भिड़ंत हुई थी, जहां सिनर ने तीसरे सेट में 7-5 से जीत हासिल की थी। दोनों का एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड 4-4 से बराबर है। निर्णायक सेट में

4-5 के स्कोर पर ज्वेरेव ने मेदवेदेव के खिलाफ दोनों मैच प्वाइंट बचाए। पेरिस मास्टर्स में 2020 फाइनल में ज्वेरेव को हराने

वाले मेदवेदेव ने टाईब्रेकर में 5-5 की बराबरी कर ली, लेकिन ज्वेरेव ने फिर से बढ़त बनाते हुए ढाई घंटे में जीत हासिल कर ली।

सिनर ने शेल्टन को हराया सेमीफाइनल में पहुंचे

सिनर ने नंबर सात बेन शेल्टन को 6-3, 6-3 से हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इससे वह फिर से नंबर एक रैंकिंग हासिल करने के करीब पहुंच गए। यदि सिनर खिताब जीत लेते हैं, तो यह वर्ष की उनकी पहली मास्टर्स ट्रॉफी होगी और इससे वह फिर से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी भी बन जाएंगे। अमेरिकी खिलाड़ी पर सिनर की यह लगातार सातवीं जीत है। फेलिक्स ऑगर अलियासिमे ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले वैलेन्टिन वेचेरोत को 6-2, 6-2 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका सामना अलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा, जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर को बिना सर्विस गंवाए 6-7(5) 6-4 7-5 से हराया।

घर के फर्नीचर से लेकर स्विच बोर्ड तक, सभी बने हैं चमचमाते सोने से

इंदौर के व्यक्ति ने सोने से सजाया है अपना घर, हर तरफ दिखेगा 24 कैरेट सोना ही सोना

इंदौर। सोना एक ऐसी धातु है, जिसे लक्जरी से जोड़ा जाता है। इससे बने जेवर पहनकर लोग शाही लुक पा लेते हैं। हालांकि, क्या हो अगर किसी का पूरा घर ही सोने से सजा हो? सुनकर हैरानी होती है, लेकिन इंदौर के एक व्यक्ति ने अपने घर का कोना-कोना सोने से सजाया है। उनके घर के फर्नीचर से लेकर स्विच बोर्ड तक, सभी 24 कैरेट सोने से बने हुए हैं। आइए इस अनोखे घर के बारे में विस्तार से जानते हैं।

वायरल हुआ सोने के घर का वीडियो

इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर प्रियम सारस्वत आलीशान घरों के वीडियो साझा करते रहते हैं। हालांकि, इस बार उन्होंने जो वीडियो पोस्ट किया, उसे देखकर लोगों के होश उड़ गए। प्रियम इंदौर स्थित शाही घर में प्रवेश करते हैं, जो पूरी तरह से सोने से सजा है। इस घर को देखकर ऐसा लगता है कि मानो किसी राजा के महल में पहुंच गए हों। प्रियम का यह वीडियो सोशल मीडिया पर छा गया है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

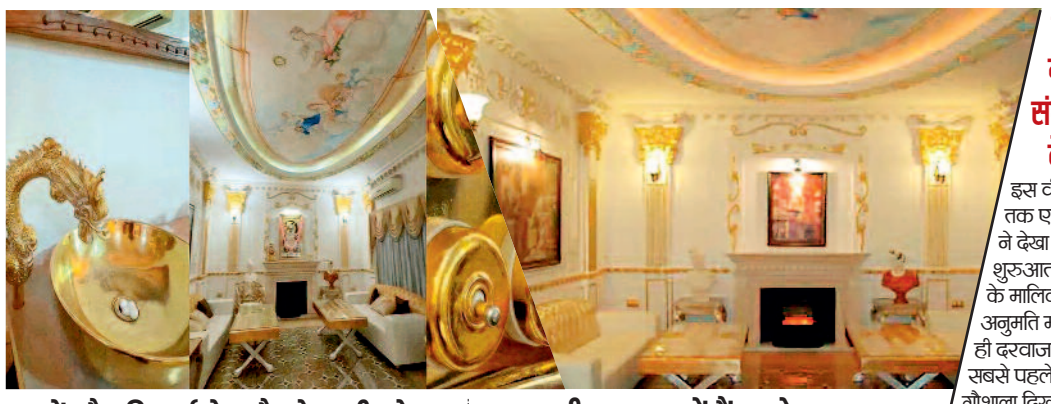

चारों और दिखाई देता है सोना ही सोना

जब प्रियम घर के अंदर पहुंचते हैं तो उन्हें चारों तरफ सोना दिखाई देता है। वह पूछते हैं, बहुत सारा सोना दिखाई दे रहा है। इस पर मालिक जवाब देते हैं, सब असली 24 कैरेट सोना है। इस घर में कमरे की दीवारों पर बने खंबे, फर्नीचर, छत, सजावट का सामान और यहां तक की स्विच बोर्ड तक सोने के ही लगाए गए हैं। आप सुनकर हैरान हो जाएंगे कि हाथ धोने वाला सिंक भी सोने का ही बना है।

इस आलीशान घर में हैं 10 बेडरूम

इसके बाद प्रियम घर के मुख्य एरिया की ओर बढ़ते हैं, जिसमें बॉलीवुड फिल्मों से प्रेरित सीढ़ियां दिखाई देती हैं। घर के मालिक की अमीरी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पूरे घर में सोने की कई मूर्तियां नजर आती हैं। घर के मंदिर में भगवान सोने के सिंहासन पर विराजमान हैं। मालिक बताते हैं कि उनके आलीशान बंगले में 10 बेडरूम हैं, हर कमरे में बालकनी हैं और गार्डन में फव्वारा तक लगा हुआ है।

मालिक की गाड़ियों का संग्रह भी उड़ा देगा होश

इस वीडियो को अब तक एक करोड़ लोगों ने देखा है, जिसकी शुरुआत में प्रियम घर के मालिक से प्रवेश की अनुमति मांगते हैं। जैसे ही दरवाजा खुलता है, सबसे पहले उन्हें एक गौशाला दिखाई जाती है। घर के मालिक मानते हैं कि गाय पालने से सकारात्मकता आती है। इसके बाद उनका अद्भुत कार का संग्रह दिखाई देता है। कई शानदार गाड़ियां इस घर की पार्किंग की शोभा बढ़ाती हैं, जिनमें 1936 की विंटेज मर्सिडीज भी शामिल है।

रेगिस्तान में चल रही खुदाई में मिली 11 हजार साल पहले रहने वाले इंसानों की बस्ती

सऊदी अरब ने अरब प्रायद्वीप पर मिले सबसे पुराने मानव बस्ती की खोज की घोषणा की है। इसकी उम्र फिलहाल 11 हजार साल से ज्यादा बताई गई है। संस्कृति मंत्री और हेरिटेज कमीशन के अध्यक्ष प्रिंस बेदर बिन अब्दुल्ला बिन फरहान ने सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान में इस खोज को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये खोज काफी महत्वपूर्ण है। यह खोज 'मस्यून' स्थल पर हुई है। मस्यून ताबूक क्षेत्र के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। ये प्री-पॉटरी नियोलीथिक काल (11 हजार-10 हजार से 300 साल पहले) की है।

सऊदी हेरिटेज कमीशन के मुताबिक, यह स्थल पत्थर से बनी आवासीय संरचनाओं, अनाज पीसने वाले पत्थर के मिल्स, शेल और रत्नों से बने आभूषणों सहित मानव और पशु अवशेषों से युक्त है। यह खोज सऊदी अरब की पुरातात्विक अनुसंधान में प्रतिबद्धता को दर्शाती है और अरब प्रायद्वीप पर प्रागैतिहासिक मानव जीवन की समझ को बढ़ाने के लिए काफी है।

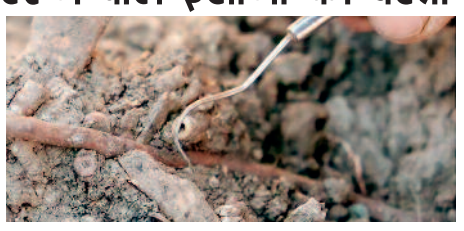

खुदाई में क्या-क्या मिला

मस्यून स्थल को पहली बार 1978 में राष्ट्रीय पुरावशेष रजिस्टर में दर्ज किया गया था। दिसंबर 2022 में यहां पर फिर से खुदाई शुरू हुई। जिस वजह से इस क्षेत्र का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया। मई 2024 तक पूरे हुए चार क्षेत्रीय सत्रों में अर्ध-गोलाकार पत्थर की संरचनाएं, भंडारण स्थल, रास्ते और चूल्हे मिले।

कब सूखा था ये पूरा इलाका?

वैज्ञानिकों का मानना है कि जेबेल मिस्मा और पास की 2 चट्टानों पर मिली सबसे पुरानी नक्काशी उन पहले खानाबदोश लोगों ने बनाई थी जो अंतिम हिमयुग के बाद इस इलाके में आए थे। उस हिमयुग ने इस क्षेत्र को सूखा कर दिया था पर वह लगभग 19,000 साल पहले खत्म हो गया।

कैसे की गई थी नक्काशी?

शिकारियों ने ये नक्काशी रेगिस्तानी चट्टानों पर जमी गहरे रंग की प्राकृतिक वार्निश (एक तरह की परत) को काटकर बनाई थीं जिससे नीचे का बलुआ पत्थर दिखाई दे। सबसे पुरानी नक्काशी में छोटी शैलीबद्ध महिलाओं के चित्र हैं। इन चित्रों में अक्सर उभरी हुई चित्रकारी दिखाई गई हैं।

चेरनोबिल में मिले कुत्तों के नीले रंग ने सभी को किया हैरान

चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास चमकीले नीले बालों वाले आवारा कुत्तों के एक वायरल वीडियो ने वैज्ञानिकों और सोशल मीडिया यूजर्स को हैरान कर दिया है। चेरनोबिल में आवारा जानवरों की देखभाल करने वाले समूह की ओर से शेयर की गई इस वीडियो क्लिप को अब तक 3 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इसने 1986 की परमाणु आपदा के विचित्र परिणामों के बारे में वैश्विक जिज्ञासा को फिर से जगा दिया है।

ऐसे लगा इन कुत्तों का पता

वायरल वीडियो को लेकर कुत्तों की देखभाल करने वाले संगठन ने कहा कि नसबंदी अभियान के दौरान उन्हें ये कुत्ते अचानक दिखाई दिए। डॉग्स ऑफ चेरनोबिल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हमें 3 कुत्ते मिले जो पूरी तरह से नीले रंग के थे। हमें ठीक से समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि यही कुत्ते एक सप्ताह पहले तक सामान्य दिख रहे थे, जिससे रहस्य और गहरा गया।

विशेषज्ञों ने किया यह दावा

विशेषज्ञों का मानना है कि यह चटक नीला रंग आनुवंशिक होने की संभावना नहीं है। उन्हें संदेह है कि रासायनिक संपर्क- संभवतः कोबाल्ट, कॉपर सल्फेट या अन्य औद्योगिक अपशिष्ट के कारण कुत्तों के बालों पर ढाग लगे होंगे। इसी तरह के यौगिक दूषित मिट्टी या पानी के संपर्क में आने पर चटक रंग उत्पन्न करते हैं। जब तक जानवरों को पकड़कर उनका परीक्षण नहीं किया जाता, तब तक यह रहस्य अनसुलझा ही रहेगा।

88 करोड़ लग सकती है कीमत

न्यूयॉर्क में नीलाम होने वाला है 101 किलो सोने का शौचालय पॉट

शौचालय पॉट हर घर की जरूरत होता है, जो आम तौर पर चंद हजार रुपये में मिल जाता है। ज्यादातर शौचालय पॉट सिरेमिक या चीनी मिट्टी से बने होते हैं। हालांकि, क्या आपने कभी सोने का शौचालय पॉट देखा है? जी हां, कुछ लोग इतनी महंगी धातु का शौचालय पॉट भी इस्तेमाल करते हैं। अब ऐसा ही सोने का एक शौचालय पॉट न्यूयॉर्क में नीलाम होने वाला है। आइए इसकी नीलामी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कब होगी इसकी नीलामी : यह दुनिया का सबसे कीमती शौचालय पॉट हो सकता है, जिसकी नीलामी का आयोजन 'सोथबी' करवा रहा है। नीलामीघर ने इसकी आधिकारिक घोषणा 31 अक्टूबर यानि शुक्रवार को की थी। इसे इतालवी कलाकार मौरिजियो कैटेलन ने बनाया था और इसे 'अमेरिका' शीर्षक दिया था। इसकी नीलामी 18 नवंबर को होने वाली है और इसकी अनुमानित कीमत जानकर आपके होश उड़ जाएंगे। यह 88 करोड़ रुपये तक की कीमत पर बिक सकता है।

शौचालय पॉट को बनाने में लगा 101.2 किलो सोना

यह शौचालय पॉट केवल सजावट के लिए नहीं बनाया गया। यह पूरी तरह काम करता है और असल में इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इसे बनाने में 101.2 किलोग्राम यानि 223 पाउंड सोने का इस्तेमाल किया गया था। इसे कैटेलन ने एक कलाकृति के रूप में बनाया था, जो उनके मुताबिक 'अत्यधिक धन' का व्यंग्य करता है। 2016 में इसके 2 संस्करण बनाए गए थे, जिनमें से बिकने वाला 2017 से एक अनाम संग्रहकर्ता के पास था।

ऐसा म्यूजियम जहां दीवारों पर सजे हैं हजारों महिलाओं के कटे बाल

दुनिया में आपको तरह-तरह के म्यूजियम देखने को मिल जाएंगे। यहां न तो पेंटिंग्स हैं और न ही दुर्लभ मूर्तियां, बल्कि दीवारों पर टंगे हैं हजारों महिलाओं के बाल। यही वजह है कि इसे हेयर म्यूजियम ऑफ अवनोस के नाम से पूरी दुनिया जानती है। चलिए जानते हैं इसकी कहानी। इस म्यूजियम की नींव करीब 35 साल पहले पड़ी थी। अवनोस शहर के रहने वाले गैलीप, जिन्हें लोग चेज गैलीप के नाम से भी जानते हैं, वो पेशे से पॉटरी आर्टिस्ट थे। उनके वर्कशॉप में एक फ्रांसीसी महिला आईं, जो कुछ समय के लिए तुर्किए में रह रही थीं। दोनों के बीच गहरी दोस्ती

हुई, लेकिन जब महिला को वापस लौटना पड़ा तो उसने एक याद छोड़ने के लिए अपने बाल काटकर वर्कशॉप की दीवार पर टांग दिए। उस दिन से शुरू हुई यह परंपरा धीरे-धीरे एक अनोखी परंपरा में बदल गई।

पर्यटक भी करने लगे परंपरा का पालन

फ्रांसीसी महिला की कहानी सुनने के बाद जो भी महिला इस वर्कशॉप में आती, वो भी अपनी एक लट काटकर दीवार पर टांग जाती। धीरे-धीरे गैलीप की यह वर्कशॉप हजारों बालों से सजने लगी और देखते ही देखते यह जगह एक हेयर म्यूजियम के रूप में मशहूर हो गई। आज यहां 16,000 से ज्यादा महिलाओं के बाल दीवारों और छत से लटकते नजर आते हैं। इन बालों में हर महिला का नाम और उसका पता भी लिखा होता है, जिससे ये केवल एक अजीब संग्रह ही नहीं बल्कि यादों का खजाना भी बन गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com